खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 27 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-26

76वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फहराया तिरंगा

सैन्यबल, छात्रबल, खेलबल एवं कलाकारबल ने दी सलामी

आसमान में फहराया स्वर्णिम भारत का तिरंगा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के 76वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज कर्तव्य पथ पर तिरंगा फहराया। देश के सैन्य बल, छात्र बल और कलाकार बल ने राष्ट्रपति को सलामी दी। इस मौके पर विभिन्न राज्यों ने कर्तव्य पथ पर अपनी-अपनी झांकियां निकालीं। उत्तर प्रदेश की महाकुंभ को लेकर निकाली गई झांकी सर्वाधिक चर्चित और प्रशंसित हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तिरंगा फहराकर पूरे देश को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। झंडोत्तोलन के साथ ही सेना ने 21 तोपों की सलामी भी दी।

- ⇨ सैनिक बैंड के साथ परेड में शामिल हुई इंडोनेशियाई सेना
- ⇨ इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की खुशी झलकी
- ⇨ पहली बार देश की तीनों सेनाओं ने निकाली संयुक्त झांकी
- ⇨ विरासत और विकास थीम पर मनाया गया गणतंत्र दिवस

इस बार के गणतंत्र दिवस समारोह में 10,000 विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। इनमें पैरालंपिक खिलाड़ी, बेहतर प्रदर्शन करने वाले सरपंच, हथकरघा कारीगर, वन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यकर्ता शामिल थे। परेड में 16 राज्यों और केंद्र सरकार के 15 मंत्रालयों की कुल 31 झांकियां निकाली गईं। पहली बार तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से झांकी निकाली। इस बार गणतंत्र दिवस की थीम थी गोल्डन इंडिया : हेरिटेज एंड डेवलपमेंट। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो मुख्य अतिथि थे। परेड के दौरान राष्ट्रपति सुबियांतो अत्यंत प्रसन्न दिखे। इस बार गणतंत्र दिवस परेड में इंडोनेशिया के 352 सदस्यीय सैन्य मार्चिंग दल और बैंड दल ने भी हिस्सा लिया। परेड से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडिया गेट स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। कर्तव्य स्थल पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी की देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अगवानी की। तीनों सेना के प्रमुखों ने भी प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन किया।

परेड के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका रॉकेट सिस्टम और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम समेत अत्याधुनिक रक्षा प्लेटफॉर्म प्रदर्शित किए गए। सेना की बैटल सर्विलांस सिस्टम संजय और डीआरडीओ की प्रलय सामरिक मिसाइल भी पहली बार प्रदर्शित की गई। इसके अलावा टी-90 भीष्म टैंक, सरथ सैन्य वाहन, नाग मिसाइल सिस्टम और वाहन पर लगे पैदल सेना मोर्टार सिस्टम (ऐरावत) शामिल हुए। फ्लाईपास्ट में भारतीय वायुसेना के 40 विमान शामिल हुए। इनमें सी-130जे सुपर हरक्यूलिस, सी-17 ग्लोबमास्टर और एसयू-30 लड़ाकू विमान शामिल थे। इनमें 22 फाइटर जेट थे। भारतीय तटरक्षक बल के तीन डोर्नियर विमानों ने भी इसमें हिस्सा लिया। सिग्नल कोर के कर्मियों ने मोटरसाइकिल पर हैरतअंगेज करतब दिखाए। इसके अलावा, 5,000 कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रदर्शन किया। इस साल भारतीय सेना के तीनों अंगों की तरफ से अलग-अलग ▶10पर

देश की सैन्य शक्ति और समृद्धि की झलक दिखी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

76वें गणतंत्र दिवस पर रविवार को आयोजित भव्य परेड में कर्तव्य पथ पर देश की सैन्य शक्ति के साथ ही सांस्कृतिक विविधता, सरकारी योजनाओं की सफलता और महिला सशक्तीकरण की झलक देखने को मिली। राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दिए जाने के साथ ही कर्तव्य पथ पर परेड की शुरुआत हुई और भारतीय वायुसेना की 129 हेलीकॉप्टर यूनिट के एमआई-17 हेलिकॉप्टरों ने कर्तव्य पथ पर उपस्थित अतिथियों और दर्शकों पर पुष्प वर्षा की।

दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार परेड कमांडर थे, जबकि परेड के सेकेंड-इन-कमान, दिल्ली क्षेत्र के चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) मेजर जनरल सुमित मेहता थे। परमवीर चक्र और अशोक चक्र सहित सर्वोच्च वीरता पुरस्कारों के विजेता भी परेड का हिस्सा थे। इनमें परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेन्द्र सिंह यादव (सेवानिवृत्त) और सूबेदार मेजर संजय कुमार (सेवानिवृत्त) और अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल जसराम सिंह (सेवानिवृत्त) शामिल थे।

नीति आयोग का आर्थिक स्वास्थ्य सूचकांक जारी

पंजाब बेहद कमजोर, ओड़ीशा पूर्ण स्वस्थ

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

सूचकांक में पंजाब, आंध्र, बंगाल, केरल और हरियाणा सबसे नीचे

सूचकांक में यूपी और महाराष्ट्र टॉप परफॉर्मर्स में शामिल

नीति आयोग ने 18 प्रमुख राज्यों का वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक (फिसकल हेल्थ इंडेक्स) जारी किया है। यह सूचकांक राज्यों की जीडीपी में हिस्सेदारी, जनसांख्यिकी, सार्वजनिक खर्च, राजस्व और वित्तीय स्थिरता के आधार पर रैंकिंग करता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के विश्लेषण पर आधारित इस सूचकांक में पंजाब सबसे नीचे स्थान पर है। अन्य निचले चार राज्यों में आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल और हरियाणा शामिल हैं। आश्चर्यजनक तरीके से ओड़ीशा ने ऋण सूचकांक और ऋण स्थिरता में सबसे ऊंची रैंकिंग हासिल की है।

रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब व्यय की गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन और ऋण सूचकांक के मामले में सबसे खराब प्रदर्शन करता है, जबकि राजस्व संग्रह और ऋण स्थिरता में थोड़ा बेहतर है। वहीं, ओड़ीशा ने ऋण सूचकांक और ऋण स्थिरता में सबसे ऊंची रैंकिंग पर है। यह सूचकांक पांच प्रमुख संकेतकों पर आधारित है: व्यय की गुणवत्ता, राजस्व संग्रह, वित्तीय अनुशासन, ऋण सूचकांक और ऋण स्थिरता। ▶10पर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सफाई अभियान शुरू

बांग्लादेश को अमेरिकी मदद मिलना बंद

वाशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रंप लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। खासकर उन क्षेत्रों को लेकर जो इस्लामी कट्टरपंथियों के आतंक से प्रभावित क्षेत्र हैं। हाल में उन्होंने गाजा को साफ करने की बात कही है। डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश की यूनुस सरकार को झटका देते हुए अमेरिका से भेजी जाने वाली मदद पर 90 दिन के लिए रोक लगा दी है। 90 दिन में बांग्लादेश नहीं सुधरा तो अमेरिका से मिलने वाली सारी मदद स्थायी तौर पर बंद हो जाएगी। पाकिस्तान की गोद में जा बैठा बांग्लादेश, अब अपने को सुधारे या खुद सिधर जाए, इसका अमेरिका ने आखिरी मौका दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने पूरे गाजा को खाली कराकर वहां रह रहे लोगों को कहीं और बसाने की बात कही। उन्होंने जॉर्डन और मिस्र जैसे देशों से अपील की कि वह गाजा के युद्ध ग्रस्त क्षेत्र में फंसे लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में शरण दें ताकि वहां परिस्थिति को सुधारा जा सके। ट्रंप ने कहा, मैं चाहता हूं कि मिस्र और जॉर्डन ज्यादा से ज्यादा गाजा के लोगों को स्वीकार करें। आप शायद 15 लाख लोगों की बात कर रहे हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि पूरे इलाके को साफ किया जाए और हम कह सकें कि युद्ध खत्म हो गया है। फिलीस्तीनियों को शरण देने के नाम पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, यह अस्थायी या दीर्घकालिक हो सकता है। ▶10पर

गणतंत्र दिवस पर सांसदों को पत्र, वक्फ बिल को समर्थन दें

सौ दिन से धरना दे रहे वक्फ बोर्ड के मारे ग्रामीण

कोच्चि, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

केरल में वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ कोच्चि के मुनंबम गांव के लोगों का विरोध लगातार जारी है। गणतंत्र दिवस के मौके पर संसद के सदस्यों को विभिन्न राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं के नाम खुला पत्र पोस्ट कर इन प्रदर्शनकारियों ने वक्फ संशोधन विधेयक-2024 का समर्थन करने की अपील की है।

मुनंबम गांव के प्रदर्शनकारियों ने आज डाकघर में मार्च निकालकर रिपब्लिक डे पर पत्र पोस्ट किया। बीते 100 दिन से ये लोग वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ अपनी जमीनों को वापस पाने के लिए प्रदर्शन कर रहे.हैं। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे एफआर जोशी मैय्यातिल ने कहा, हम अपने राजस्व के अधिकारों से विखंडित कर दिए गए हैं। इससे हमें गहरा आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षति हुई है।

केरल की व्यावसायिक राजधानी कोच्चि की भीड़-भाड़ से दूर मुनंबम उपनगर में स्थित चेराई गांव, मछुआरों का एक खूबसूरत गांव है। इसी गांव पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा ठोक दिया था। वक्फ ने पूरे गांव को वक्फ की सम्पत्ति करार दे दिया था। ईसाई बहुल इस गांव में लगभग 610 परिवार रहते हैं। वर्ष 1902 में त्रावणकोर के राजा ने गुजरात से केरल पहुंचे अब्दुल सत्तार मूसा पर दया दिखाते हुए 464 एकड़ जमीन दी थी। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 16^0

भारत सरकार ने तैयार किया नियमों का मसौदा

अब देश में होगा एक राष्ट्र एक समय

दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। एक देश एक चुनाव का नियम भले ही कालांतर में लागू हो, लेकिन अब पूरे देश में एक राष्ट्र एक समय लागू हो जाएगा। केंद्र सरकार देश में जल्द ही एक देश एक समय लागू करने जा रही है। सरकार ने भारतीय मानक समय को अनिवार्य बनाने के लिए नियमों का मसौदा तैयार किया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 14 फरवरी तक जनता से प्रतिक्रिया मांगी है।

सरकार की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, समय-निर्धारण को मानकीकृत करने के लिए सरकार ने सभी आधिकारिक और वाणिज्यिक प्लेटफार्मों पर भारतीय मानक समय (आईएसटी) के विशेष उपयोग को अनिवार्य करने के लिए व्यापक नियमों का मसौदा तैयार किया है। कानूनी माप विज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2024 का मकसद समय पालन प्रथाओं को मानकीकृत करने के लिए एक कानूनी ढांचा स्थापित करना है।

अनिवार्य किया जा रहा भारतीय मानक समय

यह ढांचा कानूनी, प्रशासनिक, वाणिज्यिक और आधिकारिक दस्तावेजों के लिए एकमात्र समय संदर्भ के रूप में आईएसटी को अनिवार्य बनाता है। नियम के मसौदे के अनुसार, वाणिज्य, परिवहन, सार्वजनिक प्रशासन, कानूनी अनुबंध और वित्तीय संचालन सहित सभी क्षेत्रों में आईएसटी अनिवार्य समय संदर्भ होगा। इसके मुख्य प्रावधानों में आधिकारिक और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए आईएसटी के अलावा अन्य समय संदर्भों पर प्रतिबंध शामिल है।

यह प्रस्ताव दूरसंचार, बैंकिंग, रक्षा और 5-जी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों सहित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसंरचना में सटीक समय-पालन सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत आया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, रणनीतिक और गैर-रणनीतिक क्षेत्रों के लिए नैनो सेकंड सटीकता के साथ सटीक समय जरूरी है। खगोल विज्ञान, नेविगेशन और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे विशेष क्षेत्रों के लिए अपवादों की अनुमति दी जाएगी, जिसके लिए पहले सरकारी मंजूरी लेनी होगी।

उपभोक्ता मामलों का विभाग राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ मिलकर एक मजबूत समय निर्माण और प्रसार तंत्र विकसित कर रहा है। हितधारकों से 14 फरवरी तक नियमों के मसौदे पर सुझाव देने के लिए कहा गया है।

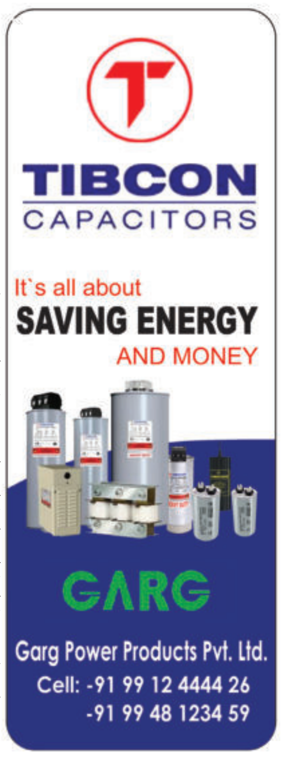

गाजा को कर देंगे पूरी तरह से खाली: ट्रंप

ट्रंप के बयान पर भड़का हमास

यरूशलेम,26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा को 'पूरी तरह से खाली' करने के विचार की फिलिस्तीनी समूहों ने निंदा की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के विचार को 'युद्ध अपराधों' को बढ़ावा देने वाला बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि फिलिस्तीनी संगठन ट्रंप के गाजावासियों को मिस्र और जॉर्डन में भेजे जाने के विचार का विरोध करेगा।

हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासेम नैम ने कहा, जैसा कि हमारे लोगों ने दशकों तक विस्थापन और वैकल्पिक होमलैंड की हर योजना को नाकाम किया है, आगे भी वे ऐसी कोशिशों को नाकाम कर देंगे। फिलिस्तीनी ग्रुप इस्लामिक जिहाद ने भी रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजावासियों को मिस्र और जॉर्डन में स्थानांतरित करने के विचार की निंदा की और इसे 'युद्ध अपराधों' को बढ़ावा देने वाला बताया।

इस्लामिक जिहाद ने ट्रंप के विचार को 'निंदनीय' बताते हुए कहा, यह प्रस्ताव हमारे लोगों को उनकी जमीन छोड़ने के लिए मजबूर करके युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों को बढ़ावा देने के अंतर्गत आता है। शनिवार को एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने आज सुबह जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से बात की और रविवार को बाद में मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल-सीसी से बात करेंगे। ट्रंप, ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला के साथ शनिवार को अपनी कॉल के बारे में बताते हुए, मैंने उनसे कहा कि मैं चाहूंगा कि आप और अधिक काम करें क्योंकि मैं अभी पूरे गाजा पट्टी को देख रहा हूं और यह एक गड़बड़ है, एक वास्तविक गड़बड़ है। मैं चाहूंगा कि वह लोगों को ले जाए।ट्रंप ने कहा, मैं चाहता हूं कि मिस्र भी लोगों (फिलिस्तीनियों) को ले जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, आप डेढ़ लाख लोगों की बात कर रहे हैं, और हम बस उस पूरी जगह को खाली कर देंगे।

ट्रंप ने कहा, यह वस्तुतः एक विध्वंस स्थल है, लगभग सब कुछ ध्वस्त हो चुका है और लोग वहां मर रहे हैं, इसलिए मैं कुछ अरब देशों के साथ मिलकर किसी अन्य स्थान पर आवास का निर्माण करना चाहूंगा, जहां वे बदलाव के लिए शांति से रह सकें। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या यह अस्थायी या दीर्घकालिक सुझाव है, तो ट्रंप ने कहा, दोनों ही हो सकते हैं। गाजा में इजरायल के नरसंहार ने गाजा के लगभग पूरे 2.3 मिलियन लोगों को विस्थापित कर दिया है, जिनमें से कुछ को कई बार विस्थापित होना पड़ा। दशकों पुराने इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष में 7 अक्टूबर, 2023 को भयंकर रक्तपात शुरू हुआ, जब फिलिस्तीनी हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर हमला किया। लगभग 1,200 लोग मारे गए और 251 बंधक बना लिए गए।

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा पर इजरायल के सैन्य हमले में 47,000 से अधिक लोग मारे गए। यहूदी राष्ट्र पर नरसंहार और युद्ध अपराध के आरोप लगे, जिनका इजरायल ने खंडन किया है।

तालिबानी नेताओं पर रखा जा सकता है लादेन से भी बड़ा इनाम

अमेरिका ने क्यों दी धमकी ?

वाशिंगटन,26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने तालिबान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि उसके शीर्ष नेताओं पर 'बहुत बड़ा इनाम' रख सकता है। उन्होंने रविवार को अपने एक ट्वीट में यह बात कही।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुबियो ने एक्स पर लिखा, अभी-अभी सुनने में आया है कि तालिबान ने जितना बताया जाता है उससे कहीं ज्यादा अमेरिकियों को बंधक बनाया हुआ है। अगर यह सच है, तो हमें तुरंत उनके शीर्ष नेताओं पर बहुत बड़ा इनाम रखना होगा, शायद बिन लादेन पर रखे गए इनाम से भी बड़ा।

विदेश मंत्री की पोस्ट में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई और न ही तालिबान द्वारा बंधक बनाए गए अमेरिकियों की संख्या बताई गई। काबुल में अधिकारियों ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका ने अफगानिस्तान में बंद दो अमेरिकी नागरिकों के बदले में एक अफगान नागरिक की रिहाई हुई है, जिसे अमेरिकी अदालत ने ड्रग्स की तस्करी और उग्रवाद के आरोप में दोषी ठहराया था।

अफगान अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि खान मोहम्मद नामक व्यक्ति रिहा होने के बाद काबुल पहुंच गया है। तालिबान प्रशासन के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि इसके बदले में दो अमेरिकी नागरिकों को रिहा किया गया है। रिहा किए गए अमेरिकियों में से एक रयान कॉर्बेट था। परिवार के अनुसार, कॉर्बेट 2022 से तालिबान की हिरासत में था। अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने कहा कि रिहा किए गए दूसरे अमेरिकी का नाम विलियम मैकेंटी था।

20 साल के युद्ध के बाद अमेरिका को अफगानिस्तान को छोड़कर जाना पड़ा और 2021 में तालिबान ने काबुल की सत्ता पर कब्जा कर लिया था।अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अभियोजक ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अफगानिस्तान में सर्वोच्च आध्यात्मिक नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा सहित दो तालिबान नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के लिए आवेदन किया है। इन पर महिलाओं और लड़कियों के उत्पीड़न का आरोप लगाया गया।

नाइजीरिया में एक बार फिर पेट्रोल टैंकर विस्फोट से मचा तहलका

18 लोगों की गई जान

अबुजा,26 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिणी नाइजीरिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक बार फिर एक पेट्रोल टैंकर में विस्फोट होने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना नाइजीरिया के एनुगु राज्य के एनुगु-ओनित्शा एक्सप्रेसवे पर हुई, जब गैसोलीन से भरा टैंकर नियंत्रण खो बैठा और 17 वाहनों से टकरा गया, जिसके बाद आग लग गई। हादसे में घायल 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और तीन अन्य को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

देखा जाए तो नाइजीरिया में पेट्रोल और गैसोलीन टैंकर दुर्घटनाएं आम हैं, क्योंकि देश में कुशल रेलवे प्रणाली की कमी है। जहां इसी महीने की शुरुआत में, नाइजर राज्य में एक गैसोलीन टैंकर के विस्फोट में 98 लोग मारे गए थे, जब लोग दुर्घटनाग्रस्त टैंकर से गैसोलीन निकालने की कोशिश कर रहे थे।नाइजीरिया में एक बार फिर आज हुए टैंकर विस्फोट के बाद अधिकारी हरकत में आते हुए नजर आ रहें है। जहां इस घटना के बाद अधिकारियों ने गिरे हुए टैंकरों से पेट्रोल निकालने की प्रथा के खिलाफ देशभर में अभियान चलाया।

उत्तर कोरिया का क्रूज मिसाइल परीक्षण

ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद प्योंगयांग का बड़ा कदम

सोल,26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने समुद्र से सतह पर मार करने वाली रणनीतिक क्रूज गाइडेड मिसाइलों का परीक्षण किया। देश की सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। मिसाइल लॉन्च की निगरानी खुद किम जोंग-उन ने की।

पिछले सप्ताह डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर पदभार संभालने के बाद यह पहला मिसाइल लॉन्च है। ट्रंप ने किम जोंग उन ने से मिलने की इच्छा जताई है और उत्तर कोरिया को 'परमाणु शक्ति' बताया।उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रशासन ने 'संभावित दुश्मनों के खिलाफ राष्ट्रीय रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की योजना के हिस्से के रूप में' परीक्षण किया। योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइलों ने लक्ष्यों को सटीक रूप से भेद दिया और इस लॉन्च से पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा।किम ने यह कहा कि डीपीआरके भविष्य में और अधिक शक्तिशाली सैन्य शक्ति के आधार पर शांति और स्थिरता की रक्षा के लिए अपने महत्वपूर्ण मिशन और कर्तव्य को पूरा करने के लिए जिम्मेदार कोशिश जारी रखेगा। डीपीआरके उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है जिसका मतलाब है - डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया है।

दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया द्वारा मिसाइल दागे जाने की पुष्टि की। इसने बताया कि शनिवार को लगभग 4 बजे उत्तर कोरिया के एक अंतर्देशीय क्षेत्र से पीले सागर की ओर कई क्रूज मिसाइलों के लॉन्च का पता चला।संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने मीडिया को भेजे एक संदेश में कहा, दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के खुफिया अधिकारियों द्वारा विस्तृत विनिर्देशों का बारीकी से विश्-लेषण किया जा रहा है। केसीएनए की ओर से जारी चित्रों के आधार पर, ऐसा लगता है कि मिसाइलों को शीत प्रक्षेपण विधि (कॉल्ड लॉन्च तरीका) का इस्तेमाल करके दागा गया है। यह विधि आमतौर पर पनडुब्बी और जहाज-बेस्ड वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टमॉ से जुड़ा हुआ है।

भारत के विमानवाहक पोत निर्माण विशेषज्ञता पर इंडोनेशिया की नजर

ब्रह्मोस मिसाइल सौदे पर बातचीत जारी

नई दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल सिस्टम के लिए बातचीत करने पर सहमति जताई है, वहीं जकार्ता के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भारत की विमानवाहक पोत निर्माण क्षमताओं में रुचि दिखाई है। बता दें कि, भारत दुनिया के उन कुछ देशों में से एक है, जो स्वदेशी रूप से विमानवाहक पोत बनाने की क्षमता रखते हैं। रक्षा सूत्रों ने एए-नआई को बताया कि हाल ही में भारतीय पक्ष के साथ हुई बैठकों के दौरान जकार्ता के वरिष्ठ अधिकारियों ने विमानवाहक पोत निर्माण पर सहयोग में रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारतीय अधिकारी जहाज निर्माण के क्षेत्र में जकार्ता के साथ सहयोग बढ़ाने पर भी काम कर रहे हैं।

भारत और इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल सौदे पर बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई है, जिसके लिए इंडोनेशियाई टीमों के जल्द ही भारत आने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि इंडोनेशिया के साथ मिसाइल सौदे के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता रूस से मंजूरी लेना होगी।

भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल सफलतापूर्वक बेची है, जिसने कुछ साल पहले 335 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का ऑर्डर दिया था। मिसाइल की डिलीवरी पहले ही हो चुकी है, और जल्द ही और डिलीवरी की उम्मीद है। वियतनाम, मलयेशिया, इंडोनेशिया और मध्य पूर्व के कई देशों समेत कई देशों ने भारत-रूस संयुक्त उद्यम मिसाइल प्रणाली में रुचि दिखाई है, जिसमें रूस के कई घटक शामिल हैं।

विशेष रूप से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति, प्रबोवो सुबियांतो ने 23-26 जनवरी तक भारत की राजकीय यात्रा की। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भारत के 76वें गणतंत्र दिवस के समारोह में भी भाग लिया। उनके साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था, जिसमें कई मंत्री, वरिष्ठ इंडोनेशियाई सरकारी अधिकारी और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल शामिल था।

यूरोपीय संघ ने बेलारूस में चुनाव को अवैध करार दिया

नए प्रतिबंधों की धमकी दी

ब्रुसेल्स,26 जनवरी (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ ने रविवार को बेलारूस में चुनाव को अवैध करार देते हुए खारिज कर दिया और नए प्रतिबंधों की धमकी दी। बेलारूस ने एक सुनियोजित मतदान कराया, जिससे 70 वर्षीय निरंकुश राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको को सत्ता में अपने तीन दशकों के कार्यकाल के बाद एक और कार्यकाल मिलने की गारंटी हो गई।

यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास और यूरोपीय संघ के विस्तार आयुक्त मार्टा कोस ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'बेलारूस में आज का दिखावटी चुनाव न तो स्वतंत्र था और न ही निष्पक्ष।' काजा कल्लास और मार्टा कोस ने आगे कहा, 'मानव अधिकारों का निरंतर और अभूतपूर्व दमन, राजनीतिक भागीदारी पर प्रतिबंध और बेलारूस में स्वतंत्र मीडिया तक पहुंच ने चुनावी प्रक्रिया को किसी भी वैधता से वंचित कर दिया है।'

उन्होंने बेलारूसी सरकार से राजनीतिक कैदियों को रिहा करने का आग्रह किया, उनकी संख्या का अनुमान 1,000 से अधिक है, जिसमें बेलारूस की राजधानी मिन्स्क में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल का एक कर्मचारी भी शामिल है। काजा कल्लास और मार्टा कोस ने इस दौरान कहा कि केवल 10 दिन पहले यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन से पर्यवेक्षकों को आमंत्रित करने के निर्णय ने समूह को पूरी चुनावी प्रक्रिया की निगरानी करने से रोक दिया।

यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने कहा, 'इन कारणों से, साथ ही यूक्रेन के खिलाफ रूस के आक्रामक युद्ध और अपने पड़ोसियों के खिलाफ उसके हाइब्रिड हमलों में बेलारूसी शासन की भागीदारी के कारण, यूरोपीय संघ बेलारूसी सरकार के खिलाफ प्रतिबंधात्मक और लक्षित उपाय लागू करना जारी रखेगा।' उन्होंने यह नहीं बताया कि अंततः नए प्रतिबंध किस पर लक्षित होंगे, या कोई समय सीमा प्रदान नहीं की। कल्लास और कुछ यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों के रविवार रात को ब्रसेल्स में बेलारूसी विपक्षी नेता स्वियातलाना त्सिखानोस्काया से अनौपचारिक, बंद कमरे में रात्रिभोज के लिए मिलने की उम्मीद है।

इमरान खान ने केपी के लिए नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति की

पाकिस्तान ने आतंकियों पर कार्रवाई तेज की

इस्लामाबाद,26 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के सुप्रीमो इमरान खान ने नेशनल असेंबली के सदस्य जुनैद अकबर को पार्टी का खैबर पख्तूनख्वा अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने मौजूदा प्रांतीय पार्टी अध्यक्ष अली अमीन गंदापुर की जगह ली है। पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा ने अदियाला जेल के बाहर संवाददाताओं से कहा कि यह बदलाव अली अमीन गंदापुर पर बोझ कम करने के लिए किया गया है, जिन पर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के रूप में बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं। उन्हें शासन और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

एक दिन पहले अकबर को निर्विरोध नेशनल असेंबली की लोक लेखा समिति (पीएसी) का अध्यक्ष चुना गया था, जो पिछले साल फरवरी में आम चुनावों के बाद से खाली पड़े पद पर था। पीटीआई केपी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद अकबर ने एक्स पर एक बयान में अपनी नियुक्ति के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि वह एक मध्यम वर्ग के व्यक्ति हैं, जिन्हें उनकी कड़ी मेहनत के कारण अवसर मिला है, ऐसा कुछ जो अन्य पार्टियों में नहीं देखा जाता है। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन अलग-अलग अभियान चलाकर 30 आतंकियों को मार गिराया। सेना का मीडिया प्रभाग इंटर सर्विसेस पब्लिक रिलेशन (आईएसप-ीआर) ने पुष्टि की कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को खुफिया अभियान चलाया। जिला लक्की मारवात में शनिवार को हुई गोलीबारी में 18 आतंकी मारे गए और छह घायल हुए। करक जिले में सुरक्षा बलों ने एक और अभियान चलाया, जिसमें उन्होंने गोलीबारी में आठ आंतकियों को मार गिराया।

हमास ने किया युद्धविराम का उल्लंघन

इस्राइल ने रोक दी हजारों फलस्तीनियों की घर वापसी

गाजा पट्टी,26 जनवरी (एजेंसियां)। इस्राइल-हमास के बीच जारी युद्ध विराम समझौते के बीच इस्राइल ने रविवार को हजारों फलस्तीनियों को उत्तरी गाजा में उनके घरों में लौटने से रोक दिया। इस्राइल ने इसके लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइल ने आरोप लगाया है कि उसने बंधकों को रिहा करने के क्रम को बदलकर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन किया है।

वहीं, इस्राइल ने लेबनान को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। इसके तहत इस्राइली सेना ने कहा कि वह हिजबुल्लाह उग्रवादियों के साथ हुए युद्ध विराम समझौते के अनुसार रविवार तक दक्षिणी लेबनान से अपनी सेना की वापसी पूरी नहीं कर पाएगी। इसी बीच लेबनान ने बताया कि रविवार को दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना द्वारा गोलियां चलाने से कम से कम 15 लोग मारे गए और 80 से अधिक घायल हो गए।

हमास ने इस्राइल के एक बंधक अर्बेल येहूद को रिहा नहीं किया था। इसलिए इस्राइल ने फलस्तीनियों की वापसी रोक दी है। इस्राइल ने बयान जारी कर बताया कि वह तब तक फलस्तीनियों को उत्तरी गाजा में वापस नहीं जाने देगा, जब तक हमास द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों में से एक अर्बेल येहूद को रिहा नहीं कर दिया जाता।

इस्राइल जिन कैदियों को रिहा करेगा वे नेत्जारिम कॉरिडोर से उत्तरी गाजा में जाएंगे। गाजा पट्टी पर शनिवार को फलस्तीन एकत्रित हुए तो इस्राइल ने गोलीबारी कर दी। अवदा अस्पताल के अनुसार शनिवार देर रात एक व्यक्ति को गोली मार दी गई और दो अन्य घायल हो गए। अस्पताल ने बताया कि रविवार सुबह एक अलग गोलीबारी में एक बच्चे सहित पांच अन्य फलस्तीनी घायल हो गए।

इस्राइल हमास के बीच 19 जनवरी को युद्ध विराम समझौता लागू हुआ है। इस समझौते के पहले चरण में हमास 33 बंधकों को रिहा करेगा और बदले में इस्राइल 700 फलस्तीनी कैदियों को मुक्त करेगा। अब तक हमास सात बंधकों को रिहा कर चुका है। जबकि इस्राइल ने 200 सैनिकों को रिहा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्डन और मिस्र से अपील की है कि वे गाजा से ज्यादा से ज्यादा फलस्तीनी शरणार्थियों को अपने देश में पनाह दें, ताकि गाजा में जो तबाही का मंजर है, उसे साफ किया जा सके।

वहीं, ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास के वरिष्ठ अधिकारी बासेम नईम ने प्रतिक्रिया दी है। नईम ने कहा कि फलस्तीनी इस तरह के प्रस्ताव को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। भले ही पुनर्निर्माण की आड़ में यह नेक इरादे से किया गया हो उन्होंने कहा कि अगर इस्रराइल अपनी नाकाबंदी हटा देता है तो फलस्तीनी गाजा का पहले से भी बेहतर पुनर्निर्माण कर सकते हैं।

7 अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले के दौरान लगभग 250 लोगों का अपहरण कर लिया गया था, जिसके बाद 15 महीने तक युद्ध चला। गाजा में 90 से अधिक बंधक अभी भी हैं, हालांकि माना जाता है कि कम से कम एक तिहाई की मौत हो गई है। अन्य को रिहा कर दिया गया, बचा लिया गया या उनके शव बरामद किए गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइल के सैन्य अभियान में 47,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं।

5 अगस्त के बाद से जेल से भागे 700 कैदी अभी भी फरार

गृह सलाहकार बोले- उनको पकड़ने के प्रयास जारी

ढाका,26 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने रविवार को कहा कि जुलाई-अगस्त में राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान जेल से भागे करीब 700 कैदी अभी भी फरार हैं। गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी ने ढाका में पत्रकारों से कहा, 'करीब 700 कैदी जेलों से बाहर हैं। उन्हें वापस पकड़ने के प्रयास जारी हैं।' इस मामले में उन्होंने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि अधिकांश भागने वालों को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन शेष भगोड़ों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। भगोड़ों की पहचान के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि जो अभी भी फरार हैं, उनके बारे में व्यापक जांच चल रही है। उनका यह बयान बांग्लादेश के जेल अधिकारियों की तरफ से यह कहे जाने के करीब दो महीने बाद आई है कि दोषी इस्लामी उग्रवादियों और मौत की सजा पाए कैदियों समेत करीब 700 कैदी फरार हैं।

गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि 5 अगस्त के बाद सामान्य माफी के तहत किसी भी दोषी को जेल से रिहा नहीं किया गया, लेकिन जो लोग जेल से बाहर आए, उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। जहांगीर आलम चौधरी ने कहा, 'अगर वे (जमानत पर रिहा लोग) नई आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए जाते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।'

वहीं मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि देश भर से डकैती और जबरन वसूली की घटनाओं में बढ़ोतरी की खबरें आ रही हैं, 'लेकिन दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है'। पुलिस के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा कि पुलिसकर्मियों की कोई कमी नहीं है, 'लेकिन उन्हें (पुलिस को) अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में अधिक ईमानदार होने की आवश्यकता है'। जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में बांग्लादेश में जेल से भागने की कई घटनाएं हुईं।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

BS

Basai Steels And Power (P) Ltd.

MANUFACTURERS OF

BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm

SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS

A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com

Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

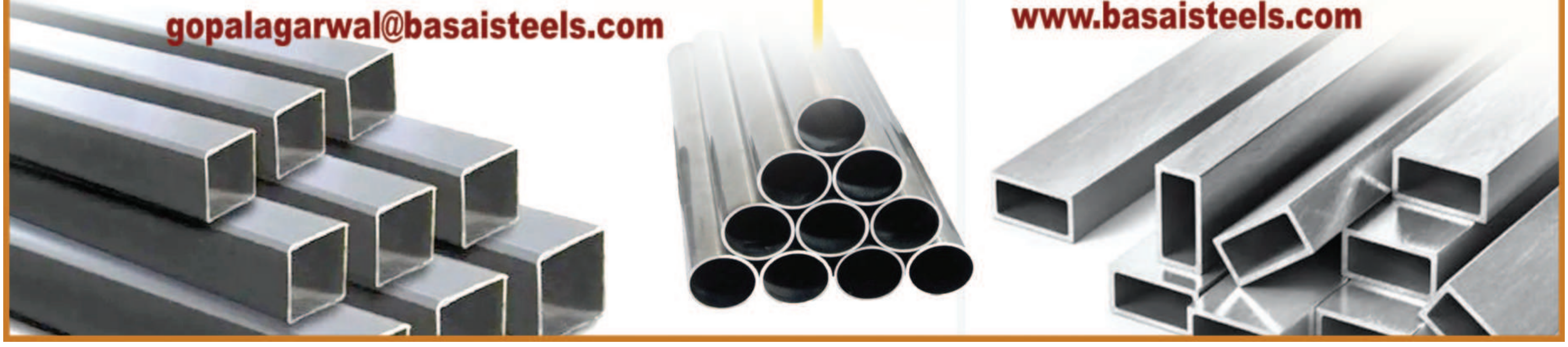

सनी देओल द्वारा अस्वीकार की गई फिल्म से शाहरुख बने स्टार!

4 करोड़ में बनी फिल्म ने की रिकॉर्डतोड़ कमाई

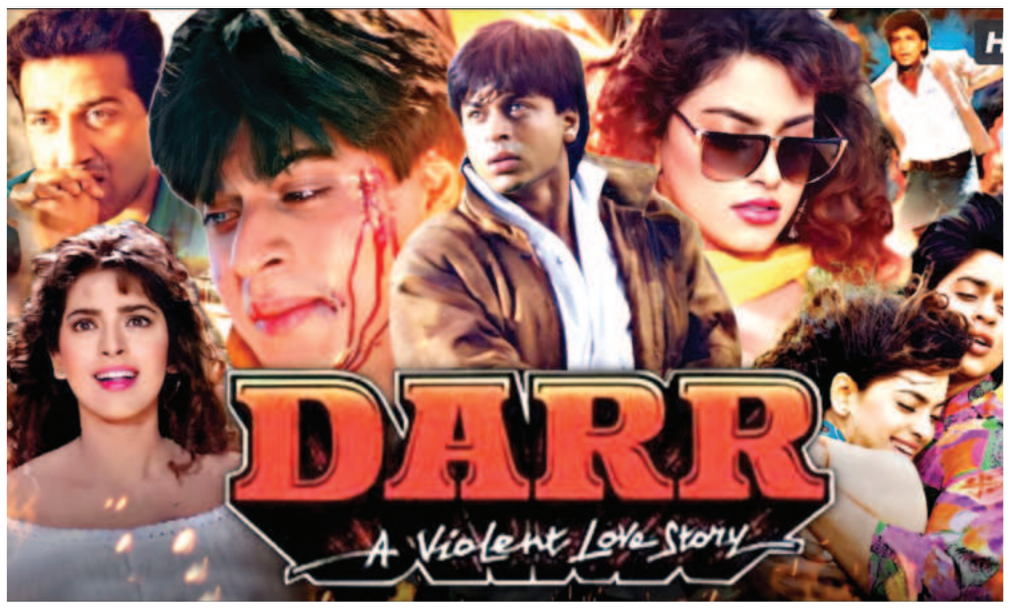

1990 के दशक के गाने और फिल्में आपको पसंद हैं तो दीवाना फिल्म का गाना 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं कभीआपने जरुर सुना होगा। शाहरुख खान, ऋषि कपूर और दिव्या भारती स्टारर यह फिल्म सुपरहिट हुई थी और इसके गानों ने तो रिकॉर्ड ही तोड़ दिए थे। यह गाना उस दौर में हर गली मोहल्ले में बजता था। जहां यह गाना दर्शकों को बेहद पसंद आया था तो वहीं इस गाने को लेकर। फिल्म के दोनों हीरो शाहरुख खान और ऋषि कपूर आपस में भीड़ गए थे। इस गाने को 1990 के दशक के मशहूर सिंगर विनोद राठौड़ ने गाया था। और यही गाना शाहरुख खान और ऋषि कपूर के बीच टेंशन की वजह बन गया। यही नहीं इस हिट मूवी के लिए शाहरुख खान फिल्म मेकर्स की पहली पसंद नहीं थे। बाद में जब शाहरुख को यह फिल्म ऑफर हुई तो उन्होंने भी इस फिल्म के लिए इनकार कर दिया था।

साल 1992 में जब ऋषि कपूर और दिव्या भारती की फिल्म 'दीवाना' रिलीज हुई तो फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। दीवाना बॉलीवुड की कल्ट फिल्मों में से एक है, जिसे लोग आज भी देखना पसंद करते हैं। फिल्म की कहानी हो या गाने खूब पसंद किए गए। फिल्म ने बजट से तीन गुना ज्यादा कमाई कर के मेकर्स को भी मालामाल कर दिया था। फिल्म में ऋषि कपूर और दिव्या भारती लीड रोल में थे। चार करोड़ के बजट में बनीं इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 16 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया था।

बता दें कि इस फिल्म में शाहरुख के रोल के लिए मेकर्स की पहली पसंद सनी देओल थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद इस रोल को शाहरुख खान ने किया। सनी देओल की रिजेक्ट की हुई फिल्म से शाहरुख रातोंरात सुपरस्टार बन गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक सनी के पिता एक्टर धर्मेंद्र ने मेकर्स को शाहरुख खान की सिफारिश की थी। वहीं कुछ अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक सनी के इनकार के बाद एक्टर अरमान कोहली को भी मेकर्स ने अप्रोच किया था, लेकिन निर्माता शबनम कपूर के साथ अरमान की किसी पर्सनल प्रॉब्लम के कारण उन्हें फिल्म से बाहर होना पड़ा था।

वहीं सिंगर विनोद राठौड़ 1990 के दशक में कई बड़े सितारों की आवाज हुआ करते थे। तब इंडस्ट्री में विनोद राठौड़ का नाम और उनके गाने कुछ कदर हिट थे कि हर एक्टर उनकी आवाज को अपनी आवाज बनाकर परदे पर हिट होना चाहता था। ऐसे में शाहरुख चाहते थे इस फिल्म के लिए विनोद राठौड़ का गाया हुआ गाना उनके ऊपर फिल्माया जाए, लेकिन ऋषि कपूर चाहते थे कि यह गाना उन पर फिल्माया जाए।

इसी बात को लेकर टेंशन इतनी बढ़ गई कि फिल्म की प्रोड्यूसर शबनम को बीच-बचाव करना पड़ा। शबनम ने फैसला लिया कि यह गाना शाहरुख पर फिल्माया जाएगा। जब यह फिल्म रिलीज हुई तो फिल्म के साथ ही यह गाना भी सुपरहिट हुआ।

मोनालिसा की लेटेस्ट तस्वीर ने इंटरनेट का चढ़ाया पारा

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फि से बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।इन तस्वीरों में उनका किलर और हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। मोनालिसा की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने बेहद ही सिजलिंग अंदाज में पोज दिया है।मोनालिसा की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट और रेड कलर का बेहद ही सेक्सी आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत और ग्लैमरस नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाता रहता है।खुले बाल, लाइट मेकअप और रेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। उनका ये लुक फैंस के बीच आते ही बवाल मचाने लग गया है।मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को काफी फॉलो करते हैं।

राजेश खन्ना और कुमार गौरव को अपना आइडियल मानते हैं सलमान खान

कहा- उनके स्टारडम का दस प्रतिशत भी मेरे पास नहीं

सलमान खान ने एक बार उन एक्टर्स के बारे में बात की थी, जिन्हें वह बड़े स्टार मानते थे। उन्होंने कहा था कि उनके लिए 'राजेश खन्ना और कुमार गौरव बड़े सितारे हैं। 2017 में एक पुराने इंटरव्यू में सलमान ने कहा था कि अगर स्टारडम की तुलना की जाए तो उन्हें लगा कि उनके पास इन एक्टर्स का 10 प्रतिशत भी नहीं है। सलमान ने

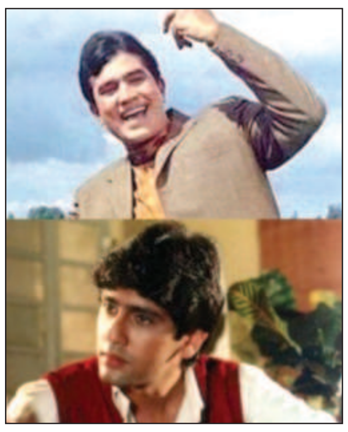

दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन की भी तारीफ की थी।

राजेश खन्ना ने 1969 और 1972 के बीच लगातार 15 सोलो सुपर-हिट दिए। उन्होंने 1966 में आखिरी खत के साथ डेब्यू किया था। यह 1967 में भारत की पहली आधिकारिक ऑस्कर एंट्री थी। उन्होंने आराधना, कटी पतंग, गुड्डी, आनंद, बावर्ची सहित कई फिल्मों में काम किया। नमक हराम में वह कई अन्य स्टार्स के साथ दिखे। वहीं एक्टर राजेंद्र कुमार के बेटे कुमार गौरव 1980 के दशक की शुरुआत में फिल्म लव स्टोरी से रातोंरात स्टार बन गए थे। बाद में वह तेरी कसम, स्टार, नाम और कांटे में नजर आए।

समाचार एजेंसी पीटीआई के साथ एक इंटरव्यू में सलमान ने कहा था, मुझे नहीं लगता कि कोई भी दिलीप कुमार से बड़ा है। उसके बाद अमिताभ बच्चन हैं, वह आज भी काम कर रहे हैं और हर जगह हैं। आपको लगता है कि हम लोग लोकप्रिय हैं तो (यह सच नहीं है) ।।। मुझे लगता है कि राजेश खन्ना से बड़ा कोई नहीं है और दूसरा कुमार गौरव था। मैंने दोनों का स्टारडम देखा है और यह अविश्वसनीय था। इसलिए, जब स्टारडम की तुलना की जाती है तो मुझे लगता है कि मेरे पास इनका 10% भी नहीं है। सुपरस्टार कहे जाने के बारे में सलमान ने कहा था, यह एक्टिंग सिर्फ एक काम है। मैं अपने जीवन का पल-पल जीता हूं और हर पल में अपना सर्वश्रेष्ठ परफॉर्म करता हूं। चाहे आप कहीं भी हों, आपको हमेशा यह सोचना चाहिए कि आप वहां कैसे उठे और अपनी पहली फिल्म के लिए जिस तरह से काम किया, उस तरह से हर शॉट में ईमानदारी होनी चाहिए।

हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का नया गीत तेरे प्यार में.. रिलीज

जाने-माने गायक, संगीतकार और अभिनेता हिमेश रेशमिया अपनी फिल्म बैडएस रवि कुमार को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में कोरियोग्राफर और अभिनेता प्रभु देवा भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस एक्शन म्यूजिकल फिल्म का निर्देशन कीथ गोम्स ने किया है।अब इस फिल्म का नया गाना तेरे प्यार में रिलीज हो गया है। फिल्म का गाना तेरे प्यार में रिलीज होग या, जो असल मे उनकी ही हिट एल्बम सुरूर 2021 का था।हिमेश का गाना तेरे प्यार में चार्टबस्टर था। रिलीज होते ही उनका यह गाना हिट हो गया था। अब जबकि इसकी शानदार वापसी हो गई है तो प्रशंसक भी अपना उत्साह जाहिर करने से नहीं चूक रहे हैं।एक यूजर ने लिखा, भाई जी फिल्म का तो पता नहीं, लेकिन इसके सारे गाने फायर हैं।एक ने लिखा, हिमेश गाते भी हैं, हिमेश सचमुच रॉकस्टार हैं। उनके जैसा कोई नहीं।एक लिखते हैं, बॉलीवुड की बैंड बजाएगी बैडएस रवि कुमार।बता दें कि इससे पहले इस फिल्म के 3 गाने रिलीज हो चुके हैं और तीनों ही गानों ने यूट्यूब पर धूम मचाई है, वहीं फिल्म के ट्रेलर ने भी खूब धमाका किया था।हिमेश इस फिल्म से अब लंबे समय बाद अभिनय की दुनिया में लौट रहे हैं। वह पिछली बार साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म हैप्पी हार्डी एंड हीर में नजर आए थे।यह फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

90 की गुमनाम सिंगर साधना सरगम महाकुंभ में नजर आईं

एक गाने से हुई मशहूर, गाए 15 हजार गाने, सिंगिंग की दुनिया पर करती थी राज

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी महिला सिंगर स्वर्गीय लता मंगेशकर को माना जाता है। भारत रत्न से सम्मानित लता जी कला की दुनिया में भारत की धरोहर बन चुकी हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में लता जी के बाद कई महिला सिंगर्स आईं और खूब नाम कमाया। वहीं, 80 और 90 के दशक में इंडियन फिल्म इंडस्ट्री को कविता कृष्णमूर्ति, अल्का याग्निक, अनुराधा पौडवाल और साधना सरगम जैसी लीड गायिका मिलीं, जिनके गाने आज भी यूट्यूब पर सबसे ज्यादा सुने जाते हैं। एक समय था जब उदित नारायण की जोड़ी अल्का याग्निक और कुमार सानू के साथ साधना सरगम की जोड़ी अपने गानों से एंटरटेन करती थीं। साधना सरमग को छोड़कर इन सभी गायकों को आज भी याद किया जाता है। आखिर सिंगिंग की दुनिया से कैसे गायब हुईं बॉलीवुड से साउथ सिनेमा में अपनी आवाज का जादू बिखेरने वाली सिंगर साधना सरगम।

साधना सरगम को मिले इतने अवार्ड्स

कहा जाता है कि साधना सरगम साउथ सिनेमा में लता और आशा मंगेशकर से भी ज्यादा पॉपुलर थी। 55 साल की सिंगर का आज के समय में उनके फैंस उनका गाना सुनने को तरस रहे हैं। महाराष्ट्र के दाभोल में पैदा हुईं साधना सरगम ने हिंदी, मराठी, बंगाली, नेपाली और तमिल भाषा में गाने गाए हैं। साधना सरगम को अपनी गायिकी के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड भी मिला है। इसके अलावा फिल्मफेयर अवाड्र्स साउथ, पांच महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवार्ड, चार गुजरात स्टेट फिल्म अवाड्र्स और एक ओडिशा स्टेट फिल्म अवार्ड मिला है।

15 हजार से ज्यादा गाने गाए

साधना सरगम को संगीत विरासत में मिला है। उनकी मां नीला घानेकर एक क्लासिकल सिंगर थीं। साधना ने पहली बार फिल्म तृष्णा (1978) में किशोर कुमार के गाने 'पम पारारमपम, बोले जीवन की सरगम' में कोरस किया था। साधना ने 6 साल की उम्र में दूरदर्शन के लिए सॉन्ग 'एक अनेक और एकता' भी गाया था। साधना ने 1982 में सुभाष घई की फिल्म 'विधाता' के सॉन्ग 'सात सहेलियां' से अपना सिंगिंग डेब्यू किया था। गाने में पद्मिनी कोल्हापुरी एक्ट्रेस थीं और इस गाने को कल्याणजी-आनंदजी ने कंपोज किया था। गाने में किशोर कुमार और अल्का याग्निक की भी आवाज दी थी। साधना ने अपने अब तक के करियर में 36 भाषाओं में 15 हजार से ज्यादा गाने गा दिए हैं। बता दें, फिल्म 'विश्वात्मा' का ऑल टाइम चार्टबस्टर सॉन्ग 'सात समंदर पार मैं तेरे।।' भी साधना सरगम ने ही गाया है।

अब गुमनाम सिंगर साधना सरगम कुंभ में दिखेंगी। 16 जनवरी से 'संस्कृति का महाकुंभ' प्रारंभ हो चुका है। इसके 11वें दिन गणतंत्र दिवस पर अध्यात्म व भारतीय संस्कृति के साथ देशभक्ति की त्रिवेणी में भी श्रोता डुबकी लगाएंगे। संस्कृति विभाग की तरफ से 26 जनवरी को भी चारों पंडाल (गंगा, यमुना, सरस्वती व त्रिवेणी) में प्रस्तुतियां होंगी। गंगा पंडाल पर मुख्य कार्यक्रम बॉलीवुड सिंगर साधना सरगम का होगा, जिनके गीतों का आनंद दर्शक उठाएंगे।

4 फरवरी को मनाई जाएगी रथ सप्तमी

सनातन धर्म में रथ सप्तमी का विशेष महत्व है। यह पर्व हर साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन सूर्य देव की पूजा की जाती है। साथ ही दान-पुण्य किया जाता है। सूर्य देव की पूजा करने से करियर संबंधी परेशानी दूर हो जाती है।सनातन शास्त्रों में निहित है कि माघ माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के दिन सूर्य देव का अवतरण हुआ है। अतः हर साल माघ महीने में रथ सप्तमी मनाई जाती है। इस शुभ अवसर पर सूर्य देव की उपासना की जाती है। रथ सप्तमी को भानु सप्तमी और अचला सप्तमी भी कहा जाता है।

रथ सप्तमी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 04 फरवरी को सुबह 04 बजकर 37 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 05 फरवरी को देर रात 02 बजकर 30 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना की जाती है। अतः 04 फरवरी को रथ सप्तमी मनाई जाएगी। रथ सप्तमी के दिन स्नान करने का सही समय सुबह 05 बजकर 23 मिनट से लेकर 07 बजकर 08 मिनट तक है। इस दौरान सूर्य देव की पूजा उपासना कर सकते हैं।

रथ सप्तमी शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो रथ सप्तमी तिथि पर शुभ योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का भी संयोग है। इन योग में स्नान-ध्यान और सूर्य देव की पूजा करने से आरोग्य जीवन का वरदान प्राप्त होगा।

पूजा विधि

रथ सप्तमी यानी 04 फरवरी को सूर्योदय से पहले उठें। उठने के समय सूर्य देव का ध्यान करें। घर की साफ-सफाई करें। दैनिक कार्यों से निवृत्त (समाप्त करने) होने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। अब आचमन कर पीले रंग के कपड़े पहनें। इसके बाद सबसे पहले सूर्य देव को जल अर्पित करें। सूर्य देव को जल देते समय निम्न मंत्रों का जप करें।

*** ऊँ घृणि सूर्याय नमः * ऊँ सूर्याय नमः**

एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते।
अनुकम्पय मां देवी गृहाणार्घ्यं दिवाकर।।

इसके बाद पंचोपचार कर सूर्य देव की पूजा करें। पूजा के समय सूर्य चालीसा और सूर्य कवच का पाठ करें। पूजा का समापन आरती से करें। वहीं, पूजा के बाद बहती जलधारा में काले तिल प्रवाहित करें।

विनायक चतुर्थी एक फरवरी को जानें शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए शुभ माना जाता है। माघ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को विनायक चतुर्थी के नाम से जाना है। इस दिन विधिपूर्वक भगवान गणेश की उपासना करने का विधान है। साथ ही पूजा में विशेष चीजों को शामिल करना चाहिए।

विनायक चतुर्थी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी की शुरुआत 01 फरवरी को सुबह 11 38 मिनट पर हो रही है। वहीं, तिथि का समापन अगले दिन यानी 02 फरवरी को सुबह 09 बजकर 14 मिनट पर हो रहा है। ऐसे में विनायक चतुर्थी 01 फरवरी को मनाई जाएगी।

सूर्योदय - सुबह 07 बजकर 09 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 06 बजे

चन्द्रोदय- सुबह बजकर 02 मिनट पर

चंद्रास्त- रात 09 बजकर 07 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05 बजकर 24 मिनट से 06 बजकर 17 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 23 मिनट से 03 बजकर 07 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 05 बजकर 58 मिनट से 06 24 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 08 मिनट से 01 बजकर 01 मिनट तक

विनायक चतुर्थी पूजा विधि

चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठें और दिन की शुरुआत देवी-देवता के ध्यान से करें।

स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल दें।

गणेश की पूजा की शुरुआत करें।

गणपति बप्पा को मोदक, दूर्वा, हल्दी समेत आदि चीजें अर्पित करें।

देसी घी का दीपक जलाकर विधिपूर्वक आरती करें।

गणेश जी के मंत्रों का जप करें।

मोदक और फल समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।

प्रभु से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के कामना करें।

अंत में लोगों में प्रसाद बाटें।

करें यह उपाय

अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो विनायक चतुर्थी के दिन ऋणहर्ता गणेश स्तोत्र का पाठ करें। साथ ही प्रभु का ध्यान करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक स्थिति सुधार होता है।

भगवान गणेश के मंत्र

1. ऊँ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरू मे देव, सर्व कार्येषु सर्वदा ।।

2. गणपतिर्विघ्नराजो लम्बतुण्डो गजाननः ।
द्वैमातुरश्च हेरम्ब एकदन्तो गणाधिपः ।।
विनायकश्चारुकर्णः पशुपालो भवात्मजः ।
द्वादशैतानि नामानि प्रातरुत्थाय यः पठेत् ।।
विश्वं तस्य भवेद्वश्यं न च विघ्नं क्वचित् ।

पाटेश्वरी देवी मंदिर जहां त्रेता युग से जल रही है धूनी

सनातन धर्म में मां सती के 51 शक्तिपीठों को विशेष दर्जा दिया गया है। मां सती के 51 शक्तिपीठ अलग-अलग जगह पर मौजूद हैं। इन शक्तिपीठों के निर्माण की वजह पुराणों में विस्तार से बताया गया है। 51 शक्तिपीठों में उत्तर प्रदेश का पाटेश्वरी देवी मंदिर भी शामिल है।

आस्था का केंद्र है मंदिर

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जहां अब पाटेश्वरी देवी मंदिर है। वहां पर मां सती का बायां कंधा और पट (वस्त्र) गिरा था, जिसकी वजह से इसका खास महत्व है। मंदिर में मां पाटेश्वरी देवी की प्रतिमा विराजमान है। यह मंदिर उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में स्थित है, जो आज के समय लोगों के बीच आस्था का केंद्र बना हुआ है।

पूजा से प्राप्त होती है आध्यात्मिक उन्नति

नवरात्र के दौरान मां पाटेश्वरी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। अधिक संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। ऐसे में लोग मां की पिंडी के पास चावल की ढेरी बनाते हैं, जिसके बाद उसकी उपासना कर चावल को प्रसाद के रूप में वितरण किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि मां पाटेश्वरी की सच्चे मन से पूजा करने से व्यक्ति को मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

त्रेता युग से जल रही है धूनी

मां पाटेश्वरी देवी के मंदिर में अखंड धूनी जल रही है। पौराणिक कथा के अनुसार, गुरु गोरक्षनाथ जी महाराज जी ने त्रेता युग के दौरान मां पाटेश्वरी को प्रसन्न करने के लिए अधिक तपस्या की थी। ऐसे में उन्होंने एक धूनी प्रज्वलित की थी, जो आज के समय में भी जल रही है।

मंदिर के गर्भ गृह के लिए श्रद्धालुओं को नियम का पालन करना पड़ता है। लोग इस मंदिर से राख को अपने घर ले जाते हैं, जिससे जीवन के सभी तरह के कष्ट खत्म हो जाते हैं।

सूर्य कुण्ड में स्नान से चर्म रोग होता है दूर

इस मंदिर में सूर्य कुण्ड है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाभारत के दौरान कर्ण ने इसी पवित्र स्थल पर स्नान किया था और सूर्य देव को जल अर्पित किया था। इसी वजह से इसे सूर्य कुण्ड के नाम से जाना जाता है। सूर्य कुण्ड में स्नान करने से जातक को चर्म रोगों से छुटकारा मिलता है।

प्रदोष व्रत के दिन शिव चालीसा से मिलते हैं ये आधात्मिक लाभ

प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। प्रदोष व्रत इस दिन संध्याकाल में महादेव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए व्रत भी किया जाता इस दिन शिव जी की पूजा करने से बिजनेस में लाभ प्राप्त होता है। साथ ही रुके हुए काम पूरे होते हैं। ऐसे में शिव चालीसा का पाठ कर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है।

मिलते हैं ये लाभ

प्रदोष व्रत के दिन शिव चालीसा का पाठ करने से व्यक्ति को सभी तरह के डर से छुटकारा मिलता है। साथ ही सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। इसके अलावा जीवन में आ रही परेशानियां खत्म होती हैं। आर्थिक स्थिति में भी सुधार होता है। महादेव प्रसन्न होते हैं। शिव जी की कृपा से हुए काम पूरे होते हैं।

मंदिर में किसी अनजान से न लें ये चीजें वरना बढ़ जाएगी आपकी मुसीबतें

जिस तरह हर धर्म का अपना एक धार्मिक स्थल होता है, उसी तरह हिंदू धर्म में मंदिर जाने का विधान है। मंदिर एक बहुत ही पवित्र स्थान माना जाता जहां भक्त अपने आराध्य देव के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए जाते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि वह कौन-सी चीजें हैं जिन्हें मंदिर में कभी भी अनजान व्यक्ति से नहीं लेना चाहिए, वरना आपको इसके अच्छे परिणाम नहीं मिलते।

न लें ऐसी मिठाई

मंदिर में हम दूसरों से प्रसाद ले लेते हैं। लेकिन मान्यता है कि मंदिर में कभी भी किसी सफेद रंग की मिठाई न तो किसी व्यक्ति से लेनी चाहिए और न ही किसी को देनी चाहिए। ज्योतिष शास्त्र में सफेद रंग को चंद्र और शुक्र ग्रह से जोड़ा जाता है। ऐसे अगर आप मंदिर में किसी से सफेद रंग की मिठाई लेते हैं, तो यह आपकी सुख-शांति पर प्रभाव डाल सकती है।

बढ़ सकती है नेगेटिव एनर्जी

मंदिर में कभी किसी से पान भी नहीं लेना चाहिए, क्योंकि यह आपके लिए नेगेटिव एनर्जी और बुरी नजर का कारण बन सकता इसी के साथ मंदिर में किसी अनजान व्यक्ति से नारियल भी नहीं लेना चाहिए। हालांकि हिंदू धर्म में नारियल शुभ और पवित्र माना जाता है, लेकिन अगर आप मंदिर में किसी अनजान व्यक्ति से नारियल स्वीकार करते हैं, तो यह अपने साध नेगेटिव एनर्जी ला सकता है।

भूल से न लें ये चीजें

हम कई बार फूल और विभूति जैसी चीजें भी मंदिर में अनजान लोगों से ले लेते हैं। क्योंकि ऐसा हो सकता है कि इन्हें देने वाले व्यक्ति के इरादे नेक न हों, जिससे यह चीजें शुभ परिणाम देने के स्थान पर नकारात्मकता को बढ़ाती हैं।

गलती पड़ सकती है भारी

आपने कई बार देखा होगा कि लोग मंदिर में एक-दूसरे की चप्पल आदि पहनकर चले जाते हैं। लेकिन ज्योतिष शास्त्र में जूते-चप्पल का संबंध शनिदेव से माना जाता है और इससे जातक के जीवन पर इसका बुरा प्रभाव पड़ने लगता है। साथ ही यह कहा जाता है कि अगर आप मंदिर से किसी के जूते-चप्पल पहनकर आते हैं, तो इससे उस व्यक्ति का दुर्भाग्य भी आपके साथ आ जाता है।

रसोई घर से लेकर बाथरूम के वास्तु दोष को ऐसे करें दूर, आजमाएं आसान उपाय

माना जाता है कि यदि घर बनवाते समय वास्तु नियमों का ध्यान न रखा जाए, तो ऐसे में व्यक्ति को वास्तु दोष का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में यदि आप भी वास्तु दोष से परेशान हैं, तो इसके लिए बिना तोड़-फोड़ के भी घर के वास्तु को ठीक कर सकते हैं। इसके लिए बस आपको कुछ आसान उपाय करने हैं।

रसोई में रखें इन बातों का ध्यान

अगर आपकी रसोई में वास्तु दोष व्याप्त हो चुका है, तो ऐसे में घर की दक्षिण-पूर्व में एक लाल रंग का बल्ब लगाएं और इसे पूरे दिन में कम-से-कम छह घंटे जरूर जलाएं। ऐसा करने से आग्नेय तत्व संतुलित होता है औ किचन के वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि रात में किचन में जूठे बर्तन या फिर टपकता हुआ नल न छोड़ें।

ऐसे दूर होगा वास्तु दोष

अपने बेडरूम के वास्तु दोष को दूर करने के लिए अपने बेड के सिरहाने पर आधा किलो का क्लीयर क्रिस्टल क्वार्ट्ज रखें।

इसी के साथ आप बेडरूम में एक कटोरी में समुद्री नमक या फिर कपूर भी रख सकते हैं। बेडरूम में पलंग को दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाएं और यह कोशिश करें कि बेडरूम का ईशान कोण खाली हो। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि बेडरूम में बिखरा हुआ सामान या टूटी हुईं चीजें न रखें।

बाथरूम का वास्तु दोष कैसे करें दूर

बाथरूम के वास्तु दोष को दूर करने के लिए एक कोने में कटोरी में खड़ा नमक रख दें। इससे वास्तु दोष दूर रहता है।

इसके अलावा आप अपने बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी भी रख सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि बाथरूम में गहरे रंग की टाइल्स नहीं लगानी चाहिए और दीवारों का रंग भी हल्का होना चाहिए। इन बातों का ध्यान रखने पर आप वास्तु दोष से बचे रह सकते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में देखे गए सपनों का होता है खास मतलब, दूर-दूर तक नहीं होगी धन की कमी

आपने कई लोगों को कहते सुना होगा, कि सुबह के समय देखने गए सपने सच होते हैं। ऐसे में अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में कोई सपना देख रहे हैं, तो इसका कुछ खास मतलब हो सकता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि स्वप्न शास्त्र इसके बारे में क्या है।

घर में होगा समृद्धि के आगमन

अगर किसी व्यक्ति को ब्रह्म मुहूर्त में भगवान की पूजा-अर्चना करने का सपना आता है, तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि ईश्वर आपकी आराधना से काफी खुश हैं। साथ ही यह सपना घर में समृद्धि के की ओर भी इशारा करता है।

खुल सकता है भाग्य

अगर कोई व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में सपने में भारी बारिश होते हुए देखता है, तो यह भी एक शुभ संकेत माना जाता है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि इस सपने के आने से यह संकेत मिलता है जल्द ही आपके जीवन से सभी प्रकार के दुख खत्म होने वाले हैं। इसी के साथ ब्रह्म मुहूर्त में सपने में पानी का घड़ा देखना भी एक अच्छा सपना माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपको धन लाभ होने वाला है।

प्रसन्न हैं मां लक्ष्मी

स्वप्न शास्त्र में गया है कि अगर ब्रह्म मुहूर्त में किसी व्यक्ति को सपने में कमल का फूल दिखाई देता है, तो यह एक खास संकेत हो सकता है। जिसका अर्थ है कि आपके ऊपर मां लक्ष्मी की कृपा बनी हुई है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ मिलेगा। साथ ही आर्थिक से भी निजात मिलेगी।

अच्छा है ये सपना

धार्मिक ग्रंथों में ब्रह्म मुहूर्त में किसी पवित्र नदी में स्नान करना बहुत ही पुण्यकारक माना जाता है। ऐसे में अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में खुद को सपने में नदी में नहाते हुए या डुबकी लगाते हुए देख रहे हैं, तो एक अच्छा सपना माना जाता है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि इस सपने के आने का अर्थ है कि आपका लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

संपादकीय

कूड़े-नाले का चुनाव

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह दिल्ली में कूड़े और यमुना नाले को चुनावी मुद्दा बनाया है, प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी उतनी शिद्दत से ये मुद्दे नहीं उठाए थे। वे 'शीशमहल' तक सीमित रहे अथवा कुछ घोटालों के नाम लिए और 'आप' सरकार को 'आप-दा' करार दे दिया। ये मुद्दे जनता को उतना नहीं छूते। यमुना तो दिल्ली का सांस्कृतिक पर्याय है। देश की राजधानी दिल्ली में जानलेवा प्रदूषण अब जिंदगी-मौत का सवाल बन गया है। यहां औसत शिशु 20 सिगरेट के धुएं बराबर प्रदूषण में जन्म लेता है और औसत नागरिक की उम्र 10-12 साल घट गई है। आदित्यनाथ ने केजरीवाल और 'आप' सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि दिल्ली को 'कूड़ाघर' बना दिया गया है। यहां हालात 'नरक से बदतर' हैं। सडक़ों पर गहरे गड्ढे हैं या गड्ढों में सडक़ें हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता। पहले दिल्ली अन्य शहरों और राज्यों के लिए 'आदर्श' होती थी, लेकिन अब दिल्ली आने में आदमी डरता है। दिल्ली में 'कूड़ाघर' ही नहीं, बल्कि 'कूड़े के पहाड़' भी हैं, जिनकी बदबू और प्रदूषण दिल्लीवालों को बीमार कर रहे हैं। केजरीवाल आखिर किस दिल्ली पर वोट मांग रहे हैं? 'आप' सरकार ने ओखला जैसे औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग लगाने के बजाय बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या जैसे दंगाइयों को बसा दिया है। योगी जी के ये आरोप खोखले या फर्जी नहीं हैं। यही दिल्ली का आज का यथार्थ है। आदित्यनाथ ने केजरीवाल और 'आप' सरकार के मंत्रियों को चुनौती दी है कि जिस तरह उप्र के मुख्यमंत्री और 54 मंत्रियों ने 'महाकुंभ' में जाकर त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया है, क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री यमुना जी में डुबकी लगा सकते हैं? योगी की चुनौती बेहद गंभीर और असंभव है, क्योंकि दिल्ली में यमुना नदी एक 'नाले' में तबदील हो गई है। बेशक योगी भी भाजपा की सियासत खेल रहे थे, लेकिन उनके मुद्दे बिल्कुल सटीक थे। आज यमुना की सतह पर जहरीला, सफेद झाग है, क्योंकि 32 गंदे नाले यमुना में ही गिरते हैं। दिल्ली का 58 फीसदी कचरा यमुना में ही डाला जाता है।

यमुना तो दिल्ली का सांस्कृतिक पर्याय है। देश की राजधानी दिल्ली में जानलेवा प्रदूषण अब जिंदगी-मौत का सवाल बन गया है। यहां औसत शिशु 20 सिगरेट के धुएं बराबर प्रदूषण में जन्म लेता है और औसत नागरिक की उम्र 10-12 साल घट गई है। आदित्यनाथ ने केजरीवाल और 'आप' सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि दिल्ली को 'कूड़ाघर' बना दिया गया है। यहां हालात 'नरक से बदतर' हैं। सडक़ों पर गहरे गड्ढे हैं या गड्ढों में सडक़ें हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता। पहले दिल्ली अन्य शहरों और राज्यों के लिए 'आदर्श' होती थी, लेकिन अब दिल्ली आने में आदमी डरता है। दिल्ली में 'कूड़ाघर' ही नहीं, बल्कि 'कूड़े के पहाड़' भी हैं, जिनकी बदबू और प्रदूषण दिल्लीवालों को बीमार कर रहे हैं। केजरीवाल आखिर किस दिल्ली पर वोट मांग रहे हैं? 'आप' सरकार ने ओखला जैसे औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग लगाने के बजाय बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या जैसे दंगाइयों को बसा दिया है। योगी जी के ये आरोप खोखले या फर्जी नहीं हैं। यही दिल्ली का आज का यथार्थ है।

एक साल में 10 गुना रसायन बढ़ चुका है। दिल्ली का अधिकतर अपशिष्ट यमुना में ही जाता है। आज यमुना दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में एक है। ठीक है, दिल्ली में 'आप' सरकार ने, 12 साल के कार्यकाल के बावजूद, यमुना नाले की सफाई पर कोई काम नहीं किया। केजरीवाल ने तो पिछले चुनाव में जनता का आह्वान करते हुए भरोसा दिलाया था कि यदि यमुना साफ न हो जाए और उसमें नौका-विहार शुरू न हो जाए, तो आप मुझे वोट मत दीजिए। केजरीवाल आज वोट मांगते दर-ब-दर क्यों घूम रहे हैं? यह भी यथार्थ है कि दिल्ली में भारत सरकार भी है। प्रधानमंत्री मोदी, उनकी कैबिनेट और संसद भी है। उनके पास देश का खजाना है, पर्याप्त कार्य-बल है, नदी से जुड़े असंख्य वैज्ञानिक और इंजीनियर भी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'नमामि गंगे' परियोजना पर करीब 20,000 करोड़ रुपए खर्च कर दिए हैं। क्या यमुना नदी उनके लिए पवित्र, ऐतिहासिक और मां-तुल्य नहीं थी? गंगा मैया ने तो बुलाया था, लेकिन दिल्ली में तो यमुना साक्षात है। केंद्र और अद्र्धराज्य दिल्ली की सरकारों ने यमुना की सफाई पर करीब 8000 करोड़ रुपए खर्च कर दिए हैं। फिर भी सफाई की जगह नाला क्यों उभर आया है? यह जवाबदेही दोनों सरकारों की है। अकेले केजरीवाल 'खलनायक' नहीं हैं। गंगा-यमुना के नाम पर राजनीति 1980 के दशक से खेली जा रही है। सबसे पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने गंगा-यमुना एक्शन प्लान बनवाए थे। उसके बाद बार-बार इन पवित्र नदियों की सफाई की घोषणाएं की जाती रहीं और बजट तय किए जाते रहे, लेकिन आज भी दोनों नदियां मैली हैं। गनीमत है कि गंगा नाला नहीं बन सकी।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

ललित गर्ग

भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है।

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्र में विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका

जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं।

दृष्टि कोण

पाठ्यक्रमों में बदलाव सत्ता पाने का हथियार

देश के नेताओं ने सत्ता पाने के लिए शिक्षा को भी राजनीतिक हथियार बनाया है। सत्ता बदलते ही नेता अपनी विचाराधारा के हिसाब से स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में बदलाव करके वोट बैंक को पक्का करने की जुगत में लगे रहते हैं। विद्यार्थी इन सबके बीच फुटबाल बने रहते हैं। उन्हें वही पढऩा होता है जोकि सरकारें उन्हें पाठ्यक्रमों के जरिए पढ़ाती हैं। बेशक तथ्य तोड़-मरोड़ कर ही क्यों न पेश किए जाएं। हालात यह हैं कि सत्ता में बदलाव के साथ पाठ्यक्रम भी बदलते रहते हैं। देश में शिक्षा में इस तरह के बदलाव पर लंबे अर्से से बहस छिड़ी हुई है। राजनीतिक दल बदलाव को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते हैं। इसी कड़ी में नया विवाद कर्नाटक में हुआ है। कर्नाटक यूनिवर्सिटी की किताब के सिलेबस को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि इसमें गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया। कर्नाटक विश्वविद्यालय के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के पहले सेमेस्टर की किताब में ऐसा कंटेंट लिखा गया है, जिससे भारत की एकता बाधित होती है। कथित तौर पर सिलेबस में संघ परिवार, राम मंदिर के निर्माण और भारत माता आदि की आलोचना की गई थी और कुछ गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सिलेबस में आरएसएस की आलोचना करने के लिए बार-बार 'संघ परिवार' जैसे शब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले जब कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी, तब पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर इसी तरह के आरोप लगाए गए थे। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आने पर आरोप लगाए थे कि पूर्ववर्ती सिद्धारमैया सरकार ने महज अल्पसंख्यक समुदाय के तुष्टिकरण और कम्युनिस्ट विचारधारा थोपने के लिए किताबों में विभिन्न बदलाव किए थे। इस दावे की पुष्टि करते हुए सरकार ने कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए संशोधनों को दिखाने के लिए 200 पृष्ठों की किताब भी जारी की थी, जिसमें पाठ्य पुस्तकों में हिंदू देवताओं और ऐतिहासिक आंकड़ों को गलत तरीके से पेश किया गया। भाजपा का आरोप था कि विजयनगर के शासकों, मैसूर राजाओं वडियारों, राष्ट्र कवियों कुवेम्पु, बेंगलुरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा और सर एम. विश्वेश्वरैया पर अध्यायों को या तो हटा दिया गया या उन पर सामग्री कम कर दी गई। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने टीपू सुल्तान, मोहम्मद गजनवी, हैदर अली और मुगलों का बखान किया। सत्ता में आने पर भाजपा ने टीपू, हैदर अली, गजनवी और मुगलों पर अध्यायों को अब हटा दिया और स्वतंत्रता सेनानियों तथा मराठा शासक शिवाजी और केम्पेगौड़ा जैसी ऐतिहासिक शख्सियतों को पाठ्य पुस्तकों में प्रमुखता दी गई। राजनीतिक नजरिए से पाठ्यक्रमों में राज्य ही नहीं, केंद्र में जो भी सरकार सत्ता में रही, उसने अपनी दलीलों के साथ बदलाव किए हैं। यह सब किया जाता है देशहित और संस्कृति-सभ्यता के इतिहास को बचाने के नाम पर। वर्ष 2018 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 12वीं के राजनीति विज्ञान पाठ्य पुस्तक में गुजरात दंगों के बारे में अध्याय जोड़ दिया गया। इस अनुच्छेद में दो परिवर्तन किए गए। अनुच्छेद में शामिल शीर्षक मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगे को बदलकर गुजरात दंगे कर दिया गया। इसी अनुच्छेद के पहले वाक्य से मुस्लिम शब्द भी हटा दिया गया। अनुच्छेद के शीर्षक के अलावा अनुच्छेद के अंदर के पाठ को नहीं छुआ गया। गुजरात में भाजपा शासन के दौरान 2002 में हुए मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगों का संदर्भ पाठ्य पुस्तकों से हटा दिया गया है, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान हुए सिख विरोधी दंगों को बरकरार रखा गया। वर्ष 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से यह तीसरी बार है, जब सरकार ने पाठ्य पुस्तक संशोधन की कवायद की। इससे पहले 2017 और 2019 में पाठ्य पुस्तकों में संशोधन किया गया था। हटाए गए खंडों में मुगलों पर एक पूरा अध्याय शामिल है, जो एक मुस्लिम राजवंश था, जिसने भारत पर 200 वर्षों तक शासन किया और भारत के संस्थापक पिता मोहनदास करमचंद गांधी द्वारा हिंदू-मुस्लिम एकता की खोज की चर्चा से संबंधित पाठ को हटाया गया। गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की ब्राह्मण उत्पत्ति और भाजपा के वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगाए गए संक्षिप्त प्रतिबंधों को सुविधाजनक रूप से हटा दिया गया, जैसा कि 2002 के गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों को भी हटाया गया। वर्ष 2022 में एनसीईआरटी ने स्कूलों की किताबों में बदलाव किए। इनमें प्राचीन और मध्ययुगीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के बारे में अभी तक पढ़ाए जाने वाले कई तथ्यों को हटा दिया गया।

कुछ अलग

मक्खन लगाने की कला

पत्नी रसोई से आवाज लगाकर पूछ रही है कि क्या कर रहे हो? इधर आकर थोड़ा हाथ ही बंटा दो। मैं कमरे से जवाब दे रहा हूं कि अभी नहीं आ सकता। वह पूछ रही है क्यों नहीं आ सकते? ऐसा भी क्या जरूरी काम कर रहे हो? मैंने कहा कि इस वक्त मैं मक्खन लगा रहा हूं और इससे बड़ा जरूरी काम दुनिया में कोई और हो ही नहीं सकता। पत्नी तंज करते हुए कह रही है कि घर में कभी मक्खन लाए भी हो! सूखी ब्रेड लेकर आ जाते हो। मैं कमरे से ही उसे जवाब दे रहा हूं कि यह वह मक्खन नहीं है जो बाजार से खरीद कर लाया जाता है। मैं दूसरे वाला मक्खन लगा रहा हूं। बेलन हाथ में पकड़े पत्नी आकर मेरे सामने तनकर खड़ी हो जाती है। और मेरा मक्खन पर भाषण शुरू हो जाता है। पत्नी सुन रही है और मैं बोल रहा हूं...। हे भाग्यवान! मक्खन लगाना एक बहुत बड़ी कला है और यह कला हमारे हिंदुस्तान के समाज का एक अमूल्य गुण बन गई है। इस कला के बिना न तो राजनीति की रोटी सिंकती है, न ब्यूरोक्रेसी का तवा गर्म होता है। यह वो कला है जो जन्मजात नहीं होती, बल्कि अनुभव और हालात के चूल्हे पर पकाई जाती है...। पत्नी सुन रही है और मैं उसे बताए जा रहा हूं। मक्खन लगाना सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं है, यह एक विज्ञान है। जैसे ही कोई व्यक्ति मक्खन लगाने की प्रक्रिया में माहिर हो जाता है, उसकी तरक्की की सीढ़ी लिफ्ट की तरह ऊपर जाने लगती है। चाहे वह नेता हो, अधिकारी हो या ऑफिस का कोई छोटा-मोटा क्लर्क, मक्खन लगाने का हुनर हर जगह काम आता है। मक्खन लगाने की कला का राजनीति में तो सबसे ज्यादा महत्व है और यह कला राजनीति में ही काम आती है। जो मक्खन लगाने में जितना माहिर होता है, उसकी टिकट उतनी ही पक्की होती जाती है। अगर वह मक्खन लगाने का विशेषज्ञ है तो मंत्री पद तक मिल जाता है। मक्खन लगाने की यह कला ब्यूरोक्रेसी के भी बड़े काम आती है। यहां मक्खन लगाने का स्तर कला से बढक़र माया बन जाता है। ऑफिस में चपरासी से लेकर सचिव तक सब जानते हैं कि 'साहब खुश तो सब खुश।' सरकारी फाइलें मक्खन के सहारे ही चलती हैं। एक हस्ताक्षर के लिए 'साहब' को कैसे खुश किया जाए, यह भी एक शोध का विषय हो सकता है। लेकिन यहां असली करतब तो मक्खन दिखाता है।' पत्नी मेरी बात पर सिर हिला रही है और मैं आत्मविश्वास से भरपूर होकर आगे बता रहा हूं। मक्खन लगाने की यह कला इतनी विकसित हो चुकी है कि इस कला के विशेषज्ञों ने मक्खन लगाने को अलग-अलग श्रेणियों में बांट दिया है। पहली श्रेणी 'प्रत्यक्ष मक्खन' की है जहां सामने वाले की तारीफ खुलकर की जाती है। दूसरी श्रेणी 'परोक्ष मक्खन' की है जहां सामने वाले को एहसास तक नहीं होता कि उनकी तारीफ हो रही है। तीसरी श्रेणी 'सांस्कृतिक मक्खन' की है जिसमें राष्ट्रीय गौरव और संस्कृति की चाशनी में मक्खन मिक्स कर दिया जाता है।' पत्नी के चेहरे पर मुस्कान आ रही है और मेरी वाणी में सरस्वती विराजमान होने की कोशिश कर रही है। मैं आगे बता रहा हूं, 'भाग्यवान! मक्खन लगाने की कला इतनी प्राचीन है कि अगर महाभारत के युग में भी यह कला पल्लवित पोषित हुई होती, तो दुर्योधन कौरवों को छोडक़र पांडवों के साथ हो जाता। और रामायण में कैकयी की दासी मंथरा मक्खन लगाने के बदले कोटेशन पास करवा लेती।' पत्नी थोड़ा गंभीर होकर सुनने लगती है और मैं उससे भी ज्यादा गंभीर होकर बताने लगता हूं, 'आज की राजनीति में 'मक्खन लगाने' का असली मेला चुनाव प्रचार में दिखता है। बड़े-बड़े वादों की मलाई और जनता के दुखों पर घी डालकर नेताओं के भाषण तैयार होते हैं।

देश दुनिया से

गुम होती गुरुओं की पहचान

'गुरु' शब्द एक छोटा सा शब्द है, जो दो अक्षरों से मिलकर बना है। 'गु' और 'रु'। 'गु' का अर्थ है अंधकार, 'रु' का अर्थ है दूर करना। अर्थात गुरु वो होता है जो हमारे मन में छाए अज्ञान के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश द्वारा दूर कर देता है। अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। जीवन में हमेशा सदमार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। जो हमें जीवन पथ पर भटकने से बचाता है तथा जीवन में हमारा मार्गदर्शन करता हुआ हमें उन्नति की ओर ले जाता है। गुरु की परंपरा हमारे देश में बहुत प्राचीन है। यह परंपरा प्राचीन काल से आज तक चली आ रही है। इसका हिंदू संस्कृति में एक सर्वोच्च स्थान रहा है। हिंदू संस्कृति में गुरु को साक्षात परम ब्रह्म अथवा ईश्वर का स्वरूप माना गया है। हमारी प्राचीन परंपराओं के अनुसार गुरु के बिना ज्ञान संभव नहीं है। गुरु ही है जो हमें ज्ञान प्रदान करता है और इस सृष्टि के सारे रहस्यों के भेद खोलता है। गुरु के बिना हमारा कल्याण संभव नहीं है। वह गुरु ही है जो अपनी असीम कृपा करके हमारी आंखों को खोल कर रख देता है। हमें हमेशा अपने गुरुओं को पूजनीय समझना चाहिए और उनका आदर-सत्कार करना चाहिए, क्योंकि जो गुरु होता है वह कभी भी किसी का बुरा नहीं सोचता है। वह तो हमेशा हमारी भलाई में लगा रहता है। वर्तमान समय में गुरु के पक्ष में लिखी गई पंक्तियों की चमक दिन-प्रतिदिन फीकी पड़ती जा रही है। एक समय था जब शिष्य गुरु को दंडवत प्रणाम करता था। गुरु फूला नहीं समाता था। गुरु अपने शिष्य को सौ-सौ दुआएं देता था।

गुरु को अपने शिष्य पर बहुत अधिक अभिमान होता था कि वह एक न एक दिन उसका, अपने माता-पिता, अपने गांव का, अपने देश-प्रदेश का नाम रोशन करेगा। परंतु आज गुरु का सिर लाज से झुक जाता है जब उसका शिष्य बिना प्रणाम किए, बिना चरण स्पर्श किए, उसके मुंह की तरफ देखते हुए घमंड से चौड़ा सीना करके सामने से गुजर जाता है। गुरु आश्चर्यचकित-सा होकर खड़ा सोचता रह जाता है कि इस नई पीढ़ी का क्या होगा? ये विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करके किस ओर जा रहे हैं? ये क्या सीख रहे हैं? हम कह रहे हैं हमारे देश ने बहुत अधिक तरक्की कर ली है। हमने मंगल ग्रह पर भी तिरंगा फहरा दिया है। हम विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनने जा रहे हैं। समाज में दिन-प्रतिदिन सुधार होता जा रहा है। भविष्य तो हमारा अंधकारमय है। विद्यार्थी ही हमारा भविष्य है। वही अपना मार्ग भटक गए हैं। विद्यार्थी अपनी संस्कृति और संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। पश्चिमी संस्कृति की ओर भागे जा रहे हैं। आज के विद्यार्थी की दौड़ एक दिशाहीन, लक्ष्य से रहित दौड़ है। आज के विद्यार्थी गुरुओं का आदर-सत्कार करना दिन-प्रतिदिन भूलते जा रहे हैं। गुरुओं का आदर-सत्कार तो दूर की बात, अपने माता-पिता का आदर-सत्कार नहीं करते। अगर माता-पिता का आदर-सत्कार करते होते तो शायद आज वृद्धाश्रम न भरे होते। एक समय था जब विद्यार्थी गुरु के सामने आने से भी डरते थे, परंतु आज के जमाने में गुरु के डर की बात तो दूर, गुरु को ही डराने लगे हैं। उलटी गंगा पहवे (पोहे) को बहने लगी है। बड़े दुख की बात है कि आज गुरुओं की पहचान गुम होती जा रही है। उसकी सबसे बड़ी वजह हमारी वर्तमान व्यवस्था है। एक समय था जब राजा गुरु के पास जाता था। अब व्यवस्था यह है कि गुरु राजा के पास जाता है। चरण स्पर्श करता है, हाथ जोड़ता है, गिड़गिड़ाता है, मिन्नतें करता है। इससे उसके सम्मान को ठेस पहुंचती है। समाज में उसका कोई इज्जत-मान नहीं रह जाता। समाज की ही बात ले लो। समाज हमेशा गुरुओं के साथ न खड़ा होकर विद्यार्थियों के साथ खड़ा होता है।

अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। जीवन में हमेशा सदमार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। जो हमें जीवन पथ पर भटकने से बचाता है तथा जीवन में हमारा मार्गदर्शन करता हुआ हमें उन्नति की ओर ले जाता है। गुरु की परंपरा हमारे देश में बहुत प्राचीन है। यह परंपरा प्राचीन काल से आज तक चली आ रही है। इसका हिंदू संस्कृति में एक सर्वोच्च स्थान रहा है। हिंदू संस्कृति में गुरु को साक्षात परम ब्रह्म अथवा ईश्वर का स्वरूप माना गया है। हमारी प्राचीन परंपराओं के अनुसार गुरु के बिना ज्ञान संभव नहीं है। गुरु ही है जो हमें ज्ञान प्रदान करता है और इस सृष्टि के सारे रहस्यों के भेद खोलता है। गुरु के बिना हमारा कल्याण संभव नहीं है।

चाहे गलती विद्यार्थी की ही क्यों न हो? विद्यार्थी के लिए सभी दरवाजे खुले हैं। गुरु अभिमन्यु की तरह चक्करव्यूह में छटपटाता है। उसके लिए सभी दरवाजे बंद हैं। उसके हाथ इस कद्र बंधे हुए हैं कि पानी पुल के ऊपर से गुजर जाएगा, परंतु पुल मजबूरी में सब कुछ देखता रहेगा। उसका कहां वश चलता है। व्यवस्था हमारी इतना भयानक रूप ले चुकी है कि गुरु करे तो क्या करे? व्यवस्था के आगे उसके भी हाथ खड़े हैं। वे लोग भी अध्यापकों के ऊपर उंगली उठाने से नहीं चूकते जो अपनी पढ़ाई आधी-अधूरी छोडक़र छोटी उम्र में ही शिक्षा से किनारा कर लेते हैं। उनको पता नहीं होता कि विद्यार्थी से अध्यापक बनने तक की कठिन यात्रा में कितनी मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। कुर्सी तक पहुंचने के लिए कितने आंधी-तूफानों से टकराना पड़ता है। गुरुओं की पहचान गुम होने का कारण हमारी शिक्षा प्रणाली भी है। जब विद्यार्थी बिना पढ़े पास हो जाएगा तो वह गुरुओं का क्या आदर-सत्कार करेगा? अब सरकार की ओर से अच्छी पहल की गई है कि पांचवीं और आठवीं में भी विद्यार्थी फेल किए जा सकेंगे जो किसी वजह से पढाई में नहीं चल पा रहे हैं। अगर देखा जाए तो अध्यापक भी अपनी अस्मिता के गुम होने के लिए कुछ हद तक जिम्मेवार है। जो अधिकार उनको दिए गए हैं, वे उनको अपने जीवन में उतार नहीं पा रहे हैं। कितने अध्यापक हैं जिन्होंने 2019 से, जब से पांचवीं और आठवीं में फेल होने का नियम बना है, बच्चों को फेल किया? कितने अध्यापक हैं जिन्होंने 75 फीसदी से कम हाजिरी वाले विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने से रोका? कितने अध्यापक हैं जिन्होंने उद्दंड विद्यार्थियों को असेसमेंट में फेल किया? और भी बहुत से कारण हैं जिनकी वजह से दिन-प्रतिदिन माहौल बिगड़ता जा रहा है। विद्यार्थी उद्दंड होते जा रहे हैं। ऐसे विद्यार्थी फिर गुरुओं का क्या आदर-सत्कार करेंगे? आज जरूरत है अध्यापकों को भी, कि विद्यार्थियों के सामने आदर्श प्रस्तुत करें। फूंक-फूंक कर कदम रखें। समाज को भी चाहिए कि उनका हरसंभव सहयोग करे।

आप का नजरिया

धर्मशाला में कन्वेंशन सेंटर

मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास की गर्माहट में कांगड़ा सुखविंदर सिंह सुक्खू को करीब देख रहा है, तो पर्यटन राजधानी के सफर की मंजिलें भी नजर आने लगी हैं। युग बदल रहा गगल एयरपोर्ट का विस्तार अब रेखांकित होने लगा है, तो एशियन विकास बैंक के वित्तीय सहयोग से धर्मशाला, नगरोटा, पालमपुर व पौंग बांध तक आशाएं तैरती हुई मिल जाएंगी। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर की रूपरेखा में मुख्यमंत्री ने अपनी प्राथमिकता जाहिर की है। करीब डेढ़ सौ करोड़ की लागत से बनने वाला यह सेंटर हिमाचल को गोवा व कश्मीर के पर्यटन के नजदीक खड़ा कर देगा। हालांकि कागजों में झूलती इस परियोजना ने पहले भी कई नक्शे खींचे, लेकिन अब हकीकत के द्वार पर मुख्यमंत्री ने स्पष्टता से इसकी 'नेमप्लेट' लगा दी। कुछ ऐसे ही यथार्थ की जमीन पर ढगवार दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र का नींव पत्थर भी भविष्य की कलम से ग्रामीण आर्थिकी लिख रहा है। डेढ़ से तीन लाख लीटर प्रतिदिन की क्षमता में दुग्ध उत्पादक की गारंटी दे रहा। पांच जिलों के दायरे में 35 हजार किसानों की किस्मत के पैमाने अगर यह मिल्क प्लांट भर पाता है, तो यह श्वेत क्रांति का ऐतिहासिक दस्तावेज सिद्ध होगा। अंततः शीतकालीन प्रवास की वकालत में प्रदेश की योजनाओं का ढर्रा बदलने की कोशिश ही तो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य से कांग्रेस सरकार की पेशकश में कांगड़ा में उतर रहीं परियोजनाएं अपना कद और पदक लेकर हाजिर हैं। यह दीगर है कि बीच में राजनीतिक नोकझोंक से कुछ विरोध केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर को लेकर शुरू है, लेकिन अगर इस विषय पर भाजपा गंभीर है तो इस परियोजना की फंडिंग में कुछ तो उदारता केंद्र से ले आती। केंद्र सरकार पर्यावरण संरक्षण के नाम पर मांग रही 30 करोड़ की राशि को निरस्त भी तो कर सकती है। वैसे 70 प्रतिशत अपनी जमीन जंगल के नाम पर कर देने वाले हिमाचल पर ऐसे फौलादी कानूनों का अत्याचार शीघ्रता से दूर होना चाहिए, वरना अमल में आने से पहले कई प्रस्तावित परियोजनाएं दम तोड़ती रहेंगी। दूसरी ओर सरकार को भी जदरांगल परिसर की परीक्षा में तो सफल होना ही पड़ेगा। इस परिसर का अध्याय कितना भी नजरअंदाज हो, इसे बंद करना किसी भी सरकार के लिए नामुमकिन होगा। इस संदर्भ में भाजपा ने अपना विरोध जताया है, लेकिन पिछली सरकार के समय भी यह मुद्दा यूं ही भटकता रहा है। दूसरी ओर यूनिटी माल के निर्माण में हो रही देरी ने आशंकाएं बढ़ा दी हैं। यूनिटी माल की जगह पर बजट की पहली किस्त आने के बावजूद अगर निर्माण की शिथिलता है, तो इसको लेकर विपक्ष की आशंका का क्या जवाब है। कहीं यह परियोजना भी केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे दलदल में खड़ी होने तो नहीं जा रही। बहरहाल कांगड़ा पर्यटन की राजधानी में बनखंडी का चिडिय़ाघर अब एक बड़ी परियोजना को साकार करने के लिए आगे बढ़ रहा है। अभी कई योजनाएं विवादों में हैं। मसलन पालमपुर का पर्यटन विलेज अदालती फैसले के कारण कृषि विश्वविद्यालय से जमीन नहीं ले सका, तो नरघोटा में हिमुडा से पर्यटन के नाम हुई भूमि पर टूरिस्ट विलेज की परिकल्पना को क्यों ग्रहण लगा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाम के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा।धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है । जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते–खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आपको ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं, आज वो आपसे आपकी बचपन की बातें शेयर कर सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दोस्त आपके काम नहीं आते यह शिकायत आज आपको हो सकती है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 27 जनवरी 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 08:37 तक
नक्षत्र : मूल प्रातः 09:03 तक
योग : हर्षण रात्रि 01:56 तक
करण : गर प्रातः 08:52 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:08 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:18 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:10 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:01 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सोम प्रदोष व्रत , मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा रात्रि 08:35 से , गण्डमूल प्रातः 09:03 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

76वां गणतंत्र दिवस समारोह

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर सर्किट हाउस पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज

जयपुर,26 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार सुबह उदयपुर के सर्किट हाउस पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। शर्मा ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को हवा सिंह के नेतृत्व में महाराणा प्रताप बटालियन की एक कम्पनी की टुकड़ी ने सलामी दी।कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिया कुमारी ने सचिवालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

जयपुर,26 जनवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को शासन सचिवालय में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। दिया कुमारी ने 76वें गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणतन्त्र दिवस हमारे लोकतन्त्र का महापर्व है। लोकतन्त्र के इस पर्व पर सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के वीर सपूतों के बलिदान को हम कभी भूल नहीं सकते।

उपमुख्यमंत्री ने संविधान निर्माता डॉ.बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अनेकता में एकता की मिसाल कायम करने वाले गौरवशाली संविधान का निर्माण किया। लोकतन्त्र के इस उत्सव की भावना यही है कि हर व्यक्ति की आवाज को सुना जाए उसके अधिकारों की रक्षा की जाए और देश भक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना को निष्ठापूर्वक निभाया जाएं।

दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में परमात्मा से लेकर परमाणु तक की खोज करने वाला भारत अपनी गौरवशाली परम्पराओं, संस्कारों और उत्कृष्ट विचारों, ज्ञान और विज्ञान के कारण विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। आर्थिक संकटों से निकलकर चांद पर पहुंचने तक हमारे देश ने कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं।उन्होंने कहा कि सचिवालय शासन का एक महत्वपूर्ण अंग है। यहां से सरकार की नीतियों, निर्णयों, योजनाओं का पूरे प्रदेश में संचार होता है।उन्होंने कहा कि सचिवालय कार्मिकों द्वारा योजनाओं और उनका लाभ हर वर्ग तक समय पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है। दिया कुमारी ने सचिवालय कार्मिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप लोगों के अथक प्रयासों के कारण अब तक हमारी सरकार ने बजट घोषणाओं को 90 प्रतिशत तक पूरा कर लिया है।

नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ी में 76वें गणतंत्र दिवस पर फहराया ध्वज, शहीदों को किया नमन

चंडीगढ़,26 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछले 10 वर्षों में किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों का कार्यकाल समान विकास, समरसता, सहिष्णुता के साथ–साथ उन बदलावों का साक्षी रहा है, जिनसे हर आदमी का जीवन सरल, सुगम और सुरक्षित हुआ है। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में हरियाणा देश के समक्ष विकास, उन्नति और उत्कृष्टता का उदाहरण बनेगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से सांस्कृतिक परम्पराओं और उच्च नैतिक मूल्यों पर चलते हुए देश व प्रदेश को अधिक स्वच्छ, स्वस्थ, समृद्ध, सशक्त व विकसित बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को जिला रेवाड़ी में आयोजित समारोह में ध्वज फहराया। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने वीर शहीदी स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हरियाणा पुलिस, महिला पुलिस टुकड़ी, होमगार्ड तथा स्काउट्स इत्यादि की टुकड़ियों की परेड का भी निरीक्षण किया और सलामी ली।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि 76वें गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री के रूप में ध्वजारोहण का यह उनका पहला अवसर है और उनके लिए यह परम सौभाग्य है कि यह अवसर उन्हें वीरभूमि अहीरवाल के रेवाड़ी में मिला है। उन्होंने कहा कि यह गणतंत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारा भारत राष्ट्र अपने अंदर अनेक धर्मों, जातियों, भाषाओं, वेशभूषाओं, खानपान और संस्कृति को समेटे हुए है। यह विविधता में एकता का उदाहरण है। इसी सांस्कृतिक विरासत का एक उत्सव इन दिनों प्रयागराज में महाकुम्भ के रूप में पूरी दुनिया को देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा गणतंत्र भी राष्ट्र की इसी एकता का संदेश देता है। इसी संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' अभियान चलाया जा रहा है। इसमें संविधान निर्माताओं के योगदान का सम्मान किया जा रहा है। सबको संविधान के मूल्यों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में हरियाणावासियों ने अग्रणी भूमिका निभाई थी। सन् 1857 की क्रांति तो अम्बाला छावनी से शुरू हुई थी। नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए अम्बाला छावनी में 538 करोड़ रुपये की लागत से स्वतंत्रता संग्राम स्मारक का निर्माण अंतिम चरण में है। हरियाणा सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों व उनकी विधवाओं की पेंशन बढ़ाकर 40 हजार रुपये मासिक की है। युद्ध में शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि दोगुणी करके 1 करोड़ रुपये की गई है। सरकार ने वीरगति को प्राप्त होने वाले हरियाणा के शहीदों के परिवारों के 416 आश्रितों को सरकारी नौकरियां दी हैं। इसके अलावा, अग्निवीरों को हरियाणा सरकार की सीधी भर्तियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का भी निर्णय लिया है। सरकार द्वारा आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेलों की यातनाएं सहन करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को भी पेंशन दी जा रही है। हाल ही में, यह पेंशन बढ़ाकर 20 हजार रुपये की है।

सुशासन को जनसेवा का आधार बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने जातिवाद, क्षेत्रवाद और भाई–भतीजावाद को खत्म कर पिछले 10 सालों में एक पारदर्शी और संवेदनशील शासन व्यवस्था को बनाया है। भ्रष्टाचार पर कड़ी चोट करते हुए सभी सरकारी योजनाओं व सेवाओं का लाभ घर बैठे ही लोगों तक पहुंचाने के लिए ई–गवर्नेंस का एक नया मॉडल तैयार किया है। सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को परिवार पहचान–पत्र से जोड़ा गया है। बिना खर्ची–पर्ची के नौकरी देने, ऑनलाइन ट्रांसफर, पढ़ी–लिखी पंचायतों और अंत्योदय अभियान की आज पूरे देशभर में चर्चा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा एक–हरियाणवी एक को सूत्र मानकर पूरे प्रदेश में समान रूप से विकास कार्य किये हैं और आज हरियाणा विकास के मामलों में देश के अग्रणी राज्यों में खड़ा है। हमारी डबल इंजन सरकार के माध्यम से अब हरियाणा के विकास को तीन गुणा रफ्तार से आगे बढ़ाएंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनसेवा का दायित्व संभालने के बाद गरीब लोगों को बड़ी राहत पहुंचाते हुए पहली कैबिनेट मीटिंग में ही किडनी के रोग से पीड़ित रोगियों के लिए सभी सरकारी अस्पतालों एवं मेडिकल कालेजों में मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं शुरू करने का निर्णय किया। आयुष्मान भारत–चिरायु योजना में 70 साल से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों के लिए भी 5 लाख रुपये सालाना की मुफ्त इलाज सुविधा शुरू की है। प्रदेश के 83 उप स्वास्थ्य केन्द्रों और 22 ब्लॉक पब्लिक हैल्थ यूनिट्स के निर्माण की मंजूरी दी है।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सबसे गरीब के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। पिछड़ा वर्ग की क्रीमिलेयर आय सीमा को 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया है। पिछड़ा वर्ग बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उदयपुर के श्री घाटारानी माता (चामुंडा माता) मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की।

डीएलबी मुख्यालय पर हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस

जयपुर,26 जनवरी (एजेंसियां)। डीएलबी मुख्यालय पर रविवार को 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ। यादव ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। यादव ने कहा की आज विकसित गणतंत्र के नागरिक होना हमारा सौभाग्य हैं। यह गणतंत्र हमें आजादी के आंदोलन में देश की आन–बान और शान के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले अनगिनत अमर शहीदों के बलिदान से प्राप्त हुआ है। देश की एकता और अखण्डता को मज़बूत बनाए रखने और राष्ट्र की प्रगति में सतत योगदान देना हम सबका प्राथमिक दायित्व है। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक श्याम सिंह सहित उच्च अधिकारी ,अभियंता एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस भारतीयता के गौरव का त्यौहार है : बड़ौली

चंडीगढ़,26 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। प्रदेश के सभी पार्टी कार्यालयों में तिरंगा फहराया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय मंगल कमल रोहतक में तिरंगा फहराया और प्रदेश की जनता व कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। बड़ौली ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र और देश के संविधान की गरिमा में वृद्धि के लिए सभी अपनी–अपनी जिम्मेदारियां निभाने का संकल्प लें। इस मौके पर संगठनमंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेशा अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कहा कि यह दिन हमारे संविधान और लोकतंत्रिक मूल्यों को नमन करने का दिन है। उन्होंने कहा कि बहुत लम्बे संघर्ष के बाद 1947 में हमें आज़ादी मिली और 1950 में देश को संविधान मिला। हमारा कर्तव्य है कि आज हम उन सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों को याद करें जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करें जिन्होंने हमें पवित्र संविधान दिया।

बडौली ने कहा कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक ग्रन्थ है, यह हमारे अधिकारों की रक्षा करता है। मोहनलाल बडौली ने संकल्प दिलाते हुए कहा कि 21 वीं सदी भारत की सदी है, इसलिए हमें एक नागरिक के रूप में अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझना होगा और उनके प्रति समर्पित बनना होगा। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की नज़र भारत पर टिकी हुई है। हमारा देश विश्व की मज़बूत शक्ति बनकर उभर रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की नायब सरकार देश और प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमन्त्री मोदी के संकल्प को आगे लेकर बढ़ना है और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा का पथ अंत्योदय का है, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की पार्टी समान भाव से सेवा कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार बिना भेदभाव के विकास का काम कर रही है।

अवैध शराब बेचने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ा, 2.25 लाख की शराब जब्त

भरतपुर,26 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले आरोपी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। आरोपी ने ड्राई–डे को देखते हुए घर पर शराब का स्टॉक किया हुआ था। कुल शराब 2 लाख 25 हजार की शराब थी। मथुरा गेट थाना पुलिस को गश्त के दौरान अवैध शराब माफिया के खिलाफ सूचना मिली थी। आरोपी का शराब का ठेका भी है। दुकान के साथ वह घर से भी शराब बेचता है।

सीओ सिटी पंकज यादव ने बताया की 25 जनवरी को मथुरा गेट थाना पुलिस द्वारा दी जा रही गश्त के दौरान मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी की चर्च के पास खटीक मोहल्ले में रॉकी कबाड़ी वाले की दुकान में काफी शराब राखि हुई है। पुलिस का जाब्ता तुरंत मौके पर पहुंचा। दुकान पर बैठा एक व्यक्ति पुलिस को देखकर सकपका गया। जिसके बाद पुलिस ने दुकान की तलाशी ली तो, उसकी दुकान में काफी शराब की पेटियां रखी हुई थी।

पुलिसकर्मियों ने तुरंत व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से जब उसका नाम पूछा तो, उसने अपना नाम रॉकी निवासी खटीक मोहल्ला होना बताया। गोदाम में रखी हुई शराब को चेक किया तो, उसमें अलग–अलग ब्रांड की करीब 2 लाख 25 हजार की शराब रखी हुई थी। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। सीओ सिटी पंकज यादव का कहना है कि यह एक दिन अपने परिवार के साथ बिताना चाहिए क्योंकि यह महत्वपूर्ण दिन होता है।

देश का संविधान प्रत्येक नागरिक का सम्मान व स्वाभिमान : डॉ. शर्मा

चंडीगढ़,26 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सहकारिता, जेल, चुनाव, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान अभियान के अंतर्गत झज्जर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज की वर्तमान पीढ़ी को संविधान के प्रति जागरूक करने एवं संविधान के मूल्यों के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से देशभर में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। देशभक्ति से जुड़े ये कार्यक्रम देशवासियों में देशभक्ति व आस्था का संचार करते हुए उन्हें अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से बतौर मुख्य अतिथि कहा कि देशवासियों में संविधान के मूल्यों के प्रति नागरिकों का जितना अधिक समर्पण होगा देश उतनी तेजी से विकास व उन्नति करेगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में भी संविधान का महत्व देशवासियों को समझाते हुए आह्वान किया है कि संविधान निर्माताओं द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए देश की विकास व तरक्की में सहभागी बनें।

पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज राष्ट्रीय पर्यटन दिवस भी है और विभाग द्वारा 7 फरवरी से 23 फरवरी तक 38 वां सूरजकुंड मेला आयोजित होगा। जिसमें हरियाणा की सांस्कृतिक विशेषताएं देखने को मिलेगी। इस बार उड़ीसा व मध्यप्रदेश भागीदार राज्य के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि देश की संस्कृति के साथ साथ भागीदार प्रदेशों सहित कई देशों की संस्कृति से पर्यटकों को रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने प्रदेशवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में मेले में पहुंचने का आह्वान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में डीसी प्रदीप दहिया समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शुभ लाभ

लखनऊ समेत समूचे उप्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

लखनऊ , 26 जनवरी (एजेंसियां)। *राजधानी लखनऊ समेत समूचे उत्तर प्रदेश में रविवार को 76वां गणतंत्र दिवस उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। विधानभवन के सामने आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने परेड की सलामी ली। परेड में शामिल भारतीय सेना के आयुधों, मार्चपास्ट, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। परेड का नेतृत्व मेजर हृदयांश सिंह गिल ने किया। परेड के मौके पर बीएमपी-2 सारथ टैंक, 105 एमएम लाइट फील्ड गन, लाइट स्ट्राइक एलएसवी व्हीकल का प्रदर्शन किया गया। परेड के दौरान हैलीकॉप्टर द्वारा परेड स्थल पर पुष्प वर्षा भी की गयी। राज्यपाल के झंडा फहराने के बाद लखनऊ में विशेष राष्ट्रगान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता दिवस की तर्ज पर इस बार गणतंत्र दिवस के अवसर पर लखनऊ शहर एक बार फिर एक अनूठी पहल का गवाह बना। पूरे शहर में 52 सेकंड के लिए राष्ट्रगान की गूंज सुनाई दी।*

महाकुंभ की निंदा करने वाले अखिलेश यादव ने गुपचुप लगाई डुबकी

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी पहुंचे महाकुंभ

प्रयागराज, 26 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ को लेकर निंदा प्रस्ताव जारी करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने भी महाकुंभ जाकर गुपचुप तरीके से संगम में डुबकी लगा ली। वहां डुबकी लगाते हुए अखबार वालों ने उनकी तस्वीरें कैमरे में जरूर कैद कर लीं, लेकिन अखिलेश यादव के महाकुंभ आगमन के बारे में प्रशासन को कोई खबर नहीं दी गई थी।

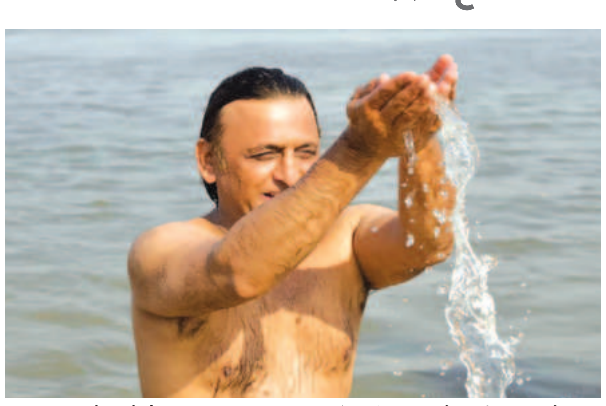

महाकुंभ प्रशासन के एक आला अधिकारी ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते एक निर्धारित प्रोटोकॉल होता है। लेकिन उनके आगमन के बारे में प्रशासन को कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी महाकुंभ पहुंचे। वे परमार्थ निकेतन आश्रम अरैल घाट पर चिदानंद स्वामी के आश्रम में रुके हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता एवं सांसद प्रमोद तिवारी ने भी पवित्र संगम पर पूजा-अर्चना कर आस्था की डुबकी लगाई। महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का रेला संगम नगरी पहुंच रहा है। कानपुर की तरफ से आने वाले वाहनों को बमरौली में पार्किंग कराई जा रही है। यहां से श्रद्धालु संगम स्थल के लिए पैदल ही कूच कर रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, युवा करीब 18 किमी दूर संगम स्थल के लिए पैदल जा रहे हैं। इस दौरान कुंभ में डुबकी लगाने को लेकर वो उत्साह से लबरेज दिख रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में 76वें गणतंत्रदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, मुझे प्रयागराज में पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में शामिल होने का अवसर मिला। गणतंत्र दिवस समारोह हमेशा से देश के लिए सबसे शुभ दिन रहा है, लेकिन इस वर्ष हम प्रयागराज में महाकुंभ भी मना रहे हैं, लोगों में जबरदस्त उत्साह है।

मैं सभी से अपील करूंगा कि हमें विकसित राष्ट्र बनाना है, विकसित राज्य बनाना है, भारत को विश्व गुरु बनाना है। ऐसा करने के लिए सरकार और समाज को मिलकर काम करना होगा। महाकुंभ में 73 देशों के राजनयिक भी संगम में डुबकी लगाएंगे। रूस और यूक्रेन के राजदूत भी इस ऐतिहासिक महाआयोजन में शामिल होंगे। मेला अधिकारी विजय किरण आनंद ने पुष्टि की है कि राजनयिक एक फरवरी को आ रहे हैं।

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने उठाए सवाल

ममता कुलकर्णी स्त्री हैं, फिर किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कैसे?

प्रयागराज, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेत्री ममता कुलकर्णी स्त्री हैं, फिर किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कैसे हो सकती हैं। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने ही सवाल उठाए हैं।

उन्होंने ममता के पिछले विवादों का हवाला देते हुए कहा कि किन्नर अखाड़ा किन्नरों के लिए है, फिर एक स्त्री को महामंडलेश्वर क्यों बनाया गया? अगर इसी तरह हर वर्ग को महामंडलेश्वर बनाना है तो फिर अखाड़े का नाम किन्नर क्यों रखा गया है? समाज ममता कुलकर्णी के अतीत को अच्छी तरह जानता है। उन्हें ड्रग्स मामलों में जेल भी जाना पड़ा था। ऐसे इंसान को महामंडलेश्वर की उपाधि देकर आप सनातन धर्म को किस तरह का गुरु दे रहे हैं?

हिमांगी सखी ने कहा, यह नैतिकता का सवाल है। ममता के सीधे महामंडलेश्वर बनने से इस पद की गरिमा घटी है। उन पर डी-कंपनी से भी जुड़े होने के आरोप हैं। शांभवी पीठाधीश्वर आनंद स्वरूप ने भी ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने को सनातन परंपरा के विपरीत ठहराया। उन्होंने कहा, संन्यास दीक्षा से पहले शंकराचार्य की अनुमति आवश्यक है। उन्हें जल्दबाजी में दीक्षा देकर सनातन धर्म का अपमान किया गया है।

इन सवालों पर किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा कि जब सना खान ने वापस इस्लाम धर्म कुबूल कर लिया, तब किसी धर्माचार्य ने आपत्ति नहीं उठाई। अब जब हिंदू धर्म के लोग अखाड़ों से जुड़ रहे हैं, तब इनको पीड़ा हो रही है। हम सनातन धर्म को आगे बढ़ाने का काम करते रहेंगे। किन्नर अखाड़े से महामंडलेश्वर की पदवी मिलने के बाद छिड़े विवाद पर फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी (श्रीयामाई ममतानंद गिरि) ने कहा कि वह पिछले 12 साल से कठोर ब्रह्मचर्य में हैं। बेहद लंबी तपस्या करने के बाद संन्यास की दीक्षा ली है। सिर्फ लाइमलाइट में आने के मकसद से उन्होंने यह राह नहीं चुनी। ममता कुलकर्णी ने कहा, सनातन की परंपरा निभाना कठिन है। संन्यास लेना कोई फैशन नहीं है।

सहकारिता का उत्कृष्ट उदाहरण है महाकुंभ 2025 : योगी

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का यूपी में किया शुभारंभ

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ 2025 को सहकारिता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि प्रयाग में 26 जनवरी को करीब ढाई से तीन करोड़ लोग पवित्र संगम में डुबकी लगाने पहुंचे हैं। यह पूरा कार्य ऑटो मोड और आपसी सहभागिता के आधार पर चल रहा है। ये सहकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण है। भारत के जीन्स में ही सहकारिता की भावना रची-बसी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने सरकारी आवास से अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ किया। उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करने वाला देश का पहला राज्य है।

इस अवसर पर उन्होंने सुल्तानपुर में 5 हजार और कौशाम्बी में 15 हजार मीट्रिक टन के गोदामों का उद्घाटन किया, साथ ही तिरंगे गुब्बारे छोड़कर अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने रन फॉर कोऑपरेशन का भी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल मां भारती के सभी ज्ञात-अज्ञात महान सपूतों को नमन किया। उन्होंने कहा कि सहकार का ही एक परिवर्तित रूप सहकारिता है। उन्होंने कहा कि एक स्वावलंबी भारत का निर्माण करना है तो सहकारिता को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से सहकारिता आंदोलन देश में नई ऊंचाई प्राप्त कर रहा है। पहली बार देश में सहकारिता मंत्रालय का गठन हुआ और उसका नेतृत्व गृहमंत्री अमित शाह को सौंपा गया। सहकारिता आंदोलन पूरे देश में हर किसान, महिला और युवा वर्ग को इस अभियान का हिस्सा बना रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ साल में यूपी में सहकारिता आंदोलन एक नई दिशा की ओर अग्रसर हुआ है। सीएम ने कहा कि सहकारी समितियों को पुनर्जीवित करते हुए उन्हें गांव के विकास और किसान के स्वावलंबन के साथ जोड़ने का कार्य हो, या जिला स्तर पर सहकारी बैंकों को पुनर्जीवित करते हुए उन्हें विकास के महत्वपूर्ण आयाम के साथ जोड़ने की कार्रवाई हो, हर दिशा में तेजी से कदम आगे बढ़ रहे हैं। सहकारी बैंकों में 10 लाख की लिमिट को बढ़ाने की बात मुख्यमंत्री ने कही। उन्होंने सहकारिता बैंकों को डिजिटल पेमेंट की ओर बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। जिससे किसान और नौजवानों को फायदा होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में हर ग्राम पंचायत आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि एक मॉडल शॉप हर गांव में बनाने का कार्य हो रहा है। जो दुकानें पहले केवल फेयर प्राइज शॉप यानी कोटे की दुकान के रूप तक ही सीमित थीं, अब उन्हें मॉडल शॉप का रूप दिया जा रहा है।

सीएम ने बताया कि इन मॉडल शॉप पर नशीले पदार्थों को छोड़कर दैनिक इस्तेमाल की वस्तुएं बेची जाएंगी। इनके साथ ही वेयरहाउसों का भी निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज कौशांबी में 15 हजार और सुल्तानपुर में 5 हजार मीट्रिक टन क्षमता के वेयरहाउस का उद्घाटन किया गया है। केवल जनपद नहीं बल्कि हर ब्लॉक और ग्राम पंचायत में इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सहकारिता विभाग के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के मंत्री जेपीएस राठौर, पूर्व मंत्री और एमएलसी डॉ महेन्द्र सिंह, एमएलसी अवनीश सिंह पटेल, पवन सिंह चौहान, मुकेश शर्मा, उमेश द्विवेदी, रामचंद्र प्रधान, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग सहित सहकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण और बड़ी संख्या में रन फॉर कोऑपरेशन मैराथन में शामिल होने पहुंचे युवा उपस्थित रहे।

पूरे देश में उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया छिहत्तरवां गणतंत्र दिवस

नयी दिल्ली , 26 जनवरी (एजेंसियां)। पूरे देश में रविवार को 76वां गणतंत्र दिवस उत्साह, उमंग एवं उल्लास के साथ मनाया गया तथा विभिन्न राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालयों, राजनीतिक दलों और सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण किया गया। वहीं राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित समारोह में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, एकता, समानता, विकास और सैन्य कौशल का अनूठा मिश्रण देखने को मिला।

कर्तव्य पथ पर आयोजित मुख्य समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस वर्ष राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में 'जनभागीदारी' बढ़ाने के सरकार के उद्देश्य के अनुरूप परेड देखने के लिये लगभग 10 हजार विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया था। इनमें विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और सरकार की योजनाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने वाले लोग शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस परेड पूर्वाह्न 10.30 बजे शुरू हुयी और लगभग 90 मिनट तक चली। समारोह की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जाने से हुई, जहां उन्होंने देश के वीरों को पुष्पांजलि अर्पित किये। इसके बाद, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य लोग परेड देखने के लिये कर्तव्य पथ पर सलामी मंच की ओर बढ़ें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो 'पारंपरिक बग्गी' में सवार होकर कर्तव्य पथ पर आए। गौरतलब है कि यह प्रथा 40 वर्षों के अंतराल के बाद 2024 में फिर से शुरू की गयी थी। राष्ट्रपति के अंगरक्षक, भारतीय सेना की सबसे वरिष्ठ रेजिमेंट द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान की गयी।

राष्ट्रपति के आगमन के बाद परंपरा के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद 105-एमएम लाइट फील्ड गन, एक स्वदेशी हथियार प्रणाली का उपयोग करके 21 तोपों की सलामी दी गयी और राष्ट्रगान हुआ।

परेड की शुरुआत देश के विभिन्न हिस्सों के संगीत वाद्ययंत्रों के साथ 'सारे जहां से अच्छा' ध्वनित करते हुये 300 सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा की गयी। वाद्ययंत्रों का यह स्वदेशी मिश्रण हर भारतीयों के दिलों की धुन, ताल और उम्मीदों से गूंज उठा। वाद्ययंत्रों के इस समूह में शहनाई, सुंदरी, नादस्वरम, बीन, मशक बीन, रणसिंह - राजस्थान, बांसुरी, करदी मजालू, मो-हुरी, शंख, तुतारी, ढोल, गोंग, निशान,चंग, ताशा, संबल, चेंडा, इडक्का, लेज़िम, थविल, गुदुम बाजा, तालम और मोनबाह शामिल थे।

इसके बाद सर्वोच्च वीरता पुरस्कारों के विजेता शामिल हुये। इनमें परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव (सेवानिवृत्त) और सूबेदार मेजर संजय कुमार (सेवानिवृत्त) तथा अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल जस राम सिंह (सेवानिवृत्त) शामिल रहे। कर्तव्य पथ पर देश की विविध शक्तियों और इसके निरंतर विकसित होते सांस्कृतिक समावेश दर्शाती कुल 26 झाकियां निकाली गयी, जिनमें 16 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों और 10 केंद्र सरकार के मंत्रालय/विभागों की झांकियां शामिल थीं।

कर्तव्य पथ से निकलने वाली इन सभी झांकियों में 'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' को दर्शाया गया। झांकियों में भारत की विविध शक्तियों और इसके निरंतर विकसित होते सांस्कृतिक समावेश के शानदार भविष्य को प्रदर्शित किया गया।

राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की भाग लेने वाली झांकियों में पहली झांकी गोवा की रही।

गणतंत्र दिवस के अवसर देशभर में कार्यक्रमों की धूम रही। राजस्थान में उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। राज्यपाल ने झंडा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और सलामी गारद द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली।

लखनऊ से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर झंडारोहण किया और कहा कि देश का संविधान हमें न्याय, समता और बंधुता के साथ जुड़ने की एक नयी प्रेरणा प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने गणतंत्र दिवस के अवसर राजधानी रायपुर में ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने कहा , हमारी परंपरा में जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी की बात कही गई है। जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से बढ़कर हैं। हमारी इस सुंदर धरती भारत माता के 76 वें गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाने, हम सब आज एकत्र हुए हैं।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत राज्य के प्रमुख शहरों में गणतंत्र दिवस परंपरागत तरीके से हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। राज्य स्तरीय मुख्य आयोजन यहां लाल परेड मैदान में संपन्न हुआ, जहां राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और भव्य एवं आकर्षक परेड की सलामी ली।

इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मुरैना जिला मुख्यालय पर तिरंगा फहराया और आकर्षक परेड की सलामी ली। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। इसके साथ ही मंत्रियों ने अलग अलग निर्धारित जिलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। अनेक जिलों में जनप्रतिनिधियों और कलेक्टरों ने तिरंगा फहराकर मुख्यमंत्री का संदेश सुनाया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित भव्य एवं गरिमामय आयोजन में तिरंगा फहराकर आकर्षक परेड की सलामी ली।

जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मार्च पास्ट का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा , हम जम्मू-कश्मीर की शांति, समृद्धि और विकास का संकल्प लेते हैं और हमारी सरकार लोगों को न्याय दिलाने में भी भूमिका निभायेगी।

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने रविवार को परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में श्री गुरमीत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पदक अलंकरण कर सम्मानित किया। साथ ही, विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शित झांकियों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले क्रमशः सूचना विभाग, संस्कृत शिक्षा विभाग तथा शिक्षा विभाग की झाँकी को दोनों ने सम्मानित किया।

ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने महात्मा गांधी मार्ग पर आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इस अवसर पर कम से कम दस झाँकियों में देशभक्ति, सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण विकास, प्रौद्योगिकी और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास वृद्धि जैसे विषयों को प्रदर्शित किया गया। परेड में कुल मिलाकर 49 टुकड़ियों ने भाग लिया। महर्षि कॉलेज ऑफ नेचुरल लॉ के छात्रों द्वारा डेयरडेविल मोटरसाइकिल शो, ओडिशा स्केटिंग अकादमी द्वारा स्केटिंग, संताली समुदाय द्वारा नृत्य और घोड़ा और ढेमसा जैसे पारंपरिक मंडलों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन इस कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे।

जिला स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बिदानसी मिनी स्टेडियम कटक में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके अलावा तटीय ओडिशा के 10 निर्जन द्वीपों पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के रेड रोड पर गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित समारोह में राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मौजूदगी में राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने रेड रोड पर गणतंत्र दिवस परेड भी देखी, जहां रक्षा बलों की तीनों शाखाओं, अर्धसैनिक बलों, पुलिस, नागरिक सुरक्षा, एन-सीसी और लड़कियों के कैडेटों ने गणमान्य व्यक्तियों को सलामी देते हुए मार्च पास्ट किया। परेड में राज्य ने अपनी उपलब्धियों को झांकी के माध्यम से प्रदर्शित किया, जिसमें भारतीय सेना द्वारा रोबोटिक खच्चर और नयी पीढ़ी के वाहन शामिल थे।

मेघालय के राज्यपाल सी एच विजयशंकर ने शिलांग के पोलो मैदान में गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। श्री विजयशंकर ने दो घंटे तक चले कार्यक्रम के दौरान मेघालय पुलिस, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एन-सीसी लड़कों , एनसीसी लड़कियों, मेघालय भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, सेक्रेड हार्ट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल, होली चाइल्ड सेकेंडरी स्कूल, असम राइफल्स पब्लिक स्कूल की घुड़सवार टुकड़ी, बॉर्डर विंग होमगार्ड्स और सीमा सुरक्षा बल के ब्रास बैंड सहित सुरक्षा बलों की सलामी भी ली। मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने पश्चिम गारो हिल्स जिले के तुरा में तिरंगा फहराया और मेघालय के विभिन्न हिस्सों में दिए जा रहे समावेशी विकास और न्यायसंगत जोर पर प्रकाश डाला।

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने कांगला में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और शानदार परेड की सलामी ली।

इस अवसर पर आयोजित रंगारंग परेड की कमान पुलिस अधीक्षक (खेल) लैशराम सरिता देवी ने संभाली, जो पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज हैं। समारोह में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह भी शामिल हुए।

तेलंगाना में भी गणतंत्र दिवस भव्यता और गौरव के साथ मनाया, जिसमें जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम, औपचारिक परेड और परिवर्तनकारी पहल की घोषणा की गई। हैदराबाद के परेड ग्राउंड में आयोजित आधिकारिक समारोह में सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने संवैधानिक मूल्यों, समावेशिता और प्रगति के प्रति तेलंगाना की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

देश के अन्य राज्यों में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सरसंघचालक और सरकार्यवाह ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज, देशवासियों को दी गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गणतंत्र दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर सरसंघचालक ने महाराष्ट्र के भिवंडी और सरकार्यवाह ने मणिपुर के इंफाल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए संघ के आधिकारिक एक्स हैंडल से बताया गया कि आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने पद्मश्री अण्णासाहब जाधव विद्यालय व कनिष्ठ महाविद्यालय, भिवंडी में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। एक अन्य पोस्ट में बताया गया कि आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भास्कर प्रभा, इंफाल, मणिपुर (योग एवं नेचुरोपेथी केंद्र) में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

उत्तराखंड निकाय चुनाव: निगमों में बीजेपी का कब्जा, कांग्रेस का नहीं खुला खाता

देहरादून, 26 जनवरी (एजेंसियां)। निकाय चुनावों में ज्यादातर में बीजेपी ने अपना कब्जा कर लिया है। कुल 11 निगमों में से दस में बीजेपी प्रत्याशी और एक में जो कि श्रीनगर गढ़वाल निगम सीट है वहां हिंदुत्व विचारधारा की महिला प्रत्याशी की जीत हुई। वही देहरादून, हरिद्वार, रुड़की, अल्मोड़ा में बीजेपी ने परचम लहराया।काशीपुर, रुद्रपुर, ऋषिकेश, कोटद्वार, हल्द्वानी, में बीजेपी ने अपनी जीत दर्ज की है। श्रीनगर गढ़वाल हिंदुत्व विचारध-ारा की महिला उम्मीदवार की जीत हुई है। उत्तराखंड में किसी भी नगर निगम में कांग्रेस अपना खाता भी नहीं खोल पाई। अलबत्ता पालिका परिषद चुनावों में उसे मिश्रित सफलता मिली है।

नरेला की चुनावी रैली में जमकर गरजे केंद्रीय गृह मंत्री, कहा

आपा का मतलब 'अवैध आमदनी वाली पार्टी'

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नरेला में बीजेपी की चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमले किए। उन्होंने शराब, पंजाब और पूर्वांचलियों के मुद्दे को उठाया। शाह ने कहा कि केजरीवाल के कुशासन का अंत 8 तारीख को होगा। केजरीवाल के शासन के दौरान दिल्ली बद से बदतर हो गई। 10 साल में, देश के कई राज्य जहां पर डबल इंजन की सरकार बनी, वो कहां से कहां पहुंच गए, लेकिन दिल्ली को जलभराव, गंदे पानी, कूड़े से जूझना पड़ रहा है।

अमित शाह ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कहा कि आपा ने न केवल अव्यवस्थाएं फैलाई बल्कि हमारे पूर्वांचलियों का अपमान भी किया है। ये कहते हैं कि पूर्वांचली फर्जी वोटर हैं। अरविंद केजरीवाल क्या बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड से आए मेरे भाई-बहनों को दिल्ली में वोट देने का अधिकार नहीं है? उन्होंने दिल्ली शराब घोटाला, टैंकर घोटाला समेत कई मुद्दों को लेकर केजरीवाल को घेरा।

अमित शाह ने कहा कि केजरीवाल ने वादा किया था कि रिहायशी इलाकों से शराब की दुकानें बंद कर देंगे, लेकिन क्या उन्होंने ऐसा किया? उल्टे, उन्होंने गुरुद्वारों, मंदिरों और स्कूलों के पास शराब की दुकानें खोलने का काम किया। केजरीवाल सरकार ने हजारों करोड़ रुपये का घपला किया है। यमुना नदी के सफाई को लेकर भी केजरीवाल ने बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन उन्होंने इस दिशा में

कुछ नहीं किया।

अमित शाह ने अटैक करते हुए कहा कि इन्होंने (आपा) झूठ बोलकर वोट बटोरा और आगे बढ़ने का काम किया है। आपा का मतलब है- अवैध आमदनी वाली पार्टी... दिल्ली के पैसों से ये (आपा) पंजाब, गुजरात, गोवा... का चुनाव लड़ते हैं। शाह ने आगे कहा कि इन्होंने (आपा) कहा कि हम राजनीतिक लोग नहीं हैं, हम राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे, लेकिन इन्होंने पार्टी बनाई। इन्होंने कहा, हम कांग्रेस का समर्थन नहीं लेंगे, कांग्रेस का समर्थन लिया। इन्होंने कहा था कि हम सिक्योरिटी, गाड़ी और बंगला नहीं लेंगे, इन्होंने सिक्योरिटी ली, गाड़ी ली और करोड़ों का शीश महल बनवाया।

अमित शाह ने कहा कि देशभर में सभी को आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है, लेकिन अरविंद केजरीवाल के कारण दिल्ली के लोगों को ये फायदा नहीं मिल रहा। दिल्ली वालों, चिंता मत करो, आप-दा जाने वाली है कमल आने वाला है। हम पांच लाख नहीं, 10 लाख तक का इलाज मुफ्त देंगे। दिग्गज बीजेपी नेता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने यमुना की सुध नहीं ली, लेकिन 8 फरवरी को दिल्ली में हमारी सरकार बना दो। तीन साल में हम यमुना रिवर फ्रंट बनाकर यमुना जी को शुद्ध करने का काम करेंगे।

दिल्ली के नरेला में चुनावी रैली करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये लोकतंत्र का ही कमाल है कि एक गरीब चाय वाले के बेटे तीसरी बार प्रधानमंत्री चुनकर आए हैं। ये लोकतंत्र का ही कमाल है कि एक गरीब आदिवासी की बेटी बहन द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनी हैं। एक सामान्य जाट किसान के बेटे भारत के उप-राष्ट्रपति बने हैं और इससे पहले एक गरीब दलित के बेटे राम नाथ कोविंद राष्ट्रपति बने थे।

खानपुर में अंधाधुंध फायरिंग करने वाले भाजपा के नेता गिरफ्तार, इलाके में मचा हड़कंप

हरिद्वार, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले की खानपुर विधानसभा में विधायक और पूर्व विधायक के बीच तनाव ने गैंगवार का रूप ले लिया है । दिनदहाड़े गोलियों की गूंज से इलाका दहल गया, जिसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

रविवार को खानपुर के मौजूदा विधायक उमेश कुमार के कार्यालय पर तीन गाड़ियों में आए हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की। आरोप है कि यह हमला पूर्व विधायक और भाजपा नेता कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन और उनके समर्थकों द्वारा किया गया। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर मौजूदा विधायक उमेश कुमार और पूर्व विधायक चैंपियन के बीच तीखी बयानबाजी चल रही थी, जो इस हिंसक झड़प का कारण बन गई। फायरिंग की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर मौजूद लोग इधर-उधर भागते नजर आए। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने हालात को काबू में करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया। वहीं, विधायक उमेश कुमार के समर्थक भी बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। इस मामले में देहरादून पुलिस ने नेहरू कॉलोनी थाने से कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन को गिरफ्तार कर हरिद्वार पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। गिरफ्त-ारी के बाद उन्हें हरिद्वार पुलिस ने हिरासत में लेकर जेल भेजा है। पुलिस वैन में जाते वक्त चैंपियन ने कहा, मेरे साथ अन्याय हो रहा है। चैंपियन की पत्नी ने कहा कि शुरुआत विधायक उमेश कुमार ने की थी। पुलिस ने हमारी मदद नहीं की है।

इस मामले पर अब एसएसपी हरिद्वार प्रमेन्द्र डोभाल का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया से हमने मामले का संज्ञान लिया है जिसमें कहा जा रहा है कि पूर्व विधायक ने वर्तमान विधायक के कार्यालय पर फायरिंग की है। इस मामले पर सख्ती से निपटेंगे। लॉ एंड ऑर्डर किसी को भी हाथ में नहीं लेने देंगे। हम घटना के पीछे की जांच कर रहे हैं। खानपुर फायरिंग मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद महेंद्र भट्ट का बयान सामने आया है। भट्ट का कहना है कि हरिद्वार में पिछले 2 दिनों से जो माहौल बना हुआ है, वह सही बात नहीं है, जन प्रतिनिधि चाहे वर्तमान हो या पूर्व। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री से कहा भी है कि इस पर सख्त से सख्त करवाई होनी चाहिए। प्रणव चैंपियन को लेकर उन्होंने कहा कि मामला पार्टी के संज्ञान में आया है और हम अपने किसी भी प्रतिनिधि पूर्व या वर्तमान को कानून हाथ में नहीं लेने देंगे।

बता दें कि 2019 में भी उत्तराखंड के लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने पर चैंपियन को अनिश्चित काल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया था, जिसे बाद में बहाल किया गया। वहीं उमेश कुमार खानपुर से पहली बार निर्दलय विधायक बने हैं। प्रणव चैंपियन ने अपने फेसबुक पेज पर खुद वीडियो शेयर किया है कि कैसे वो खानपुर विधायक के कार्यालय पहुंचे।

अंतिम सांसे ले रहा नक्सलवाद, जल्द नक्सल मुक्त हो जाएगा बस्तर : विष्णु देव साय

अंबिकापुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नक्सलवाद अब अंतिम सांसे ले रहा है और जल्द ही बस्तर पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाएगा। साय ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। साय ने कहा, इस गणतंत्र की धरोहर को सुरक्षित रखने और सहेजने-संवारने की जिम्मेदारी हमारी तथा भावी पीढ़ी के हाथों में है। हमारा गणतंत्र हमें सत्यमेव जयते की सीख देता है। मुंडकोपनिषद का यह सूत्र वाक्य हमें बताता है कि अंधेरा कितना भी घना क्यों न हो, हमें उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। हमारे गणतंत्र की इस भावना की विजय हमने गंभीर नक्सलग्रस्त इलाकों में देखी है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई रणनीति बनाकर हमने नक्सलवाद के कैंसर को नष्ट करने का काम किया है। इस कैंसर को नष्ट करने के लिए जरूरी था कि इसकी जड़ों पर प्रहार किया जाए। हमारे जवानों ने नक्सलवादियों के सबसे सुरक्षित ठिकानों पर हमला किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के नतीजे बहुत अच्छे रहे और एक साल के भीतर ही 260 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया गया।

उन्होंने कहा, आतंक से मुक्ति के साथ ही बस्तर में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में विकास की राह भी खुल गई है। इसका माध्यम हमारी सरकार द्वारा चलाई जा रही 'नियद नेल्ला नार योजना' बनी है। अरसे बाद विद्यालयों में घंटियां गूंजी, पानी-बिजली का पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित हुआ। साय ने कहा, नक्सल-वाद से लड़ते हुए देश की एकता और अखंडता के लिए अनेक जवानों ने अपना बलिदान दिया ताकि हम सुरक्षित रह सकें और समाज में शांति स्थापित हो सके। इन जवानों की शहादत को मैं शत्-शत् नमन करता हूं।

साय ने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार किसानों को फसल का उचित मूल्य दिलाने के साथ ही खेती को उन्नत बनाने का कार्य भी कर रही है। अब खेतों में कीटनाशकों का छिड़काव 'ड्रोन दीदी' के हाथों से हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति से राज्य में निवेश का बेहतर वातावरण बना है। उन्होंने कहा, हमारी जमीन खनिज संपदा से संपन्न है। खनिज संपदा के मामले में छत्तीसगढ़ अतुलनीय है। कोयले और लोहे के उत्पादन में हम देश में दूसरे स्थान पर हैं। देश के बॉक्साइट भंडार का 20 फीसदी हमारे यहां है। सारी दुनिया इलेक्ट्रिक गाड़ियों को अपना रही है और भारत भी इसमें पीछे नहीं है।

साय ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी के लिए लीथियम की जरूरत होती है और इसके भंडार हमारे कोरबा, सुकमा और बस्तर जिले में है। इन खनिज संसाधनों का दोहन राज्य के आर्थिक विकास के लिए हो, इस जरूरत को पूरा करने हमारी सरकार ने ऐतिहासिक काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि पीएससी परीक्षाओं में भ्रष्टाचार की जांच का कार्य हमने सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) को सौंपा है और सीबीआई इस मामले में पुख्ता कार्रवाई कर रही है। साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पीएससी परीक्षा में पारदर्शिता लाने इसे यूप-ीएससी की तर्ज पर आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ऐसी सरकार है, जिसने एक वर्ष पूरा होने पर प्रदेश की जनता के समक्ष अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। हमारे पास शुभ संकल्प है। सच्चाई है। ईमानद-ारी है और पुरखों की परंपरा से आई शक्ति है। हम आप सभी के सहयोग से आगे बढ़ेंगे और हर बाधा को पार कर एक उज्ज्वल सशक्त विकसित छत्तीसगढ़ के अपने सपने को पूरा करेंगे।

एसईबीआई ने गणतंत्र दिवस पर डिजिटल ज्ञान रिपॉजिटरी 'धरोहर' की शुरुआत की

नयी दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक डिजिटल ज्ञान रिपॉजिटरी 'धरोहर – भारतीय प्रतिभूति बाजार में मील का पत्थर' पेश किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि अपने विविध उत्पादों, प्रतिभागियों और संस्थानों के लिए पहचाने जाने वाले प्रतिभूति बाजार का पिछले 150 साल से संगठित कारोबार का एक लंबा इतिहास रहा है। सेबी ने बयान में कहा, धरोहर को भारतीय प्रतिभूति बाजार की इस समृद्ध विरासत और विकास का दस्तावेजीकरण करने और उसके प्रदर्शित करने के लिए डिजायन किया गया है।

इसमें कहा गया है कि इस रिपॉजिटरी में एक वेबसाइट भी है, जिसमें महत्वपूर्ण घटनाओं की एक संवादात्मक समयरेखा और 3डी गैलरी भी शामिल है, जो आगंतुकों को एक आकर्षक अनुभव प्रदान करती है। इसे छात्रों, निवेशकों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, बाजार प्रतिभागियों और आम जनता सहित व्यापक दर्शकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि बाजार के विविध उत्पादों, प्रतिभागियों और संस्थानों के बारे में जानकारी दी जा सके।

लगभग 3,000 परिसंपत्तियों के साथ 'धरोहर' लेखों, विनियमों, प्रमुख हस्तियों के साक्षात्कारों, ऐतिहासिक समाचार पत्रों की कतरनों, शेयर प्रमाणपत्रों, इन्फोग्राफिक्स, वीडियो और समिति की रिपोर्टों आदि के माध्यम से बाजार की यात्रा का दस्तावेजीकरण करता है। सेबी ने कहा कि रिपॉजिटरी में नई चीजें जुड़ने से इसकी वृद्धि जारी रहेगी, जिससे उपयोगकर्ताओं के लिए इसका मूल्य बढ़ेगा। रिपॉजिटरी 'धरोहर' को वेबसाइट 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू,एमआईएसएम.ओअ-रजी' पर देखा जा सकता है।

ओडीशा व्यापार सम्मेलन में 20 देशों के 7,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे : माझी

ओडिशा,26 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि 28-29 जनवरी को राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले व्यापार सम्मेलन में 20 देशों के 7,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 जनवरी को सम्मेलन स्थल जनता मैदान में इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

भुवनेश्वर । ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि 28-29 जनवरी को राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले व्यापार सम्मेलन में 20 देशों के 7,500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 जनवरी को सम्मेलन स्थल जनता मैदान में इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। माझी ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का जायजा लेने के बाद कहा कि राज्य 'सबसे बड़े' व्यापार सम्मेलन 'उत्कर्ष ओडिशा – मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025' की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है।उन्होंने कहा, यह सम्मेलन ऐतिहासिक साबित होगा और यह न केवल एक मजबूत और जीवंत अर्थव्यवस्था की नींव रखेगा, बल्कि किसानों और मजदूरों के लिए व्यापक अवसर भी पैदा करेगा। माझी ने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान 100 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे 3.5 लाख लोगों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया सहित विभिन्न देशों से लगभग 100 प्रतिनिधि आएंगे।

माझी ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न संवादात्मक सत्र भी शामिल होंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक क्षेत्र में ओडिशा की छवि मजबूत होगी। इस दौरान स्टार्टअप ओडिशा, ओडिशा में कौशल और महिला उद्यमिता पर विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, साथ ही विभिन्न गोलमेज बैठकें भी होंगी। माझी ने कहा कि सम्मेलन के दौरान 'मेक इन ओडिशा एक्सपो' भी आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन आम जनता के लिए 30 जनवरी को खुलेगा। सम्मेलन में करीब 150 प्रदर्शक अपने उत्पाद, सेवाएं और नवाचार प्रदर्शित करेंगे। राज्य के संस्कृति विभाग ने प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना पद्मश्री अरुणा मोहंती के प्रदर्शन और ड्रोन शो की भी व्यवस्था की है।

आईसीआईसीआई बैंक का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़कर 11,792 करोड़ रुपए हुआ

नयी दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीआईसीआई बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़कर 11,792 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 10,272 करोड़ रुपये रहा था। निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बढ़कर 48,368 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछलेवित्त वर्ष की समान तिमाही में 42,792 करोड़ रुपये रही थी।

बैंक की ब्याज आय समीक्षाधीन अवधि में बढ़कर 41,300 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 36,695 करोड़ रुपये रही थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात दिसंबर तिमाही के अंत में सुधरकर 1.96 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 2.3 प्रतिशत था। इसी तरह, शुद्ध एनपीए या खराब ऋण घटकर 0.42 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 0.44 प्रतिशत था।

हालांकि, कर को छोड़कर कुल प्रावधान तिमाही के दौरान बढ़कर 1,227 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी समय 1,049 करोड़ रुपये था। दिसंबर तिमाही के अंत में गैर-निष्पादित ऋणों पर प्रावधान कवरेज अनुपात 78.2 प्रतिशत था। पूंजी पर्याप्तता अनुपात बढ़कर 14.71 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 14.61 प्रतिशत था।

अमेरिका में ब्याज दर पर निर्णय, बजट, कंपनियों के नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुम्बई,26 जनवरी (एजेंसियां)। सिद्धार्थ खेमका ने कहा, तीसरी तिमाही के नतीजों, अमेरिकी राष्ट्रपति की आर्थिक नीतियों और शनिवार को आने वाले आम बजट के बीच घरेलू शेयर बाजारों में कुछ उतार-चढ़ाव के साथ एक व्यापक दायरे में कारोबार होने की उम्मीद है।

इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, आगामी आम बजट और तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजों जैसी प्रमुख घटनाओं से तय होगी।

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक कारक, विदेशी निवेशकों का रुख, रुपया-डॉलर विनिमय दर और कच्चे तेल से भी शेयर बाजार में कारोबार प्रभावित होगा।

स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीना ने कहा, अब सभी की निगाहें एक फरवरी को आने वाले आम बजट पर टिकी हैं, क्योंकि बाजार सकारात्मक रूप से धारणा बदलने के लिए किसी संकेत का इंतजार कर रहा है।

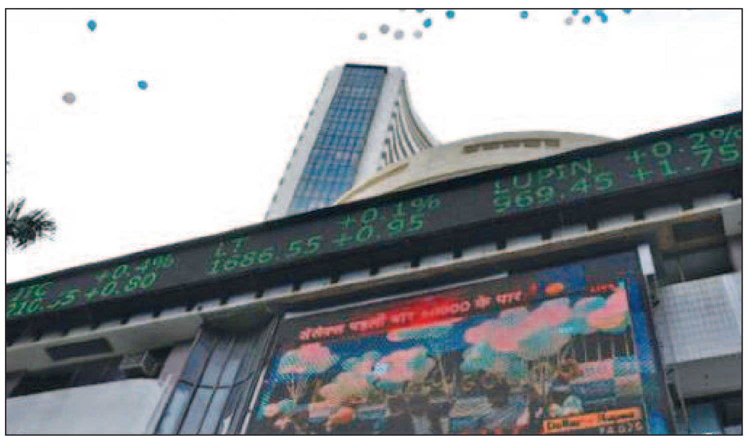

तीसरी तिमाही के नतीजे अभी तक फीके रहे हैं, खासकर उपभोग और वित्तीय क्षेत्रों में। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नीति बैठक महत्वपूर्ण होगी।इसके अलावा, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और डॉलर सूचकांक में उतार-चढ़ाव पर नजर रखना महत्वपूर्ण रहेगा। मीना ने कहा कि इन दोनों क्षेत्रों में उलटफेर के संकेत वैश्विक बाजारों में सकारात्मकता ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजार के लिए, एफआईआई प्रवाह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।शेयर बाजार एक फरवरी, शनिवार को आम बजट पेश किए जाने के चलते कारोबार के लिए खुले रहेंगे। बीएसई और एनएसई ने पिछले महीने इस बारे में घोषणा की थी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह न केवल इक्विटी बाजारों के लिए बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक फरवरी को आम बजट पेश किया जाना है।

मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह टाटा स्टील, बजाज ऑटो, मारुति, टाटा मोटर्स, ओएनजीसी और इंडसइंड बैंक सहित कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजे जारी करने वाली हैं।उन्होंने कहा, वैश्विक मोर्चे पर, अमेरिका में एफओएमसी बैठक और अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान जैसी प्रमुख घटनाएं भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, तीसरी तिमाही के नतीजों, अमेरिकी राष्ट्रपति की आर्थिक नीतियों और शनिवार को आने वाले आम बजट के बीच घरेलू शेयर बाजारों में कुछ उतार-चढ़ाव के साथ एक व्यापक दायरे में कारोबार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बजट से पहले रेलवे, रक्षा, पूंजीगत सामान जैसे पीएसयू और पूंजीगत व्यय पर आधारित शेयर फोकस में रहेंगे।

रूस से सस्ता तेल मिलने पर भारत उसे खरीदना जारी रखेगा: हरदीप सिंह पुरी

नयी दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल मिलना जारी रहने की स्थिति में भारत उसकी खरीद जारी रखेगा। इसके साथ ही पुरी ने कहा कि सरकार सबसे किफायती कीमत वाला कच्चा तेल खरीदने के लिए 'प्रतिबद्ध' है। उन्होंने कहा अब हम 30 प्रतिशत तेल रूस से खरीद रहे हैं।

मुंबई । पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल मिलना जारी रहने की स्थिति में भारत उसकी खरीद जारी रखेगा। इसके साथ ही पुरी ने कहा कि सरकार सबसे किफायती कीमत वाला कच्चा तेल खरीदने के लिए 'प्रतिबद्ध' है। पुरी ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर रूस का तेल अच्छी छूट पर उपलब्ध रहता है तो भारत इसे

खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, हम फरवरी, 2022 में रूस से 0.2 प्रतिशत से भी कम तेल खरीदते थे। अब हम 30 प्रतिशत तेल रूस से खरीद रहे हैं। अगर यह कहीं और भी रियायती दर पर उपलब्ध है, तो हम वहां से खरीदेंगे।

मंत्री ने कहा कि भारत किसी से कोई मात्रा खरीदने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं और यह प्रतिबद्धता सिर्फ सबसे किफायती कीमत वाली ऊर्जा खरीदने के लिए है। उन्होंने कहा, ईंधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। कुछ उत्पादकों की ओर से कटौती किए जाने के बावजूद बाजार में ज्यादा से ज्यादा कच्चा तेल आ रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार तेल उत्पादक देशों के साथ दीर्घकालिक और हाजिर दोनों तरह के सौदे करने के लिए तैयार है। पुरी ने कहा, हम आयात के समय निविदाएं जारी करते हैं। इसका मतलब यह है कि अगर हमें किसी खास मार्ग की जरूरत है तो हम निविदा जारी करेंगे और फिर जो भी इसकी आपूर्ति कर सकता है वह आपूर्ति करेगा।महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में रिफाइनरी परियोजना संबंधी सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि यह परियोजना अपने विशाल आकार (छह करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता) के कारण व्यवहारिक नहीं है। सरकार इसकी जगह दो-दो करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता वाली तीन रिफाइनरी की संभावनाओं पर गौर कर रही है। रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (आरआरपीसीएल) सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसकी स्थापना 2017 में की गई थी। इस अवसर पर पुरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में 11 फरवरी से शुरू होने वाले चार-दिवसीय भारत ऊर्जा सप्ताह का तीसरा संस्करण भागीदारी, प्रदर्शनी स्थल और चर्चा सत्रों के मामले में वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा ऊर्जा कार्यक्रम होगा।इस दौरान हरित पाक-कला मंत्रिस्तरीय बैठक भी आयोजित की जाएगी। यह बैठक खाना बनाने के हरित समाधानों को वैश्विक स्तर पर अपनाने में तेजी लाने के लिए प्रयास बढ़ाने पर जोर देगी। इसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) पर विशेष चर्चा होगी। भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 में मंत्रियों, कंपनी अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं की वैश्विक भागीदारी देखने को मिलेगी। पिछले संस्करणों की तुलना में इस आयोजन में पैमाने और भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के सम्मेलन सत्रों की संख्या बढ़कर 105 और वैश्विक प्रतिनिधियों की संख्या 70,000 से अधिक हो जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आसमान...

झांकियां भी प्रस्तुत की गईं और साझा झांकी भी देश के सामने प्रदर्शित हुई। इसके अलावा जिन 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां प्रदर्शित की गईं, उनमें गोवा, उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड, गुजरात, आंध्र प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, दिल्ली, दादरा और नगर हवेली, और दमन और दीव शामिल हैं। इस बार उत्तर प्रदेश की झांकी का थीम महाकुंभ रहा। झांकी में समुद्र मंथन एवं उसमें निकलने वाला अमृत कलश दिखाया गया। मध्य प्रदेश की झांकी की थीम चीता : द प्राइड ऑफ इंडिया थी। इसमें कूनो नेशनल पार्क की प्राकृतिक सुंदरता और चीतों की झलक दिखाई गई। चार साल बाद इस बार दिल्ली की झांकी प्रदर्शित की गई। दिल्ली की झांकी की थीम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा थी। लोगों ने कर्तव्य पथ पर विभिन्न विकास योजनाओं को लेकर निकाली गई झांकियां भी देखीं।

दुनिया ने कर्तव्य पथ पर परेड के साथ ही भारत की आसमानी ताकत भी देखी। आसमान में फ्लाईपास्ट के दौरान सुखोई से लेकर राफेल तक ने अपनी जांबाजी से दुनिया को अवाक कर दिया। इस साल गणतंत्र दिवस की परेड के मौके पर फ्लाईपास्ट में कुल 40 विमानों ने हिस्सा लिया। जिसमें 22 लड़ाकू विमान, 11 परिवहन विमान और सात हेलीकॉप्टर शामिल हुए। इस दौरान लड़ाकू जहाजों की गगनभेदी आवाज और उनकी जांबाजी भरे कारनामों से वहां मौजूद दर्शक रोमांच से भर उठे। विमानों में राफेल, सुखोई, जगुआर, डॉर्नियर, अपाचे हेलीकॉप्टर, सी 17, सी 295 आदि विमान शामिल थे। विमानों ने वायुसेना के 10 अलग-अलग ठिकानों से उड़ान भरी। गणतंत्र दिवस परेड में फ्लाईपास्ट के दौरान इंडिया गेट के ठीक ऊपर त्रिशूल संरचना में अलग होने से पहले 900 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्जना करते हुए तीन सुखोई-30 लड़ाकू विमानों ने साहसिक हवाई कलाबाजियां दिखाईं।जब राफेल ने उड़ान भरी तो हर भारतवासी गर्व से भर उठा। राफेल ने विजय रोल फार्मेशन में 300 मीटर की ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए आसमान से सलामी दी। भारतीय तटरक्षक बल के तीन डोर्नियर-228 विमानों ने विक फार्मेशन में उड़ान भरी। वायुसेना के सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू पायलटों ने इस फ्लाई पास्ट में भाग लिया।

पंजाब बेहद...

डेटा मुख्य रूप से नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) से लिया गया है।

ओड़ीशा ने 67.8 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि पंजाब केवल 10.7 अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर रहा। शीर्ष पांच राज्यों में ओड़ीशा के बाद छत्तीसगढ़, गोवा, झारखंड और गुजरात शामिल हैं। वहीं, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश भी टॉप परफॉर्मर्स में शामिल हैं।

नीति आयोग ने कहा कि ओड़ीशा ने निम्न वित्तीय घाटे, अच्छी ऋण प्रोफाइल और मजबूत पूंजीगत व्यय अनुपात बनाए रखा है।

दूसरी ओर, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों को कमजोर राजस्व संग्रह, उच्च ऋण और बड़े ब्याज भुगतान जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि ओड़ीशा, छत्तीसगढ़ और गुजरात जैसे राज्य लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल पिछले नौ वर्षों से खराब वित्तीय स्थिति में हैं।

बांग्लादेश को ...

गाजा संघर्ष का सामना कर रहा है। कुछ तो किया ही जाना चाहिए। यह क्षेत्र अभी पूरी तरह से विध्वंस स्थल में बदल चुका है। लगभग सब कुछ तबाह हो चुका है और लोग मर रहे हैं। ट्रंप ने अपील की, मैं कुछ अरब देशों के साथ मिलकर उनके (गाजा पट्टी के लोगों) लिए एक अलग जगह पर आवास बनाने का आह्वान करना चाहूंगा, जहां वे शांति से रह सकें।

दूसरी तरफ, अमेरिका की अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने बांग्लादेश में अनुबंधों, कार्य आदेशों, अनुदानों, सहकारी समझौतों या अन्य सहायता और खरीद उपकरणों के तहत किसी भी कार्य को तत्काल बंद या निलंबित करने की घोषणा की है।

अमेरिकी एजेंसी ने शनिवार 25 जनवरी को इस संबंध में परियोजना कार्यान्वयन साझेदारों को एक संदेश भेजा, जिसमें तत्काल निलंबन की बात कही गई।

डोनाल्ड ट्रंप का यह कदम बांग्लादेश के लिए बड़ा झटका इसलिए भी है क्योंकि ट्रंप सरकार से पूर्व बाइडेन सरकार ने बांग्लादेश की यूनुस सरकार को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया था। बाइडेन और यूनुस के बीच हुई मुलाकात संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान न्यूयॉर्क में हुई थी। इस बैठक में बाइडेन ने कहा था कि अमेरिका बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सुधार एजेंडे का समर्थन करेगा।

सौ दिन से धरना ...

वो यहां मछली पकड़ने के लिए आया हुआ था। कहा जा रहा है कि चार दशकों में समुद्री कटाव के कारण राजा की दी गई अधिकांश भूमि नष्ट हो गई। 1948 में सत्तार के उत्तराधिकारी सिद्दीकी सेठ ने जब जमीन की रजिस्ट्री की तो उसमें स्थानीय मछुआरों की जमीन भी शामिल थी। अब उसी जमीन पर वक्फ बोर्ड अपना दावा ठोक रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 27 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एसबीआई ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद ने स्वर्णिम भारत - विरासत और विकास थीम के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। एसबीआई, हैदराबाद के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार ने एलएचओ परिसर के उत्तरी लॉन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। श्री कुमार ने सभी को शुभकामनाएं दीं और कहा कि हम हर साल 26 जनवरी को उस दिन का सम्मान करने के लिए मनाते हैं, जिस दिन 1950 में भारतीय संविधान लागू हुआ था। हमारा संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे सिद्धांतों पर प्रकाश डालता है। हर साल गणतंत्र दिवस एक मजबूत, समावेशी और प्रगतिशील भारत के निर्माण की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, जिसे हम एक राष्ट्र के रूप में हासिल करना चाहते हैं। यह दिन हमें लोकतंत्र के महत्व और राष्ट्र को मजबूत बनाने में नागरिकों की जिम्मेदारी और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए दिए गए बलिदान की याद दिलाता है। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, बैंक के कर्मचारी सदस्य और उनके परिवार शामिल हुए। इस अवसर पर खेल, शिक्षा और कला के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित किया गया। साथ ही, बैंक सशस्त्र गार्डों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया।

अग्रवाल शिक्षा समिति में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति के प्रांगण में 76वां प्रबल, सशक्त व प्रशस्त भारत गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। एल.बी.एम.टी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा वंदे मातरम गीत के साथ कार्यक्रम का श्री गणेश समिति के चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर द्वारा ध्वजारोहण संपन्न हुआ। समिति के एन.सी.सी कैडेट्स ने पद संचालन किया व स्कूल के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट कर सलामी दी। कॉलेज के विद्यार्थियों ने चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर व मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता को पुष्प गुच्छ भेंट किया ।समिति के मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने अपने संदेश में सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संविधान सबसे पुराना है। महापुरुषों के बलिदान के बाद हमें स्वतंत्रता मिली जिसके हम ऋणी है। स्वतंत्रता के बाद डॉ. बी.आर अंबेडकर ने संविधान का निर्माण किया। जिसमें सभी को समान अधिकार प्राप्त है हमारा कर्तव्य है, कि हम संविधान का पालन करें । संविधान निर्माता के कारण आज हम ऐसे देश में जीवन निर्वाह कर रहे हैं, जहां किसी जाति- पाती धर्म, ऊँच नीच का भेदभाव नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपने देश, गुरु माता-पिता व समाज का नाम रोशन करे ।चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर ने अपने संदेश में सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक दिन है लंबे संघर्ष के बाद हमने आजादी प्राप्त की थी। डॉ. भीमराव अंबेडकर व डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे महापुरुषों के योगदान से संविधान का निर्माण हुआ।

मंचासीन गणमान्यों द्वारा एन-सीसी कैडेट्स का अलंकरण समारोह किया गया। समारोह के अंत में समिति के विभिन्न संस्थाओं के विद्यार्थियों ने देश भक्ति प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मंच पर समिति के चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर, मैनेजिंग ट्रस्टी व कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ0 मोहन गुप्ता, मानद मंत्री सी. ए. नवीन कुमार अग्रवाल, एस. डी. सिग्नोडिया कॉलेज के करेस्पॉन्डेन्ट श्री शिवशंकर अग्रवाल, डी बी गर्ल्स जूनियर कॉलेज के करेस्पोंडेंस व राधे कृष्णा वूमेंस कॉलेज के समन्वयक श्री मनीष कुमार अग्रवाल, बी. बी. एम. एस. स्कूल के करेस्पॉन्डेन्ट व कार्यक्रम के निर्देशक श्री शेष कुमार गोयल रहे। कार्यक्रम का संचालन एम. बी. ए. कॉलेज की निर्देशिका डॉ. पल्लवी रंगनाथन श्रीमती आकांक्षा जायसवाल व अश्मिता ने संयुक्त रूप से किया। आभार प्रदर्शन एल. बी. एम. टी व जी. के. पी. एस स्कूल की प्राचार्या श्रीमती प्रीतिबाला ने किया।

कार्यक्रम के चेयरमैन सी. ए. नवीनकुमार अग्रवाल, निर्देशक शेष कुमार गोयल, संयोजक अकादमिक निर्देशिका डॉ सरोज जैन, संयुक्त निर्देशक डॉ. राजेश अग्रवाल, श्री उमेश कुमार एवं डॉ0 दाल पडाल उपस्थित रहे। समन्वयक श्री गोवर्धन दास, विनोद कुमार, राजेश वांगनी, स्टैंडली एवं सुभाष सिंह के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

झंडा उत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर साल की भांति इस वर्ष भी तेलंगाना स्वाभिमान परिषद के अध्यक्ष विनय किशोर यादव के तत्वावधान में झंडा उत्सव का आयोजन किया गया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जाति-धर्म से ऊपर उठकर एक भावना के साथ रक्तदान शिविर लगाया गया और राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भी एक अभियान चलाया गया। गणतंत्र दिवस पर सभी ने खुलकर कामना की है कि सब मिलकर काम करेंगें। इस अवसर पर विनय किशोर यादव, तेलंगाना स्वाभिमान परिषद और भाजपा के अध्यक्ष सी. कृष्ण यादव, पूर्व मंत्री, केडी दिनेश, टीडीपी के राज्य नेता बी.वाई श्रीकांत, जोगेंद्र सिंह, हमेद शरीफ, डी. गोपाल राव, प्रेम प्रकाश शर्मा और कई डॉक्टरों और नर्सों ने उक्त कार्यक्रम में अपना सहयोग दिया।

घाँसी बाज़ार वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा घाँसी बाज़ार चौराहे पर 76वां गणतंत्र दिवस पर भाजपा नेता टी. उमा महेंद्र एवं सत्यप्रकाश तायल ने झंडा वंदन किया। इस अवसर पर के. सुरेंद्र, कुणाल राव, बद्री अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, विकास अग्रवाल, टिंकू, गोपाल अग्रवाल, आरव तायल एवं अन्य उपस्थित थे।

श्री आई माताजी मंदिर,(बडेर) जीडिमेटला में गणतंत्र दिवस पर अध्यक्ष मांगीलाल काग ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उपस्थित उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बर्फा, सहसचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, सलाहकार सोहनलाल परिहार, लुंबाराम मुलेवा, सोहनलाल हाम्बड़, मुलाराम पंवार, भुराराम काग, नारायणलाल सैणचा, मुकेश भायल, सांवलराम, ताराराम पंवार, भुंडाराम बर्फा, देवाराम बर्फा एवं अन्य उपस्थित थे।

सामूहिक विवाह के सन्दर्भ में विशेष बैठक का आयोजन

हैदराबादा, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्तानी जागृति समिति के तत्वावधान में आगामी अक्षय तृतीय 30 अप्रैल, 2025 को सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इस संदर्भ में रविवार, 26 जनवरी को बाहेती भवन में एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

इस आशय की जानकारी समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गयी। विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमानी ने कहा कि सामूहिक विवाह के आयोजन के लिए समिति ने सामूहिक विवाह समारोह के अध्यक्ष के रूप में राजेश कुमार अग्रवाल (अध्यक्ष, अग्रवाल समाज सहायत ट्रस्ट आत्मा गौरव भवन) को मनोनीत किया।

मधुसूधन सौंथलिया (मैनेजिंग ट्रस्टी अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन) को प्रधान संयोजक मनोनीत किया गया। समारोह अध्यक्ष बनाने पर राजेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में सभी मारवाड़ी समाज को एक ही स्थान पर सामूहिक विवाह के आयोजन के लिए समिति की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने समिति को सामूहिक विवाह के लिए अग्रवाल सहायता ट्रस्ट आत्मा गौरव भवन, उप्पल एचएमडी लेआउट हैदराबाद में करने के लिए अपनी स्वीकृत प्रदान की। जिससे समिति के सभी सदस्यों ने बधाई एवं धन्यवाद दिया। राजेश अग्रवाल ने अग्रवाल समाज सहायत ट्रस्ट आत्मा गौरव भवन में अपना भरपूर सहयोग करने का आश्वासन दिया। सभी ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम आत्मा गौरव भवन में करने का निर्णय लिया।

विज्ञप्ति के अनुसार समिति के पास अभी तक 8 जोड़ों का पंजीकरण किया गया। समिति का लक्ष्य 31 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराने का है।

उक्त बैठक में समारोह अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रवाल एवं मधुसुधन सौंथलिया का सम्मान शॉल द्वारा समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने किया। इस अवसर पर बालाजी नगर के धर्माराम चौधरी एवं हीराराम सीरवी का भी शॉल द्वारा सम्मान किया गया। दिनेश कुमार अग्रवाल दोमलगुडा ने अग्रवाल समाज के परिवार और माहेश्वरी ब्राहण समाज को और सभी मारवाड़ी समाज को सामूहिक विवाह में भी अपने परिवार निश्चित किये हुए विवाह को सामूहिक विवाह में करने का आग्रह किया।

समिति कोषाध्यक्ष संजय राठी, नीलेश अग्रवाल राधेश्याम सिखवाल, धर्मेंद्र खत्री, सीत-राम शर्मा, दिनेश कुमार अग्रवाल, रमेश कुमार दोचानिया, रामदेव नगला के धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बालाजी नगर स्थित श्री आई माताजी मंदिर, बडेर में गणतंत्र दिवस पर अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हीरालाल चोयल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष नारायणलाल बर्फा, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी, घेवरचन्द्र चोयल, मोहनलाल, अचलाराम, हेमाराम, हीरालाल काग, अशोक एवं अन्य उपस्थित थे।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गोशाला में गणतंत्र दिवस पर झंडावंदन करते एवं इस शुभ अवसर पर दान पेटी का लोकार्पण करते हुए अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, भंगाराम मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा, विकास शर्मा, नेमीचन्द्र, गीरधारीलाल चोयल, मोतीलाल काग, माधुराम चोयल, मांगीलाल, कालुराम काग चितल, महिला मंडल मैना पंवार, प्रेमा देवी सानपुरा एवं अन्य।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में शमसाबाद बडेर प्रांगण में ध्वजारोहण करते हुए मुख्य अतिथि - हरजी राम काग (अध्यक्ष अखिल भारतीय सीरवी महासभा प्रान्त तेलंगाना) और निम्न बन्धुओं की महेती उपस्थिति में उपाध्यक्ष चेलाराम काग, सहसचिव-नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष-राजुराम परिहार, शिक्षा समिति उपाध्यक्ष 1 - भेराराम परिहारीया, सचिव -भीकाराम काग, सलाहकार - हरिराम परिहारीया, पूर्व उपाध्यक्ष - मलाराम पंवार,समिति के सदस्य गण - सोहनलाल बर्फा, रमेश पंवार, रमेश चोयल, समाज के बंधु गण - गणपत काग, गोपाल पंवार,अमरजी एवं मातृशक्ति में महिला मंडल मनोनीत सदस्य - पुनम पंवार, नर्मदा बर्फ़ा,पूजा काग और नन्हें मुन्ने बच्चों की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इरिसेट में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरी एवं दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) ने सिकंदराबाद स्थित अपने परिसर में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। श्री शरद कुमार श्रीवास्तव, महानिदेशक/इरिसेट ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने संकाय, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए इस बात पर बल दिया कि इरिसेट को इस समय, जब रेलवे में आधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे कवच, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, डिजिटल एक्सल काउंटर, इंटरनेट प्रोटोकॉल - मल्टी प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (आईपी-एमपीएलएस) और सिगनल और दूरसंचार विभाग में दीर्घकालिक विकास (एलटीई) को बड़े पैमाने पर शामिल किया जा रहा है, और अधिक जोश और उत्साह के साथ अपनी भूमिका निभाना जारी रखते हुए कार्योन्मुख होना होगा। संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियां इस प्रकार हैं: संस्थान ने कैलेंडर वर्ष 2024 में 75,533 प्रशिक्षु दिवसों में 6190 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया, जो प्रशिक्षुओं की संख्या में 34.3% और प्रशिक्षु दिनों में 2.6% की वृद्धि है। कवच - भारतीय रेलवे स्वचालित ट्रेन सुरक्षा तकनीक पर विभिन्न हितधारकों का प्रशिक्षण संस्थान का फोकस क्षेत्र रहा। वर्ष 2024 में इरिसेट ने इलेक्ट्रिकल लोको शेड पर्यवेक्षकों, ट्रैफिक निरीक्षकों और मैकेनिकल अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए। नए कार्यक्रमों के अलावा, रेलवे के अन्य विभागीय कर्मियों जैसे इलेक्ट्रिकल और ट्रैफिक विभाग के कर्मियों को भी प्रशिक्षण दिया गया।

पीएसयू के नए प्रवेशकों एवं अधिकारियों, निजी उद्योग और इंजीनियरिंग कॉलेजों के संकाय के लिए भी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बाद में महानिदेशक ने परेड की सलामी ली। कर्मचारियों, प्रशिक्षुओं और उनके परिवारजनों और हितधारकों ने उत्साह और जोश के साथ देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को श्रीमती शोभा देवी अग्रवाल (राधाकिशन मानकचंद दादरीवाले परिवार), मायाराम अग्रवाल परिवार एवं स्व. श्रीमती देवी बाई पटवारी (महावीर प्रसाद पटवारी परिवार) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

सिखवाल प्रगति समाज द्वारा 76वें गणतंत्र दिवस पर ऋषि श्रृंग भवन फीलखाना में ध्वजारोहण किया गया। मारवाड़ी सिखवाल ब्राह्मण समाज अध्यक्ष भगवान व्यास एवं सिखवाल प्रगति समाज अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल ने संस्था भवन पर राष्ट्रिय ध्वज फहराया तथा सामाजिक विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में भारी संख्या में समाज बंधू एवं संस्था के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

प्राचीन शिवालय काशी बुग्गा के प्रधान शिव सेवक विजय महाराज के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई देते हुए श्री परशुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, विशाल अग्रवाल, महेश कुमार गोयल, शिव यादव, योगेश यादव, गिरीश जोशी, लोकेश इंदौरिया, रोहण जोशी, मोहित अग्रवाल व अन्य।

महाकुंभ में राम रोटी भंडारा का आयोजन

प्रयागराज/हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रयागराज महाकुंभ मेला में हैदराबाद के अग्रवाल बंधु द्वारा राम रोटी भंडारा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें साधु संतों को कुंभ मेला अग्रवाल बंधु एवं अशोक फाउंडेशन पंकज कुमार अग्रवाल द्वारा गोष्टी वितरण किया गया।

इस अवसर पर प्रज्ञानंद पीठाधीश्वर साध्वी मां विभानंद गिरी का स्वागत एवं सत्कार किया गया तथा अग्रवाल बंधु द्वारा चलाये जा रहे सेवा कार्यक्रमों की जानकारी दी गइ। इस अवसर पर प्रियंका अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, महक अग्रवाल मृणाल, रमेश एवं अन्य भक्तगण उपस्थित थे।

महाकुंभ के अवसर पर भक्तों की लिए भंडारा सेवा, स्नान सेवा व अन्य अनुष्ठानों के साथ-साथ जो भक्त व धर्म प्रेमी इस महाकुंभ में किसी कारणवश सम्मिलित नहीं हो पा रहे हैं उनके लिए आगामी 3 फरवरी से प्रयागराज के त्रिवेणी संगम का पावन जल कुंभ मेला अग्रवाल बंधु भंडारा चौक रिकाबगंज स्थित कार्यालय में निशुल्क उपलब्ध रहेगा । कुंभ मेला अग्रवाल बंधु कार्यालय हैदराबाद में संपर्क कर गंगाजल प्राप्त कर अपने घरों में गंगा स्नान का पुण्य फल प्राप्त कर सकते हैं।

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्मा गौरव भवन, उप्पल में गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट द्वारा आत्मा गौरव भवन, उप्पल में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी और वरिष्ठ संस्थापक मधुसूदन अग्रवाल ने की।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य- राजेश कुमार अग्रवाल (अध्यक्ष), मधुसूदनअग्रवाल (प्रबंध न्यासी), धीरज कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), विजय बंसल (सचिव,) दिनेश कुमार गुप्ता (संयुक्त सचिव), महावीर प्रसाद अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), गोपाल अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, दिनेश कुमार, गौरव अग्रवाल, नमन अग्रवाल, यश अग्रवाल, अशोक कुमार (चिड़िया वाले), उदय राज, शैलेश अग्रवाल, हरीश राजेंद्र और प्रदीप के साथ अन्य कार्यकारी सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।समारोह के उपरांत 100 से अधिक सदस्यों को मिठाई वितरित की गई।कार्यक्रम के दौरान राजेश कुमार अग्रवाल, आत्मा गौरव भवन के अध्यक्ष ने भवन के निर्माण की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की-आत्मा गौरव भवन का निर्माण अद्यतन-ब्लॉक ए:-

भूतल: 20,000 वर्ग फुट का कन्वेंशन हॉल, 6 विशाल बेडरूम (संलग्न शौचालयों के साथ), बड़े स्टोररूम और महिलाओं व पुरुषों के लिए सामान्य शौचालय। कार्य प्रारंभ हो चुका है।पहली मंजिल: 10,000 वर्ग फुट का हॉल - ईंट का काम शुरू हो चुका है।दूसरी और तीसरी मंजिल: स्लैब का काम पूरा हो गया।

चौथी और पांचवीं मंजिल का काम होगा। इस तरह ब्लॉक - में 50 बेडरूम, जिनमें 4 सुइट रूम शामिल होंगे। ब्लॉक बी:- भूतल: 20,000 वर्ग फुट का दूसरा कन्वेंशन हॉल।पहली मंजिल: 7,000 वर्ग फुट का बैंक्वेट हॉल - ईंट का काम शुरू हो गया।

दूसरी मंजिल: 10,000 वर्ग फुट का बैंक्वेट हॉल स्लैब का कार्य पूर्ण।तीसरी मंजिल: 10,000 वर्ग फुट का बैंक्वेट हॉल - स्लैब का काम जारी।राजेश कुमार अग्रवाल ने सभी ट्रस्टीज़ को उनके उदार योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और अग्रवाल समाज के सभी सदस्यों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और व्यक्तियों से भवन के विकास के लिए सहयोग और दान देने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि यह भवन, हैदराबाद के केंद्र में स्थित है और मेट्रो व बस सेवाओं से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।सभी ट्रस्टीज़, संस्थापक और संरक्षक ट्रस्टीज़ से अनुरोध किया गया कि आत्मा गौरव भवन व्हाट्सएप ग्रुप में भेजी गई जानकारी को जरूर देखें। भवन निर्माण कार्यक्रम और बैठकों से संबंधित सभी जानकारी केवल व्हाट्सएप के माध्यम से दी जा रही है। कृपया किसी ट्रस्टी को फोन नहीं किया जाएगा। सभी से प्रबंधन और कार्यरत ट्रस्टीज़ का पूरा सहयोग करने का अनुरोध किया गया।राजेश कुमार अग्रवाल ने सभी अग्रवाल समाज के सदस्यों से इस महत्वपूर्ण परियोजना को पूरा करने के लिए उदारतापूर्वक योगदान करने का पुनः अनुरोध किया।

अत्तापुर तेजस्वीनगर में गणतंत्र दिवस मनाते हुए पार्षद संगीता गौरीशंकर, लड्डू भाई, प्रदीप शर्मा, रविकिरण, राजु भाई, वर्षा, कृष्णावेणी, संजू मजाराज एवं अन्य।

बजरंग सेना तेलंगाना के तत्वावधान में 76वां गणतंत्र दिवस रानी पार्क, बैंक स्ट्रीट, कोटी में देशभक्ति की भावना और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता रामुलु भी उपस्थित थे। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने कार्यक्रम में भाग लिया और राष्ट्र की सेवा के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने समाज में एकता, देशभक्ति और सद्भाव को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों, युवाओं और विभिन्न संगठनों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो संविधान की भावना का जश्न मनाने और देश के नायकों के बलिदान को याद करने के लिए एक साथ आए। अवसर पर हनुमान राव, कृष्णा, रमेश, भिक्षापति, विजय, गुरुराज, किरण, दीक्षिता और अन्य ने भाग लिया।

राजस्थान के (नोखा) तहसील के ग्राम बेरासर में टैगोर एजुकेशन ग्रुप द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर निदेशक विमलेश ओला प्रधानाचार्य संगीता,रौनक मूंड सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण कुमार सोनी भूतपूर्व सरपंच बीजाराम जी मेघवाल एवं संस्था के समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

शैफरोन शोरूम में गणतंत्र दिवस मनाते हुए शैफरोन डायरेक्टर विमल गुप्ता, सपना गुप्ता, विनीत गुप्ता व अन्य।

सुल्तान बाजार हॉकर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए विधायक टी. राजा सिंह,, भाजपा नेता गोविंद राठी, मनोज जायसवाल एवं उपेंद्र।

राजस्थान के (नोखा) तहसील के ग्राम बेरासर में रामदेव शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया ! अवसर पर निदेशक चिमाराम जी मेघवाल भूतपूर्व सरपंच बीजाराम जी मेघवाल सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण कुमार सोनी सुनील कुम्हार अन्य लोग उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना अशोकनगर शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल में सम्पन्न हुआ। शाखा की संस्थापिका पूजा गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने हर्षोल्लास के साथ . भाग लिया। . मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती लक्ष्मी रमन गौड़ पार्षद हिमायत नगर संभाग ने भाग लिया।

डॉ. जी.पी. प्रसाद, ए.डी. प्रभारी के मार्गदर्शन में सीसीआरएएस-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद द्वारा 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

चारकमान मिट्टी का शेर के समीप श्री बालाजी फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर ध्वजारोहण करते हुए नितेश अग्रवाल,अमृता अग्रवाल, विकास, नेहा ,विवेक संघी एवं अन्य देखी जा सकते हैं।

गणतंत्र दिवस की आतिशबाजी के दौरान हुसैन सागर में भीषण आग लग गई, 1 घायल

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार को हुसैन सागर झील में भारत माता महाआरती कार्यक्रम के तहत आयोजित आतिशबाजी के दौरान भीषण आग लग गई। नेकलेस रोड पर पीपुल्स प्लाजा में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के उपलक्ष्य में किया था।बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के खत्म होने के बाद पटाखों को ठीक से न संभाल पाने के कारण दो नावों में आग लग गई। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, आग लगने के समय एक नाव पर 15 लोग सवार थे। सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।आपातकालीन अधिकारियों ने घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए यशोदा अस्पताल पहुंचाया।प्रत्यक्षदर्शियों ने भयावह क्षणों को याद करते हुए बताया कि कैसे आग एक नाव से दूसरी नाव में तेजी से फैल गई और दोनों नावें जलकर राख हो गईं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो और तस्वीरों में हवा में घना धुआँ उठता हुआ दिखाई दे रहा है, और बचाव दल आग पर काबू पाने के लिए काम कर रहे हैं, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग सदमे में हैं।स्थिति को संभालने के लिए अग्निशमन विभाग के अधिकारियों और बचाव कर्मियों सहित आपातकालीन सेवाओं को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। अधिकारियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी और सुनिश्चित किया कि आगे कोई दुर्घटना न हो।भाजपा नेता जी किशन रेड्डी ने इस बात पर राहत जताई कि इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई और लोगों को आश्वासन दिया कि आग लगने के कारणों की गहन जांच की जाएगी। उन्होंने भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ऐसी घटनाओं के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के महत्व पर जोर दिया।अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या नौकाओं में पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए थे और क्या आयोजकों ने आतिशबाजी प्रदर्शन के लिए उचित सावधानियां बरती थीं।

इस घटना ने बड़े सार्वजनिक समारोहों की सुरक्षा और योजना के बारे में चिंताएँ पैदा कर दी हैं, खासकर उन समारोहों में जहाँ आतिशबाजी जैसी खतरनाक सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, B ARUNA is spouse of No- 14434846X, Rank – EX-GNR, Name – RAVI KUMAR BOJJANI, R/O. Present Address- H.No-2-9-180/47/A, Bharath Nagar, Uppal, K.V. Rangareddy, Telangana, PIN-500039., I have changed my Name from – B ARUNA to BOJJANI ARUNAfor all purpose vide affidavit dated: 22/01/2025.

CHANGE OF NAME
I, GUTTE SHANKUNTALA is legally spouse of No- 15429487F, Rank – HAV, Name – GUTTE GANGADHAR BABURAO, R/O. Vill –DaithanaGhat, PO– KhodwaSawargaon, Teh-Parli(V), Dist- Beed, Maharashtra, I have changed my Name from – GUTTE SHANKUNTALA to GUTTE SHAKUNTALAGANGADHAR for all purpose vide affidavit dated: 23/01/2025.

CHANGE OF NAME
I, ANJANA MISHRAis legally wife of No-JC-857666Y, Rank-SUB, Name– PANKAJ KUMAR MISHRA, R/o Vill–Nari, PO–Nasaratpur, Teh-Phulpur, Dist-Prayagraj, U.P. I have changed my Name from – ANJANA MISHRA to ANJANA PANDEY for all purpose vide affidavit dated: 18/01/2025.

CHANGE OF NAME
I, ANUJA DEVIis legally spouse of No-15185811F, Rank–HAV, Name–ANAND KUMAR, R/o Vill–NaglaMoach, PO–UbhaiAsadnagar, Teh-Aliganj, Dist-Etah, U.P. I have changed my Name from – ANUJA DEVI to ANUJA for all purpose vide affidavit dated: 21/01/2025.

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-768340N, Rank–SUB, Name– CHANDI PRASAD BHADRI, R/o Vill-Bhouniyara, PO–Rajakhet, Teh-Pratap Nagar, Dist-TehriGarhwal, Uttarakhand. I have changed my Daughter Name from – KUMARI PRACHI to PRACHI for all purpose vide affidavit dated: 21/01/2025.

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-768340N, Rank–SUB, Name– CHANDI PRASAD BHADRI, R/o Vill-Bhouniyara, PO–Rajakhet, Teh-Pratap Nagar, Dist-TehriGarhwal, Uttarakhand. I have changed my Daughter Name from – KUMARI SAKSHI to SAKSHI for all purpose vide affidavit dated: 21/01/2025.

मैडिसन कीज ने अपने नाम किया महिला सिंगल्स का खिताब, फाइनल में सबालेंका को हराया

मेलबर्न, 26 जनवरी (एजेंसियां) । मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 का महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया। इस दौरान उन्होंने महिला रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी अरीना सबालेंका को हराया। हालांकि, इस मैच को सभी को उम्मीद थी कि सबालेंका खिताब जीतने में कामयाब होंगी लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन ने बड़ा उलटफेर करने के साथ तीन सेट में मुकाबले को अपने नाम कर दिया।

अमेरिका की 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 का महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया। इस दौरान उन्होंने महिला रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी अरीना सबालेंका को हराया। हालांकि, इस मैच को सभी को उम्मीद थी कि सबालेंका खिताब जीतने में कामयाब होंगी लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन ने बड़ा उलटफेर करने के साथ तीन सेट में मुकाबले को अपने नाम कर दिया।इस मैच में सबालेंका ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में वापसी तो की लेकिन तीसरे और निर्णायक सेट को मैडिसन ने जीतने के साथ अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल भी जीता। मैडिसन कीज और अरीना सबालेंका के बीच खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबले को लेकर बात की जाए तो उसमें पहले सेट को मैडिसन ने 6-3 से अपने नाम किया वहीं इसके बाद दूसरे सेट में अरीना सबालेंका ने शानदार वापसी करने के साथ उसे 6-2 से जीता।

अब 1-1 से मैच बराबरी पर आने के बाद सभी फैंस की नजरें तीसरे और निर्णायक सेट पर थी जिसमें मैडिसन ने फिर से वापसी करने के साथ इस रोमांचक सेट को 7-5 से जीता और अरीना साबलेंका का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना भी तोड़ दिया। अगर सबालेंका ऐसा करने में कामयाब होती तो वह साल 1997 से 1999 में मार्टिना हिंगिस के बाद पहली महिला खिलाड़ी होती जो मेलबर्न पार्क में लगातार तीन बार ऑस्ट्रेलियन ओपन को अपने नाम करती।

वहीं अमेरिका की खिलाड़ी ने जीत दर्ज करते ही अपना चेहरा अपने हाथों से ढक लिया, फिर हाथों को ऊपर उठा का जश्न मनाया। उन्होंने इसके बाद अपने पति और कोच (2023 से) ब्योर्न फ्रैटांगेलो और टीम के अन्य सदस्यों को गले लगाया। सबालेंका ने कीज को बधाई देने के बाद अपने टेबल के पास जाकर रैकेट को जोर से जमीन पर पटका और अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए सफेद तौलिये से चेहरा ढक लिया। अमेरिकी ओपन 2015 में फ्लाविया पेनेटा के 33 साल की उम्र में चैम्पियन बनने के बाद कीज सबसे उम्रदराज महिला ग्रैंड स्लैम चैम्पियन हैं। कीज अपने 46वें ग्रैंड स्लैम में चैम्पियन बनी।

गुकेश ने अब्दुसात्तोरोव को बराबरी पर रोका, प्रज्ञानानंदा संयुक्त रूप से शीर्ष पर

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां) । डी गुकेश ने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के छठी बाजी में संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्त-ोरोव के साथ ड्रॉ खेला, जबकि आर प्रज्ञानानंदा ने गत चैंपियन चीन के वेई यी के साथ अंक साझा किये। अब्दुसात्त-ोरोव और प्रज्ञानानंदा संभावित छह में से 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज है।विज्क आन जी (नीदरलैंड) । विश्व चैंपियन डी गुकेश ने यहां टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के छठी बाजी में संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के साथ ड्रॉ खेला, जबकि आर प्रज्ञानानंदा ने गत चैंपियन चीन के वेई यी के साथ अंक साझा किये। अब्दुसात्तोरोव और प्रज्ञानानंदा संभावित छह में से 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज है जबकि गुकेश चार अंकों के साथ उनके बाद है। साल के पहले बड़े टूर्नामेंट में अभी सात बाजियों के मुकाबले बाकी हैं।पी हरिकृष्णा, सर्बिया के एलेक्सी सरना और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव साढे तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। गुकेश ने अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मुकाबले में पकड़ ढीली पड़ने के बाद अच्छी वापसी की और 64 चालों के बाद इसे ड्रॉ करने पर सहमत हो गये।

इस मुकाबले की शुरुआत इटालियन ओपनिंग (सफेद मोहरों से प्यादा और वजीर के चाल के जवाब में काले मोहरों से प्यादा और घोड़े (नाइट) की चाल) से हुई।शुरुआती चालों के बाद अब्दुसत्तोरोव ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू की। आखिरी कुछ चालों गुकेश को अपना एक मोहरा गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनके लिए स्थिति तब और जटिल हो गयी जब अब्दुसत्तोरोव ने तीन प्यादों के लिए अपने घोड़े की बलि दे दी। गुकेश इसके बाद काफी दबाव में आ गये।मुश्किल परिस्थिति होने के बावजूद गुकेश ने एक बार फिर अपनी शानदार रक्षात्मक खेल से मुकाबला ड्रॉ कराया। प्रज्ञानानंदा ने सफेद मोहरों से वेई यी के खिलाफ बढ़त बनाने की कोशिश की लेकिन चीन के खिलाड़ी ने 58 चाल के बाद उन्हें मुकाबला ड्रॉ करने पर मजबूर कर दिया। पी हरिकृष्णा ने हॉलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट और अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के फैबियानो कारूआना जोखिम लेने से बचते हुए बराबरी का मुकाबला खेला।

तमिलनाडु और बिहार के कबड्डी मैच में मचा जमकर बवाल, आपस में भिड़ गए खिलाड़ी

तमिलनाडु, 26 जनवरी (एजेंसियां) । पंजाब के बठिंडा में आयोजित नॉर्थ जोनल इंटर यूनिवर्सिटी और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी चैंपियनशिप 2024-25 में बड़ा विवाद हो गया। तमिलनाडु और बिहार की महिला कबड्डी खिलाड़ियों के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब तमिलनाडु की टीम ने बिहार की दरभंगा यूनिवर्सिटी टीम पर बेईमानी से हमला कनरे का आरोप लगाया।

पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को आयोजित नॉर्थ जोनल इंटर यूनिवर्सिटी और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी चैंपियनशिप 2024-25 में बड़ा विवाद हो गया। तमिलनाडु और बिहार की महिला कबड्डी खिलाड़ियों के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब तमिलनाडु की टीम ने बिहार की दरभंगा यूनिवर्सिटी टीम पर बेईमानी से हमला कनरे का आरोप लगाया।

तमिलनाडु की मदर टेरेसा यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि मैच की शुरुआत से ही रेफरी उनके विरोधी टीम के पक्ष में था, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। दरभंगा यूनिवर्सिटी की टीम द्वारा किए गए गलत हमलों और रेफरी की लापरवाही ने विवाद को और बढ़ा दिया। जब तमिलनाडु की टीम ने इसका विरोध किया, तो रेफरी ने कथित तौर पर एक खिलाड़ी के साथ मारपीट की, जिसके कारण दोनों टीमों के बीच हाथापाई हुई।

दरभंगा यूनिवर्सिटी के सपोर्टर भी विवाद में कूद पड़े और मारपीट को बढ़ा दिया। इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। जिसमें दोनों टीमों के सपोर्टर एक-दूसरे पर कुर्सियां और टेबल फेंकते नजर आए। वीडियो में कुछ पुरुष भी दिखे, जिनके बारे में ये स्पष्ट नहीं हो सका कि वे अधिकारी थे या दर्शक।

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खिलाड़ियों को मामूली खरोंचें आई हैं। उन्होंने ये भी कहा कि मैच के दौरान अंकों को लेकर विवाद हुआ था। स्टालिन ने कहा कि, ये एक छोटी सी घटना थी, अब सब कुछ नियंत्रण में है। खिलाड़ियों को फर्स्ट एड दिया गया है और वे दिल्ली में रहेंगे। जल्द ही वे चंडीगढ़ के लिए रवाना होंगे।

वर्ल्ड गवर्निंग बॉडी ने दी धमकी, इंटरनेशनल लेवल पर भारत को कुश्ती से कर दिया जाएगा सस्पेंड

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां) । अगर यूडब्ल्यूडब्ल्यू भारत को राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए निलंबित करता है तो देश के पहलवानों को भविष्य में इंटरनेशनल लेवल पर भाग लेने की अनुमति नहीं मिलेगी। जो भारत के उन कई रेसलर्स के लिए झटका होगा जो इस खेल में अपना भविष्य देख रहे हैं और ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत को मेडल जिताने का सपना देख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय लेवल पर कुश्ती की गवर्निंग बॉडी यूडब्ल्यूडब्ल्यू यानी यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने धमकी दी है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू की इस धमकी में कहा गया है कि अगर भारतीय महासंघ में राजनीतिक हस्तक्षेप जल्द खत्म नहीं हुआ तो वह भारत को सस्पेंड कर दिया जाएगा। ऐसे में अगर यूडब्ल्यूडब्ल्यू भारत को राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए निलंबित करता है तो देश के पहलवानों को भविष्य में

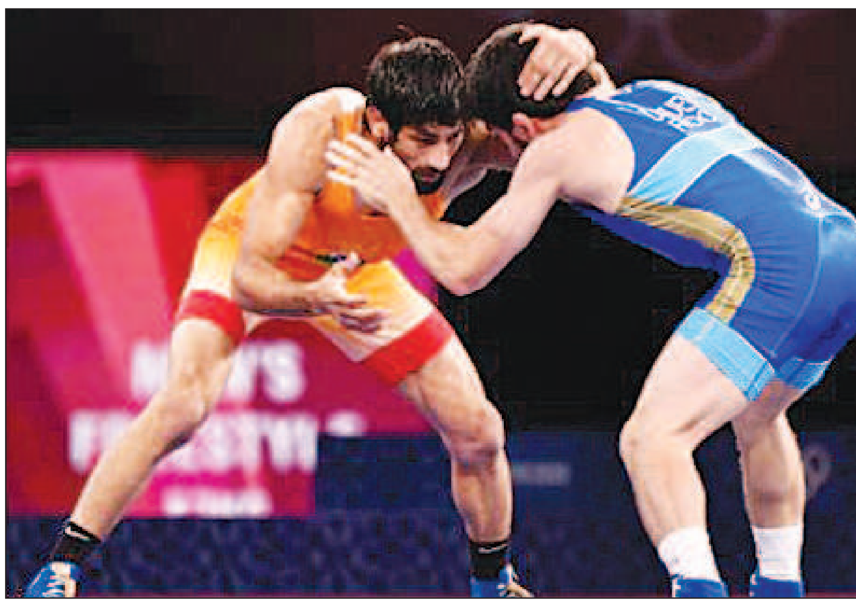

इंटरनेशनल लेवल पर भाग लेने की अनुमति नहीं मिलेगी। जो भारत के उन कई रेसलर्स के लिए झटका होगा जो इस खेल में अपना भविष्य देख रहे हैं और ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत को मेडल जिताने का सपना देख रहे हैं। यूडब्ल्यूडब्ल्यू प्रेसिडेंट नेनाद लालोविक ने साफ कर दिया है कि डब्ल्यूएफआई की सदस्यता बरकरार रखी जानी चाहिए। खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था, इससे पहले महासंघ ने दिसंबर 2023 में चुनाव करवाए थे। मंत्रालय के निलंबन को आधार बनाते हुए पहलवान सत्यव्रत कादियान ने दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर कर डब्ल्यूएफआई के भारतीय टीमों के सेलेक्शन के अधिकार पर सवाल उठाया था।

यही कारण है कि भारतीय टीमें वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से लगभग चूक गई थीं। मंत्रालय ने टीम को मंजूरी देने के बाद कहा था कि वह निलंबन की समीक्षा करेगा। यहां तक कि अदालत ने मंत्रालय से निलंबन पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। अदालत ने तदर्थ पैनल को भी बहाल कर दिया था, लेकिन खज- ने ये भी कहते हुए आदेश का पालन करने से इनकार कर दिया कि इसकी जरुरत नहीं है। यहां तक कि, सरकार ने भी महासंघ के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कुछ बैठकों में भाग लेने के लिए डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह को आमंत्रित किया था। गुरुवार को णथथ प्रेसिडेंट नेनाद लालोविक ने संजय सिंह को एक पक्ष लिखा कि वह थत्रख़ को भारत में कुश्ती के खेल और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके प्रतिनिधित्व से संबंधित सभी मामलों में हमारे लिए एकमात्र मध्यस्थ के रूप में स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि,यूडब्ल्यूडब्ल्यू हमारे सदस्य महासंघों के आंतरिक मामलों में सार्वजनिक और राजनीतिक अधिकारियों द्वारा किसी भी तरह का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करता है सिवाय राष्ट्रीय महासंघों को सार्वजनिक अनुदान के उपयोग के नियंत्रण से संबंधित मामलों को छोड़कर।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया के सिलेक्शन में हो गया ब्लंडर : हरभजन सिंह

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां) । आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम इंडिया का एलान हो चुका है। अब पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने टीम में संजू सैमसन और युजवेंद्र चहल को शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं।हरभजन के मुताबिक, खासतौर पर चहल को टीम में शामिल नहीं किया जाना बहुत बड़ा ब्लंडर है, क्योंकि अभी टीम में शामिल रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल एक जैसे स्पिनर हैं। चहल को टीम में शामिल किया जाता तो स्पिन अटैक को विविधता मिलती।

हरभजन सिंह को लगता है कि भारत ने आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए युजवेंद्र चहल को अपनी टीम में नहीं चुनकर एक बड़ी चयन गलती की है। 15 सदस्यीय टीम में कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा हैं।

कलाई के स्पिनर चहल ने आखिरी बार जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान 50 ओवर के फॉर्मेट में गेंदबाजी की थी। भज्जी का कहना है कि स्पिन आक्रमण में विविधता लाने के लिए चहल को चुना जाना चाहिए था।

बकौल भज्जी, आपने चार स्पिनर चुने हैं, उनमें से दो बाएं हाथ के हैं। आप विविधता के लिए एक लेग स्पिनर

भी शामिल कर सकते थे। चहल एक शानदार गेंदबाज हैं। मुझे नहीं पता कि उसने क्या गलत किया कि वह इस टीम में फिट नहीं बैठता।

34 साल के चहल ने अपने करियर में अब तक 72 वनडे मैच खेले हैं और 27.13 के औसत से 121 विकेट लिए हैं। उनका इकोनॉमी रेट 5.26 रहा है, जबकि दो बार पांच विकेट लेने में कामयाब रहे हैं।

चहल को आखिरी बार टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम में चुना गया था, जहां टीम में अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव भी थे। तब चहल को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था।

हरभजन सिंह ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की भी वकालत की। कहा कि संजू लगातार रन बना रहे हैं, वनडे फॉर्मेट में फिट भी हैं, फिर भी उन्हें टीम से बाहर रखा गया है।भज्जी ने कहा, मुझे संजू के लिए भी बुरा लग रहा है। वह रन बनाता है, लेकिन उसे बाहर कर दिया जाता है। मैं जानता हूं कि आप केवल 15 खिलाड़ियों का चयन कर सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि संजू की बल्लेबाजी इस फॉर्मेट के अनुकूल है। उसका औसत 55-56 का है, लेकिन वह टीम में दूसरे विकेटकीपर के तौर पर भी मौजूद नहीं हैं।

बता दें, संजू सैमसन पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने अपनी पिछली छह टी20 पारियों में तीन शतक बनाए हैं। उन्होंने दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने आखिरी वनडे मैच में शानदार शतक भी लगाया था।

30 वर्षीय संजू ने वनडे क्रिकेट में 14 पारियों के बाद 56.66 की औसत और 99.60 की स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं।

बिग बैश लीग का फाइनल आज खेला जाएग

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां) । ऑस्ट्रेलिया का बिग बैश लीग 2024-25 आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है. फाइनल की टीमें तय हो चुकी हैं.डेविड वॉर्नर की कप्तानी वाली सिडनी थंडर और होबार्ट हरिकेंस के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा. होबार्ट ने अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया है. उसने क्वालीफायर में सिडनी सिक्सर्स को हराकर फाइनल का सफर तय किया जबकि सिडनी थंडर ने मेलबर्न स्टार्स को 4 विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले में एंट्री मारी. इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर चुके वॉर्नर इन दिनों बीबीएल में खूब चौके और छक्के लगा रहे हैं. उनके चाहने वाले ऑस्ट्रेलिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लोग हैं.

खिताबी मुकाबले में वह कब और कितने बजे से मैदान पर उतरेंगे, लोग यह जानने को उत्सुक हैं।

बीबीएल का फाइनल सोमवार (27 जनवरी) को होबार्ट के बेलेराइव ओवल में सिडनी थंडर और होबार्ट हरिकेंस के बीच खेला जाएगा.यह मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1:45 बजे से खेला जाएगा. खिताबी मुकाबले का लाइव टेलीकास्ट भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा जबकि इसकी लाइव सट्रीमिंग भारत में डिज्नी प्लस हॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध होगी.

तेलंगाना में 76वां गणतंत्र दिवस भव्यता और गौरव के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रविवार को पूरे तेलंगाना में देशभक्ति के जोश के बीच जीवंत औपचारिक परेड, राष्ट्रीय ध्वज फहराने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में महिलाओं और बच्चों सहित हजारों लोगों की उपस्थिति में एक प्रभावशाली परेड के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली। परेड में सेना, सशस्त्र पुलिस, एनसीसी, स्काउट्स एंड गाइड्स और पुलिस और सेना के बैंड की टुकड़ियाँ शामिल थीं। प्रमुख उपस्थित लोगों में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, मंत्री, विधायक, वरिष्ठ रक्षा और नागरिक अधिकारी और उनके परिवार, डीजीपी जितेंद्र और मुख्य सचिव शांति कुमारी शामिल थे।

अपने संबोधन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने रवींद्रनाथ टैगोर की दूरदर्शी पंक्तियों का हवाला देते हुए नागरिकों से एकता, समावेशिता और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने तेलंगाना के सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर जोर दिया, तेलंगाना तल्ली प्रतिमा, राज्य गीत और साहित्यिक और कलात्मक योगदान की मान्यता जैसी पहलों का हवाला दिया। राज्यपाल ने कृषि में सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें रिकॉर्ड धान उत्पादन, फसल ऋण माफी और रायथु भरोसा के तहत बढ़ी हुई वित्तीय सहायता शामिल है, जो किसानों को सशक्त बनाने और उत्पादक भूमि उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रति एकड़ 12,000 रुपये सालाना प्रदान करती है। इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा की शुरूआत, 2023-24 में एमजीएनआरईजीएस के तहत कम से कम 20 दिनों तक काम करने वाले भूमिहीन कृषि मजदूरों को 12,000 रुपये प्रति वर्ष की पेशकश करती है, जिसे एक प्रगतिशील उपाय के रूप में सराहा गया। मुफ्त बस यात्रा, एलपीजी सब्सिडी और उद्यमिता कार्यक्रमों सहित महिला सशक्तिकरण पहलों को राज्य भर में जीवन पर उनके परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए राज्यपाल से विशेष प्रशंसा मिली। राज्यपाल ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में प्रगति का भी उल्लेख किया, यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी और आरोग्यश्री स्वास्थ्य योजना के तहत विस्तारित कवरेज जैसी परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। मेट्रो रेल विस्तार, मूसी नदी का पुनरुद्धार और स्वच्छ ऊर्जा नीतियों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं।तेलंगाना के औद्योगिक विकास को दावोस से 1.78 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ प्रदर्शित किया गया, जिससे आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और नवीकरणीय ऊर्जा में अग्रणी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई। संघवाद और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को देव वर्मा ने शासन की आधारशिला बताया।कार्यक्रम का समापन राज्यपाल द्वारा स्वतंत्रता, समानता और न्याय के प्रति तेलंगाना के समर्पण की पुष्टि के साथ हुआ, जिसका उद्देश्य राष्ट्र के लिए एक मानक स्थापित करना है। पुलिस और अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए पदक और पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुचारू रूप से उत्सव मनाने के लिए सजे-धजे परेड ग्राउंड के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी।गणतंत्र दिवस पर पूरे राज्य में जश्न मनाया गया, जहां मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और जिला कलेक्टरों ने तिरंगा फहराया और स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लिया। स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि राजनीतिक दलों ने अपने कार्यालयों में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किए।

इससे पहले, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अपने वीडियो संदेश में तेलंगाना के लोगों को 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने अपने आधिकारिक आवास प्रजा भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने विधानसभा परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

विधान परिषद के अध्यक्ष जी. सुखेंद्र रेड्डी ने परिषद परिसर में आयोजित कार्यक्रम में तिरंगा फहराया। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व किया। कार्यक्रम में आईएएस अधिकारियों और सचिवालय कर्मचारियों सहित शीर्ष नौकरशाहों ने भाग लिया।

तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल ने उच्च न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम में न्यायाधीश, वकील और कर्मचारी शामिल हुए। राजनीतिक दलों के कार्यालयों में भी गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने पार्टी मुख्यालय गांधी भवन में समारोह का नेतृत्व किया। तेलंगाना भवन स्थित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) मुख्यालय में विधान परिषद में पार्टी के नेता एस. मधुसूदन चारी ने तिरंगा फहराया। जिला कलेक्टरों ने अपने-अपने जिला मुख्यालयों में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

ईसीआईएल में 76वां गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 26 जनवरी, 2025 को अपने कारखाने परिसर में बड़े उत्साह और जोश के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सीआईएसएफ की टुकड़ी द्वारा प्रस्तुत सलामी गारद का निरीक्षण किया।

गणतंत्र दिवस समारोह में परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला शामिल थी। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों, कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिन्होंने 39वें डीएई खेल आयोजनों, श्रीलंका और ग्वालियर में आयोजित गुणवत्ता सर्किल प्रतियोगिताओं में पदक जीते थे। वरिष्ठ अधिकारियों, ईसीओए के अध्यक्ष और ईसीएमएस यूनियन के अध्यक्ष ने संबोधन दिए। इस अवसर पर ईसीआईएल गौरव पत्रिका के 23वें अंक का विमोचन भी किया गया।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (तकनीकी) ने ईसीआईएल की प्रतिबद्धता और भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे प्रमुख रणनीतिक कार्यक्रमों में आत्मनिर्भरता को पूरा करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास में इसकी भूमिका का आश्वासन दिया।

समारोह में डॉ. अनेश कुमार शर्मा, ओएस एवं निदेशक (तकनीकी), पी. कृष्ण कुमार, आईटीएस, सीवीओ, कार्यकारी निदेशक, जीएमएस, एचओडीएस, ईसीओए एवं ईसीएमएस पदाधिकारी तथा ईसीआईएल कर्मचारी अपने परिवारों के साथ उपस्थित थे।

रेल की पटरियों से लदी लॉरी ने ऑटो को टक्कर मारी, एक बच्चे समेत सात की मौत

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
वारंगल-खम्मम राष्ट्रीय राजमार्ग पर मामनुरु भारत पेट्रोल पंप के पास एक दुखद सड़क दुर्घटना हुई , जहाँ भारी रेल की पटरियाँ ले जा रही एक लॉरी एक ऑटो रिक्शा से टकरा गई। इस दुर्घटना में एक बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।पुलिस के अनुसार, रेल की पटरियों से लदी लॉरी ने नियंत्रण खो दिया और ऑटो से टकरा गई। लॉरी से भारी धातु की पटरियाँ ऑटो पर गिर गईं, जिससे यात्रियों को गंभीर चोटें आईं। सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए । घायलों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।इस दुर्घटना ने क्षेत्र

में सड़क सुरक्षा और भारी माल के परिवहन को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं। अधिकारी दुर्घटना के सटीक कारण को समझने के लिए घटना की जाँच कर रहे हैं और यह भी पता लगा रहे हैं कि यात्रा से पहले लॉरी को ठीक से सुरक्षित किया गया था या नहीं।

बचाव कार्य अभी भी जारी है, तथा रिपोर्टों से पता चलता है कि कुछ पीड़ित धातु की रेलिंग के नीचे फंसे हुए हैं, जिससे मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।तेलंगाना सरकार ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और स्थिति पर बारीकी से नज़र रखी है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं : रेवंत रेड्डी

नारायणपेट जिला (तेलंगाना), 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। लोक प्रशासन में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए उन्होंने रविवार को चार कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया।

कोसगी मंडल के चंद्रवंचा में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने रायतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, इंदिराम्मा मंज़ानु और राशन कार्ड वितरण योजन-ाओं का शुभारंभ किया और लाभार्थियों को चेक सौंपे। कुल 734 लोगों को रायतु भरोसा चेक वितरित किए गए और इंदिराम्मा मंज़ानु योजना के लिए 11.80 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए

रेवंत रेड्डी ने कहा, हम राज्य की समस्याओं को एक-एक करके हल कर रहे हैं। हम दी गई गारंटी को लागू करके आगे बढ़ रहे हैं। कई गरीब लोग नए राशन कार्ड की तलाश कर रहे हैं। किसान मजदूर सरकारी सहायता चाहते हैं। दस साल बाद हम इंदिराम्मा मंजरा कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। जमीन और बीज का संबंध किसानों और कांग्रेस के बीच है। किसानों को मुफ्त बिजली देने की योजना सबसे पहले कांग्रेस सरकार ने लागू की थी। यह कांग्रेस सरकार ही थी जिसने पूरे देश में किसानों के कर्ज माफ किए। उस समय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक हस्ताक्षर से पूरे देश में कर्ज माफ कर दिया था। अब हमने एक ही किस्त में किसानों के 2 लाख रुपये तक के कर्ज माफ किए हैं। ऐसा कोई दूसरा राज्य नहीं है जिसने इस तरह कर्ज माफ किया हो। हमने करीब 25 लाख किसानों के खातों में 21 हजार करोड़ रुपये जमा किए हैं। हमने खेती की लागत बढ़ने के कारण रैतु भरोसा निधि में वृद्धि की है। हम प्रति एकड़ प्रति वर्ष 12 हजार रुपये दे रहे हैं।

आज रविवार है, इसलिए रैयत भरोसा के पैसे जमा नहीं होंगे। रात 12 बजे के बाद किसानों के खातों में पैसे जमा हो जाएंगे। पहले भी मजदूरों ने हमसे भूमिहीनों की मदद करने को कहा था। हमने भूमिहीन खेतिहर मजदूरों की मदद के लिए इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजना लाई है। इस योजना के तहत हम 12 हजार रुपये दे रहे हैं।

रेवंत ने एओयू में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को डॉ बी आर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (एओयू) में भारत रत्न डॉ बी आर अंबेडकर की एक प्रतिमा का अनावरण किया और राज्य में संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और शिक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के महत्व पर बल दिया।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर देश में संविधान की रक्षा को लेकर चल रही चर्चा पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण के साथ स्थापित विश्वविद्यालय को केवल प्रमाण पत्र जारी करने की भूमिका से आगे बढ़ना चाहिए और इसके बजाय सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक केंद्र के रूप में काम करना चाहिए।उन्होंने विश्वविद्यालय को सामाजिक जिम्मेदारी के साधन के रूप में आगे बढ़ाने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को दिया। रेड्डी ने शिक्षा के अधिकारों को कमजोर करने के प्रयासों की आलोचना करते हुए कहा कि किसी भी अधिकारी को नागरिकों को शिक्षा तक पहुँच से वंचित करने का अधिकार नहीं है।

उन्होंने तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप कुलपति नियुक्त करके राज्य की उपेक्षित शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि 20 वर्षों के बाद दलित समुदाय के एक शिक्षाविद को उस्मानिया विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को संस्थानों को मजबूत करने के लिए एक दशक लंबा रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया और आश्वासन दिया कि सरकार इसके कार्यान्वयन की जिम्मेदारी लेगी। रेड्डी ने विश्वविद्यालयों के निजीकरण का विरोध किया और राज्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके पुनर्निर्माण और विकास की वकालत की। उन्होंने तेलंगाना के विश्वविद्यालयों के योगदान पर प्रकाश डाला, जिन्होंने पी वी नरसिम्हा राव और जयपाल रेड्डी जैसी प्रमुख हस्तियों को जन्म दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.